2025

हिन्दी माध्यम

RRB NTPC

Graduate & Under Graduate Level

CBT STAGE- I&II

Chapterwise Solved Papers

General Awareness **3** VOL.

यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स

RRB NTPC 3

रेलवे भर्ती बोर्ड

Railway Recruitment Boards

CEN संख्या 05-06/2024

Non Technical Popular Categories

गैर तकनीकि एवं लोकप्रिय कोटि

CBT STAGE- I & II

BASED ON NEW **TCS** PATTERN

PART

सामान्य जागरूकता

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की वर्तमान घटनाएँ, खेल और क्रीड़ा, भारत की कला और संस्कृति, भारतीय साहित्य, भारत के स्मारक और स्थान, सामान्य विज्ञान और जीवन विज्ञान (40 वीं सीबीएसई तक), भारत का इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम, भारत और विश्व की भौतिक, सामाजिक और आर्थिक भूगोल, भारतीय राजनीति और शासन–संविधान और राजनीतिक प्रणाली, भारत के सामान्य वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास सहित अंतरिक्ष और परमाणु कार्यक्रम, संयुक्त राष्ट्र और अन्य महत्वपूर्ण संगठन, भारत और विश्व में बड़े पैमाने पर पर्यावरण के मुद्दों, कंप्यूटर और कंप्यूटर अनुप्रयोग, सामान्य सौंदर्यियाँ, भारत में परिवहन प्रणाली, भारतीय अर्थव्यवस्था, भारत और विश्व की प्रसिद्ध हस्तियाँ, ध्वजपोत (विशेष) सरकारी कार्यक्रम, भारत की वनस्पति और जीव, भारत के महत्वपूर्ण सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठन आदि।

GRADUATE LEVEL

- Cheif Commercial Cum Ticket Supervisor
- Station Master
- Goods Train Manager
- Junior Account Assistant Cum Typist
- Senior Clerk Cum Typist

UNDER GRADUATE LEVEL

- Commercial Cum Ticket Clerk
- Account Clerk Cum Typist
- Junior Clerk Cum Typist
- Trains Clerk

221 SETS

22580+ OBJECTIVE QUESTIONS

सम्पूर्ण अध्यायवार सॉल्व्ड पेपर्स

विस्तृत व्याख्या सहित हल एवं RRB बोर्ड द्वारा जारी ANSWER-KEY द्वारा प्रमाणित

रेलवे भर्ती बोर्ड

RRB NTPC

गैर तकनीकि लोकप्रिय कोटि

CBT Stage-I & II

सामान्य जागरूकता

(सामान्य ज्ञान एवं विज्ञान)

सम्पूर्ण अध्यायवार सॉल्व्ड पेपर्स

प्रधान सम्पादक
ए.के. महाजन
लेखन सहयोग
परीक्षा विशेषज्ञ समिति
कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण, पंकज कुशवाहा, चरन सिंह
संपादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
9415650134
Email : yctap12@gmail.com
www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com
© All rights reserved with Publisher
प्रकाशन घोषणा
प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने E:Book by APP Youth Prime BOOKS, से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।
इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव एवं सहयोग सादर अपेक्षित है।
किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

विषय-सूची

सामान्य ज्ञान (General Knowledge)

भाग-1 : इतिहास (History)..... 9-119

प्राचीन इतिहास (Ancient History)..... 9-36

1. पाषाण काल (Stone age) 9
2. सिन्धु सभ्यता (Indus Civilization).....9
3. वैदिक सभ्यता (Vedic Civilization) 12
4. महाजनपद काल (Mahajanpada Period) 13
5. जैन धर्म (Jainism) 14
6. बौद्ध धर्म (Buddhism) 14
7. पारसी/यहूदी धर्म (Zoroastrianism/Judaism).....17
8. मौर्य साम्राज्य (Mauryan Empire).....17
9. मौर्योत्तर काल (Post-Mauryan Period).....20
10. गुप्त एवं गुप्तोत्तर साम्राज्य (Gupta and Post-Gupta Empire) 21
11. दक्षिण भारतीय राजवंश (चोल/चालुक्य/ पल्लव / संगम) [South Indian Dynasties (Chola/Chalukya /Pallava/Sangama)] 23
12. सीमावर्ती राजवंश (Borderline Dynasties).....24
13. प्राचीनकालीन साहित्य एवं साहित्यकार (Ancient Literatand Litterateur) 25
14. प्राचीनकालीन स्थापत्य कला/चित्रकला/संगीतकला (Ancient Period Architecture/ Painting/ Music) 28
15. राजपूत राजवंश (Rajput Dynasty).....35
16. प्राचीनकालीन विविध (Ancient Period Miscellaneous).....35

मध्यकालीन इतिहास (Medieval History)..... 37-55

1. अरब एवं तुर्की आक्रमण (महमूद गजनवी, मुहम्मद गोरी) (Invasion of Arab and Turks (Mahmud Ghaznavi, Muhammad Ghori).....37
2. दिल्ली सल्तनत (Delhi Sultanate).....37
   - (i) गुलाम वंश (Slave Dynasty) 37
   - (ii) खिलजी वंश (Khilji Dynasty) 38
   - (iii) तुगलक वंश (Tughlaq Dynasty).....39
   - (iv) लोदी वंश (Lodi Dynasty).....40
3. सल्तनत कालीन स्थापत्य एवं चित्रकला (Art and Architecture in Sultanate Period).....40
4. विजयनगर/बहमनी साम्राज्य (Vijaynagar/ Bahmani Empire) 41
5. भक्ति एवं सूफी आंदोलन (Bhakti and Sufi Movement).....43
6. मुगल काल (Mughal Period).....43
   - (i) बाबर (Babur).....43
   - (ii) शेरशाह सूरी (Shershah Suri) 44
   - (iii) अकबर (Akbar) 45
   - (iv) जहाँगीर (Jahangir) 46
   - (v) शाहजहाँ (Shah Jahan) 47
   - (vi) औरंगजेब (Aurangzeb)..... 47
   - (vii) उत्तरवर्ती मुगल शासक (Rulers of Later Mughal Period)..... 47
7. मुगल कालीन साहित्य (Literature during Mughal Period) 48
8. मुगल कालीन स्थापत्य एवं चित्रकला (Art & Architecture in Mughal Period).....49
9. सिक्ख धर्म (Sikhism).....53
10. मध्यकालीन विविध (Medieval Miscellaneous) 54

आधुनिक इतिहास (Modern History) 56-119

1. भारत में यूरोपियों का आगमन (Arrival of the Europeans in India) 56
2. मराठों का उदय एवं विकास (Rise and Development of Marathas).....58
3. स्वतंत्र राष्ट्र (मैसूर/बंगाल/पंजाब/अवध) [Independent States (Mysore/ Bengal/ Punjab/Awadh)] 58
4. औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था (Colonial Economy).....60
5. आधुनिक भारत में शिक्षा का विकास (Development of Education in Modern India) 62
6. समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ (Newspapers and Magazines) 63
7. 1857 का विद्रोह (Revolt of 1857).....65
8. किसान विद्रोह एवं किसान आंदोलन (Peasant Revolt and Peasant Movements) 67
9. जनजातीय/अन्य प्रमुख आंदोलन (Tribal/Other Major Movements).....68
10. सामाजिक एवं धार्मिक आंदोलन (Social and Religious Movements).....69
11. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (Indian National Congress) 71
12. बंगाल विभाजन एवं स्वदेशी आंदोलन (Partition of Bengal & Swadeshi Movement) 76
13. मुस्लिम लीग (Muslim League) 77
14. दिल्ली दरबार (Delhi Darbar).....78
15. होमरूल आंदोलन (Homerule Movement).....79
16. क्रांतिकारी आंदोलन (Revolutionary Movement).....79
17. रॉलेट एक्ट (Rowlatt Act) 84
18. जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड (Jallianwala Bagh Massacre) 85
19. असहयोग/खिलाफत आंदोलन (Non-cooperation/ Khilafat Movement) 86
20. स्वराज पार्टी (Swaraj Party).....89
21. महात्मा गाँधी एवं उनके प्रारम्भिक आंदोलन (Mahatma Gandhi and his Initial Movement) 89

22. सविनय अवज्ञा आन्दोलन (Civil Disobedience Movement) 92
23. साइमन कमीशन (Simon Commission) 94
24. गाँधी-इरविन समझौता/गोलमेज सम्मेलन (Gandhi-Irwin Pact/Round Table Conference) 95
25. पूना पैक्ट (Poona Pact) 96
26. आजाद हिन्द फौज/सुभाष चन्द्र बोस (Azad Hind Fauj/Subhash Chandra Bose) 96
27. क्रिप्स मिशन/संविधान सभा (Cripps Mission/ Constituent Assembly) 98
28. भारत छोड़ो आन्दोलन (Quit India Movement) 98
29. कैबिनेट मिशन (Cabinet Mission) 99
30. प्रांतीय चुनाव (Provincial Election) 100
31. माउण्टबेटन योजना/भारत विभाजन (Mountbatten Plan/ Partition of India) 100
32. भारत का संवैधानिक विकास (The Constitutional Development of India) 101
33. गवर्नर/गवर्नर जनरल/वायसराय (Governor/ Governor Generals/ Viceroys) 103
34. कथन/नारा/उपाधियाँ (Statements/ Slogans / Titles) 108
35. ब्रिटिश कालीन प्रमुख इमारत (Important Monumentsduring British Period) 111
36. स्वतंत्रता के बाद का भारत (India After Independence) 113
37. आधुनिक इतिहास विविध (Modern History Miscellaneous) 114

विश्व का इतिहास (World History) 120-122

भाग-2 : भारतीय राजव्यवस्था (Indian Polity) 123-180

1. संवैधानिक विकास एवं विशेषताएँ (Constitutional Development and Features) 123
2. भारतीय संविधान के स्रोत (Sources of Indian Constitution) 126
3. संघ एवं राज्यक्षेत्र (Union and State Territory) 127
4. अनुच्छेद एवं अनुसूचियाँ (Articles and Schedules) 128
5. प्रस्तावना (Preamble) 135
6. नागरिकता (Citizenship) 135
7. मौलिक अधिकार (Fundamental Rights) 136
8. राज्य के नीति निदेशक तत्व (Directive Principles of State Policy) 139
9. मौलिक कर्त्तव्य **(Fundamental Duties)** 140
10. राष्ट्रपति (President) 141
11. उपराष्ट्रपति (Vice-President) 145
12. संसद (Parliament) 146
13. राज्यसभा (Rajya Sabha) 147
14. लोकसभा (Lok Sabha) 148
15. केन्द्रीय मंत्रिपरिषद (The Union Counsil of Ministers) 151
16. राज्यपाल (Governor) 152
17. राज्य विधान मंडल (State Legislature) 153
18. न्यायपालिका (Judiciary) 155
19. निर्वाचन आयोग (Election Commission) 157
20. योजना आयोग/नीति आयोग (Planning Commission/NITI Aayog) 159
21. पंचायती राज (Panchayati Raj) 161
22. आपात उपबंध (Emergency Provisions) 162
23. संविधान संशोधन (Constitutional Amendments) 163
24. राज भाषा (Official Language) 166
25. भारत का महान्यायवादी/नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (Attorney General of India/ Comptroller and Auditor General of India) 167
26. राजनीतिक दल (Political Parties) 168
27. राष्ट्रीय प्रतीक (National Emblem) 169
28. प्रमुख आयोग एवं संवैधानिक संस्थाएँ (Major Commissions and Constitutional Institutions) 171
29. राजव्यवस्था विविध (Polity Miscellaneous) 173

भाग-3 : भूगोल (Geography) 181-277

विश्व का भूगोल (World Geography) 181-218

1. ब्रह्माण्ड (Universe) 181
2. सौरमण्डल (Solar system) 184
   (i) सूर्य (Sun) 184
   (ii) बुध (Mercury) 185
   (iii) शुक्र (Venus) 185
   (iv) पृथ्वी (Earth) 186
   (v) मंगल (Mars) 187
   (vi) बृहस्पति (Jupiter) 187
   (vii) अरुण/वरुण/यम (Uranus/ Neptune/ Pluto) 187
   (viii) चन्द्रमा (Moon) 188
   (ix) क्षुद्रग्रह (Asteroids) 188
   (x) धूमकेतु (Comets) 188
3. पृथ्वी (Earth) 189
   (i) पृथ्वी की आंतरिक संरचना (Internal structure of the Earth) 189
   (ii) अक्षांश (Latitudes) 190
   (ii) देशांतर (Longitudes) 191
4. चट्टान (Rocks) 191
5. भूकम्प (Earthquakes) 192
6. ज्वालामुखी (Volcanoes) 194
7. आर्द्रता एवं वर्षा (Humidity and Rainfall) 195
8. स्थानीय पवन (Local Winds) 196
9. चक्रवात (Cyclone) 196
10. वायुमण्डल (Atmosphere) 197
11. महाद्वीप/द्वीप (Continents/Islands) 198
12. जलमण्डल (Hydrosphere) 199

(i) महासागरीय अधस्तल का उच्चावच (Relief of the Oceanic Floor) 199
(ii) महासागर/सागर (Ocean/Sea) 200
(iii) महासागरीय धाराएँ (Oceanic Currents) 200
(iv) जलडमरुमध्य (Straits) 201
13. विश्व की प्रमुख झील और जलप्रपात (Major Lake and Waterfall of the World) 202
14. स्थलाकृतियाँ (Topography) 203
(i) विश्व के प्रमुख पर्वत और पठार (Major Mountain and Plateaus of the World) 203
(ii) विश्व के प्रमुख मरुस्थल (Major Deserts of the World) 204
15. घास के मैदान (Grasslands) 205
16. विश्व की प्रमुख नहरें Major Canals of the World 205
17. विश्व की प्रमुख नदियाँ (Major Rivers of the World) 206
18. विश्व के प्रमुख देश (Major Countries of the World) 207
19. विश्व के प्रमुख देशों की राजधानी एवं मुद्रा (Capitals and Currencies of Major Countries of the World) 209
20. विश्व के प्रमुख शहर (Major Cities of the World) 211
21. विश्व की प्रमुख भाषाएँ (Major Languages of the World) 211
22. विश्व की प्रमुख जनजातियाँ (Major Tribes of he World) 212
23. कृषि एवं पशुपालन (Agriculture and Animal Husbandry) 212
24. खनिज/औद्योगिक केन्द्र (Minerals/Industrial Centres) ...214
25. परिवहन (Transport) 215
26. मानचित्रण (Cartography) 216
27. विविध (Miscellaneous) 216

भारत का भूगोल (Indian Geography)..... 219-277

1. भारत की भौगोलिक स्थिति (Geographical Location of India) 219
2. भारत का प्राकृतिक विभाजन (Natural Division of India) ...223
(i) पर्वत एवं चोटी (Mountains and Peaks) 223
(ii) उत्तर भारत के मैदान (Plains of North India) 227
(iii) पठार (Plateau) 227
(iv) दर्रे (Passes) 228
(v) तटीय क्षेत्र एवं द्वीप (Coastal areas and Islands) ..229
(vi) मरूस्थल (Deserts) 230
(vii) झील, जलप्रपात (Lakes,Waterfalls) 230
(viii) हिमनद (Glaciers) 232
3. अपवाह तन्त्र (Drainage System) 233
4. नदी घाटी परियोजनाएँ (River Valley Projects) 240
5. भारत की जलवायु (Climate of India) 240
6. भारत की मिट्टियाँ (Soils of India) 243
7. भारत में वन/वन्यजीव/वनस्पतियाँ (Forest/ Wildlife/ Vegetations in India) 246
8. कृषि एवं पशुपालन (Agriculture and Animal Husbandry) 247
9. भारत में खनिज संसाधन (Mineral Resources in India) 251
10. भारत में प्रमुख उद्योग (Major Industries in India) 254
11. परमाणु एवं विद्युत ऊर्जा (Atomic and Electric Energy) 256
12. भारत में परिवहन (Transport in India) 260
(i) थल परिवहन (Land Transport) 260
(ii) जल परिवहन (Water Transport) 267
(iii) वायु परिवहन (Air Transport) 270
13. भारत की जनजाति (Tribes of India) 272
14. भारत की भाषाएँ (Languages of India) 272
15. राज्य एवं केन्द्रशासित प्रदेश (States and Union Territories) 273
16. भारत में पर्यटन स्थल/प्रमुख शहर (Tourist Spots in India/Major City) 275
17. नदियों के किनारें स्थित प्रमुख शहर (Major Cities located on the Banks of Rivers) 276
18. विविध (Miscellaneous) 276

भाग-4 : अर्थशास्त्र (Economics) 278-342

1. अर्थशास्त्र के सिद्धान्त (Theory of Economics) 278
2. अर्थव्यवस्था के प्रकार एवं क्षेत्र (Types and Sectors of Economy) 282
3. राष्ट्रीय आय एवं मापन (National Income and Measurement) 283
4. आर्थिक नियोजन, पंचवर्षीय योजनाएँ तथा नीति आयोग (Economic Planning, Five Year Plans and NITI Aayog) ..285
5. मुद्रा एवं बैंकिंग (Money and Banking) 288
6. मुद्रास्फीति (Inflation) 296
7. पूँजी बाजार एवं स्टॉक एक्सचेंज (Capital Market and Stock Exchange) 297
8. बजट एवं लोक वित्त/राजकोषीय नीतियाँ/ वित्त आयोग (Budget and Public Finance/Fiscal Policies/ Finance Commission) 298
9. करारोपण (Taxation) 300
10. जनसंख्या एवं नगरीकरण (Population and Urbanization) 302
11. गरीबी एवं बेरोजगारी (Poverty and Unemployment) 307
12. भुगतान संतुलन एवं व्यापार समझौते (Balance of Payment and Trade Contracts) 308
13. रिपोर्ट एवं सूचकांक (Report and Index) 309

14. राष्ट्रीय संगठन एवं मंत्रालय/प्रमुख योजनाएँ (National Organizations & Ministries/ Major Schemes).....311
(i) कृषि क्षेत्र की योजनायें (Schemes for Agricultural Sector) 311
(ii) शिक्षा क्षेत्र की योजनाएं (Schemes for Educational Sector)..... 314
(iii) वित्तीय समावेशन की योजनाएं (Schemes for Finanicial Inclusion) 314
(iv) रोजगार और कौशल विकास की योजनाएं (Schemes for Employment and Skill Development) 317
(v) बुनियादी ढांचा एवं नवाचार क्षेत्र की योजनाएं (Schemes for Infrastructure and Innovation Sector)..320
(vi) सतत विकास की योजनाएं (Schemes for Sustainable Development).....322
(vii) महिला और बाल विकास की योजनाएं (Schemes for Women and Child Development).....322
(viii) स्वास्थ्य और स्वच्छता की योजनाएं (Schemes for Health and Sanitization) 323
(ix) अन्य योजनाएं (Other Schemes).....324
15. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन (International Organizations)..... 326
16. औद्योगिक क्षेत्र (Industrial Sectors).....327
17. विविध (Miscellaneous).....330

भाग-5 : परम्परागत सामान्य ज्ञान (Traditional General Knowledge)..... 343-443

1. कला एवं संस्कृति (Art and Culture) 343
(i) त्यौहार/उत्सव/मेला (Festival/Fairs) 343
(ii) नृत्य (Dance)..... 347
(iii) संगीत (Music) 355
(iv) चित्रकला (Painting) 358
(v) भारतीय परिधान (Indian Dress) 359
(vi) मार्शल आर्ट/युद्ध कला (Martial Arts/ Warfares) 359
2. पुस्तकें/लेखक (Books/Authors) 360
(i) राष्ट्रीय पुस्तकें (National Books)..... 360
(ii) अंतर्राष्ट्रीय पुस्तकें (International Books)..... 365
3. दिन/दिवस (Day/Diwas) 367
4. पुरस्कार (Awards).....371
(i) नोबेल पुरस्कार (Nobel Prize)..... 371
(ii) भारत रत्न (Bharat Ratna)..... 373
(iii) पुलित्जर पुरस्कार (Pulitzer Prize).....373
(iv) ज्ञानपीठ पुरस्कार (Jananpith Award) 374
(v) ऑस्कर पुरस्कार (Oscar Award).....347
(vi) दादा साहेब फाल्के पुरस्कार (Dada Saheb Phalke Award).....374
(vii) वीरता पुरस्कार (Gallantry Awards) 375
(viii) बुकर पुरस्कार (Booker Prize).....375
(ix) रेमन मैग्सेसे पुरस्कार (Ramon Magsaysay Award).....375
(x) द्रोणाचार्य/अर्जुन/मेजर ध्यान चंद (राजीव गाँधी) खेल रत्न पुरस्कार (Dronacharya/ Arjun/Major Dhyan Chand (Rajiv Gandhi) Khel Ratna Award).....375
5. प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय संगठन/मुख्यालय (Major International Organizations/Headquarters).....376
(i) संयुक्त राष्ट्र संगठन (United Nation Organisation)..... 376
(ii) विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organisation)..... 381
(iii) विश्व व्यापार संगठन (World Trade Organisation).....382
(iv) यूनिसेफ (UNICEF) 382
(v) यूनेस्को (UNESCO) 383
(vi) ब्रिक्स (BRICS) 387
(vii) इंटरपोल (INTERPOL).....387
(viii) सार्क (SAARC).....387
(ix) ओपेक (OPEC).....388
(x) अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO).....388
(xi) नाटो (NATO).....388
(xii) विश्व बैंक (World Bank).....388
(xiii) आसियान (ASEAN).....389
(xiv) अन्य प्रमुख संगठन एवं संस्थान (Other Major Organizations & Institutions) 389
6. अंतरिक्ष कार्यक्रम (Space Programme).....395
7. भारत का प्रतिरक्षा तंत्र (Defence System of India).....409
8. खेल (Sports) 413
(i) ओलम्पिक (Olympic).....413
(ii) राष्ट्रमण्डल (Commonwealth).....414
(iii) एशियाई खेल (Asian Games).....414
(iv) हॉकी (Hockey).....414
(v) क्रिकेट (Cricket).....414
(vi) फुटबॉल (Football).....415
(vii) शतरंज (Chess) 416
(viii)लॉन टेनिस (Lawn Tennis).....416
(ix) मुक्केबाजी (Boxing) 416
(x) अन्य प्रमुख खेल (Other Major Sports) 416
9. प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान/संगठन (Major Institutions/Organizations) 417
10. प्रमुख स्थल (Major Sites).....421
11. प्रमुख व्यक्तित्व (Famous Personalities).....424
12. विश्व/भारत में प्रथम (First in World/India).....427
13. विविध (Miscellaneous) 428

विज्ञान (Science)

भाग-1 : भौतिक विज्ञान (Physics)..... 444-481

1. मात्रक/मापन/मापक यंत्र (Unit/ Measurement / Measuring Instrument).....444
   (i) मात्रक (Unit) 444
   (ii) मापक यंत्र (Measuring Instrument).....446
   (iii) भौतिक राशियाँ (Physical Quantities) 448
2. यांत्रिकी (Mechanics) 448
3. गुरुत्वाकर्षण (Gravitation) 451
   (i) न्यूटन का गुरुत्वाकर्षण नियम (Newton's Law of Gravitation).....451
   (ii) गुरुत्व और गुरुत्व के अधीन गति (Gravity and Motion under Gravity).....451
   (iii) उपग्रहों की गति/पलायन वेग (Satellite Motion/Escape Velocity) 452
4. पदार्थ के गुण (Properties of Matter).....453
5. ऊष्मा (Heat) 455
   (i) ताप तथा ताप-मापन (Temperature & Measurement of Temperature)..... 455
   (ii) ऊष्मा चालन एवं विकिरण (Thermal Conduction and Radiation)..... 456
   (iii) ऊष्मीय प्रसार (Thermal Expansion)..... 456
   (iv) संवहन (Convection) 456
   (v) अवस्था परिवर्तन तथा गुप्त ऊष्मा (Phase Transition and Latent Heat)..... 457
   (vi) सापेक्षिक आर्द्रता/वाष्पीकरण (Relative humidity/ Vaporization) 457
   (vii) ऊष्मागतिकी (Thermodynamics) 457
6. तरंग (Wave).....458
7. ध्वनि (Sound).....459
   (i) ध्वनि तरंगों की प्रकृति (Nature of Sound waves).....459
   (ii) ध्वनि तरंगों की आवृत्ति परिसर (Frequency Range of Sound Waves) 460
   (iii) ध्वनि की चाल (Speed of Sound).....461
   (iv) ध्वनि के अभिलक्षण (Characteristics of Sound).....461
   (v) प्रतिध्वनि (Echo).....462
   (vi) सोनार/रडार (Sonar/Radar) 462
8. प्रकाश (Light).....463
   (i) प्रकाश की प्रकृति (Nature of Light) 463
   (ii) प्रकाश का प्रकीर्णन (Scattering of Light).....464
   (iii) प्रकाश का परावर्तन (Reflection of Light) 464
   (iv) आवर्धन (Magnification) 465
   (v) प्रकाश का अपवर्तन (Refraction of Light) 465
   (vi) प्रकाश का पूर्ण आन्तरिक परावर्तन (Total Internal Reflection of Light) 466
   (vii) लेंस (उत्तल/अवलत) ([Lens (Convex/ Concave) 466
   (viii) मानव नेत्र (Human Eyes) 466
   (ix) प्रकाशिक यंत्र (Optical Instruments).....467
   (x) प्रकाश का वर्ण-विक्षेपण/इन्द्रधनुष (Dispersion of Light/ Rainbow).....468
9. विद्युत (Electricity) 469
   (i) विद्युत धारा (Electric Current) 469
   (ii) विद्युत चालकता/ओम का नियम (Electrical Conductivity/ Ohm's Law) 469
   (iii) प्रतिरोध (Resistance).....469
   (iv) विद्युत यंत्र (Electrical Instruments) 470
   (v) विद्युत सेल (Electric Cell) 471
10. चुम्बकत्व (Magnetism) 472
11. इलेक्ट्रॉनिक्स (Electronics).....472
12. आधुनिक भौतिकी (Modern Physics) 473
13. नाभिकीय भौतिकी (Nuclear Physics).....473
14. आविष्कार (Invention).....476
15. विविध (Miscellaneous) 478

भाग-2 : रसायन विज्ञान (Chemistry)..... 482-517

1. रसायन विज्ञान : एक परिचय (Chemistry : An Introduction) 482
2. परमाणु संरचना (Atomic Structure) 485
3. परमाणु नाभिक (Atomic Nucleus) 486
4. गैसीय नियम (Gaseous Law) 487
5. रेडियोएक्टिवता एवं नाभिकीय ऊर्जा (Radioactivity and Nuclear Energy) 488
6. संयोजकता/रासायनिक बंधन (Valency/ Chemical Bonding).....488
7. ऑक्सीकरण और अपचयन (Oxidation and Reduction) 489
8. वैद्युत अपघटन/वैद्युत रासायनिक श्रेणी (Electrolysis & Electro Chemical Series).....489
9. अम्ल, क्षार एवं लवण (Acid, Base and Salt).....490
   (i) अम्ल (Acid).....490
   (ii) क्षार (Base) 490
   (iii) लवण (Salt) 490
   (iv) अम्ल-क्षार सूचक (Acid-Base Indicator) 491
10. तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण (Periodic Classification of Elements) 492
11. अधातुएँ एवं अधात्विक यौगिक/उपयोग (Non-metals & Non-metallic Compounds/ Applications) 494
12. धातुएं/ धात्विक यौगिक एवं उनके अनुप्रयोग (Metals/ Metallic Compounds and Their Applications) 497
   (i) सोडियम (Sodium).....497
   (ii) कैल्शियम (Calcium).....498
   (iii) एल्युमीनियम (Aluminium) 500
   (iv) सिल्वर (Silver).....500
   (v) सोना (Gold).....500

(vi) पोटैशियम (Potassium) 501
(vii) ऑयरन (Iron) 501
(viii) मैग्नीशियम (Magnesium) 501
(ix) सीसा (Lead) 501
(x) पारा (Mercury) 501
(xi) कॉपर/जिंक/टिन (Copper/ Zinc/Tin) 502
(xii) अन्य धातुएँ (Other Metals) 502
13. ईंधन (Fuel) 503
14. मिश्रधातु (Alloy) 504
15. अयस्क एवं धातुकर्म (Ores and Metallurgy) 505
16. बहुलक (Polymers) 506
17. साबुन/डिटर्जेन्ट (Soap/ Detergents) 507
18. काँच/सीमेंट (Glass/Cement) 507
19. विस्फोटक पदार्थ (Explosive Material) 508
20. कार्बनिक रसायन (Organic Chemistry) 508
21. रासायनिक अभिक्रियाएँ (Chemical Reactions) 511
22. विविध (Miscellaneous) 511

भाग-3 : जीव विज्ञान (Biology) 518-576

1. जीव विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ (Major Branches of Biology) 518
2. कोशिका (सिद्धान्त/संरचना/कार्य) [Cell (Theories/Structures/Functions)] 521
(i) जन्तु कोशिका (Animal Cell) 521
(ii) पादप कोशिका (Plant Cell) 523
3. ऊतक (Tissues) 523
(i) जन्तु ऊतक (Animal Tissues) 523
4. जैव अणु (लिपिड/प्रोटीन/न्यूक्लिक अम्ल) [Bio Molecule (Lipids/ Proteins / Nucleic Acids)] 524
5. आनुवांशिकी (Genetics) 525
6. जैव विकास (Organic-Evolution) 526
7. वर्गिकी (Taxonomy) 527
8. जन्तु जगत (Animal Kingdom) 528
9. मानव शरीर (Human Body) 533
(i) पाचन तंत्र (Digestive System) 533
(ii) रुधिर परिसंचरण तंत्र (Blood Circulatory System) 537
(iii) श्वसन तंत्र (Respiratory System) 540
(iv) उत्सर्जन तंत्र (Excretory System) 541
(v) तंत्रिका तंत्र (Nervous System) 543
(vi) कंकाल तंत्र (Skeletal System) 545
(vii) अन्तःस्रावी तंत्र (Endocrine System) 546
(viii) प्रजनन तंत्र (Reproductive System) 550
10. प्रोटीन, विटामिन एवं खनिज पदार्थ (Proteins, Vitamins and Minerals) 551
11. मानव रोग, लक्षण एवं उपचार (Human Disease Symptom and Treatment) 553
12. पादप जगत (Plant Kingdom) 562
13. पादप आकारिकी (Plant Morphology) 564
14. पादप कार्यिकी (Plant Physiology) 565
15. पौधों में जनन (Reproduction in Plants) 568
16. आर्थिक महत्व के जीव एवं वनस्पतियाँ (Fauna and Flora of Economic Importance) 568
17. आनुवांशिकी इंजीनियरिंग एवं बायोटेक्नोलॉजी (Genetic Engineering and Biotechnology) 569
18. प्रमुख जैव वैज्ञानिक/आविष्कार (Major Biologist/Inventions) 570
19. जीव विज्ञान विविध (Biology Miscellaneous) 572

भाग-4 : कम्प्यूटर (Computer) 577-628

1. कम्प्यूटर : परिचय (Computer : Introduction) 577
2. कम्प्यूटर का विकास (Development of Computer) 579
3. इनपुट/आउटपुट डिवाइस (Input/Output Device) 584
4. मेमोरी (Memory) 589
5. डिजाइन टूल्स एवं प्रोग्रामिंग भाषाएं (Design Tools and Programming Languages) 592
6. डेटा प्रतिनिधित्व एवं संख्या प्रणाली (Data Representation and Numerical System) 594
(i) संख्या प्रणाली (Numerical System) 594
(ii) लॉजिकल गेट (Logical Gate) 596
7. डेटा संचार (Data Transmission) 602
8. इण्टरनेट (Internet) 608
9. एम.एस. ऑफिस (M.S. Office) 614
10. एम.एस. विंडो (M.S. Window) 620
11. शब्द संक्षेप (Abbreviation) 621
12. विविध (Miscellaneous) 624

भाग-5 : पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी (Environment & Ecology) ... 629-656

1. पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र (Environment & Ecosystem) 629
2. जैव विविधता (Biodiversity) 631
3. पर्यावरण संरक्षण : वैश्विक प्रयास (Environmental Conservation : Global Efforts) 633
4. राष्ट्रीय उद्यान तथा वन्य जीव अभ्यारण्य (National Parks and Wild Life Sanctuaries) 638
5. प्रदूषण (Pollution) 642
6. ओजोन परत (Ozone Layer) 646
7. हरित गृह प्रभाव/जलवायु परिवर्तन (Green House Effect/Climate Change) 648
8. वन एवं वन्य जीव संरक्षण (Forest & Wild Life Conservation) 650
9. प्राकृतिक ऊर्जा (Natural Energy) 654
10. पर्यावरण विविध (Environment Miscellaneous) 655

एन.टी.पी.सी. की पूर्व परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण चार्ट

क्र.सं.	परीक्षा प्रश्न-पत्र	परीक्षा तिथि/ परीक्षा वर्ष	प्रश्नों की संख्या
1.	NTPC Stage - II	2022	15×120 = 1800
2.	NTPC Stage - I (Graduate Level & Non-Graduate Level)	2019	133×100 = 13300
3.	NTPC Stage - II	2017	9×120 = 1080
4.	NTPC Stage - I (Graduate Level & Non-Graduate Level)	2016	64×100 = 6400
			Total = 22580

पूर्व परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नों का विश्लेषणात्मक पाई चार्ट एवं बार ग्राफ

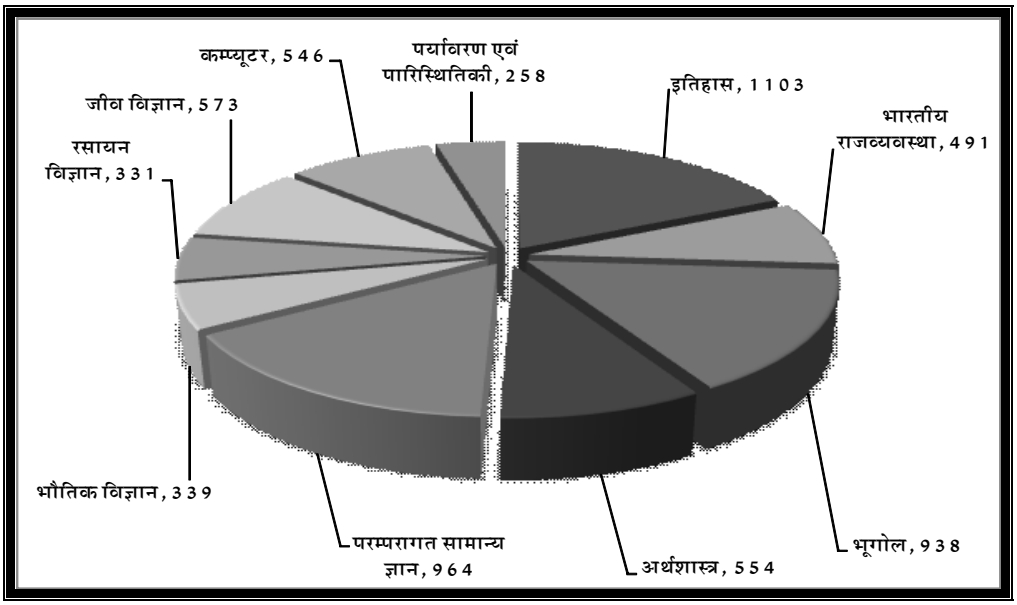

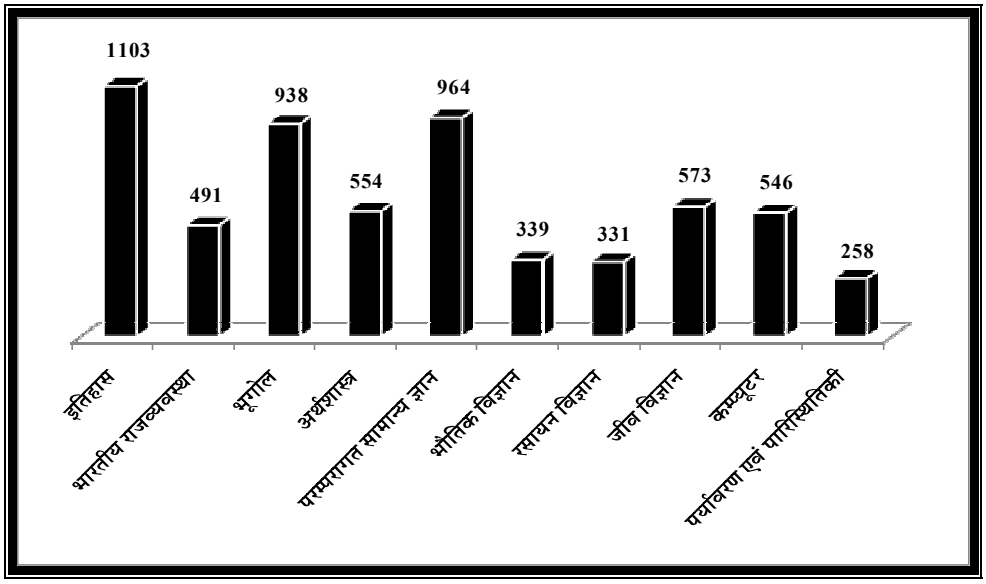

भाग-1

इतिहास (History)

प्राचीन इतिहास (Ancient History)

1. पाषाण काल (Stone age)

1. इनमें से कौन-सा पाषाण युग (Stone Age) के तीन प्रमुख कालों के अंतर्गत नहीं आता है?

(a) पुरापाषाण (b) नवपाषाण
(c) ताम्रपाषाण (d) मध्यपाषाण

RRB NTPC 12.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : पाषाण युग में मनुष्य पत्थर के औजारों का उपयोग करता था। पाषाण युग के तीन चरण पुरापाषाण, मध्यपाषाण तथा नवपाषाण है। ताम्रपाषाण युग नवपाषाण युग के बाद आरम्भ हुआ जिसमें मनुष्य तांबे के औजारों का उपयोग करने लगा। लगभग 5000 ई.पू. में मनुष्य ने सर्वप्रथम तांबा धातु का प्रयोग किया था।

2. भीमबेटका की गुफाओं की खोज कब हुई थी?

(a) 1955-56 (b) 1957-58
(c) 1954-55 (d) 1953-54

RRB NTPC 14.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : भीमबेटका की गुफाएँ भारत के मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित है। ये गुफाएँ चारों तरफ से विंध्य पर्वतमालाओं से घिरी हुई हैं, यह एक पुरापाषाणिक गुफा आवास है जिसकी निरन्तरता मध्य ऐतिहासिक काल तक रही। इसकी खोज डॉक्टर विष्णु श्रीधर वाकणकर द्वारा 1957-1958 में की गई। वर्ष 2003 में यूनेस्कों ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया।

3. भीमबेटका के शैलाश्रय निम्नलिखित में से किसके लिए प्रसिद्ध है?

(a) मौर्य वंश के दौरान की गई चित्रकारी के चिन्हों की वजह से
(b) मुगलों की मूर्तिकला के चिन्हों की वजह से
(c) प्रारंभिक द्रविड़ काल के चिन्हों की वजह से
(d) भारतीय उपमहाद्वीप पर मानव जीवन के प्राचीनतम चिन्हों की वजह से

RRB NTPC 10.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : मध्य प्रदेश के विन्ध्य क्षेत्र में भोपाल के दक्षिण पूर्व में रायसेन जिले में अवस्थित भीमबेटका गुफाओं से मानव जीवन के प्राचीनतम चिन्हों के प्रमाण मिले हैं। यद्यपि यहाँ अधिकांश चित्रकारी मध्यपाषाण युग की है, किन्तु यहाँ उत्तर-पुरापाषाण, ताम्रपाषाण काल, प्रारम्भिक ऐतिहासिक और मध्यकालीन युग के भी चित्र मिले हैं।

4. भारत में पाषाण कालीन शिला चित्रकारी कहाँ पायी जाती है?

(a) नालंदा (b) भीमबेटका
(c) एलीफेंटा (d) बाघ गुफाएं

RRB NTPC 12.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : भीमबेटका भारत के मध्यप्रदेश प्रान्त के रायसेन जिलें में स्थित एक पुरापाषाणिक आवासीय पुरास्थल है, जहाँ पर पाषाण कालीन शिला चित्रकारी पायी जाती है।

5. निम्नलिखित में से कौन सा मानव गतिविधियों एवं सभ्यता के प्राक्-ऐतिहासिक काल का सही कालानुक्रम है?

(a) पुरापाषाण काल, मध्यपाषाण काल, नवपाषाण काल
(b) धातु युग काल, मध्यपाषाण काल, पुरापाषाण काल
(c) नवपाषाण काल, मध्यपाषाण काल, पुरापाषाण काल
(d) मध्यपाषाण काल, नवपाषाण काल, पुरापाषाण काल

RRB NTPC 11.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : प्रागैतिहासिक काल से तात्पर्य इतिहास के उस युग से है जब मानव ने लिपि अथवा लेखन का विकास नहीं किया था और उसका जीवन पत्थरों के इर्द-गिर्द सीमित था इसीलिए इसे पाषाण काल भी कहते है। इस पाषाण काल अथवा प्रागैतिहासिक काल को तीन भागों में बांटकर देखा जा सकता है। पुरापाषाण काल, मध्यपाषाण काल तथा नवपाषाण काल।

2. सिन्धु सभ्यता (Indus Civilization)

6. सिंधु घाटी सभ्यता के समय में शिल्प निर्माण के लिए सीप कहाँ से प्राप्त किए जाते थे ?

(a) जयपुर (b) शोर्तुगई
(c) नागेश्वर (d) रोपड़

RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : सिंधु घाटी सभ्यता के समय में शिल्प निर्माण के लिए सीप नागेश्वर (गुजरात) से प्राप्त किए जाते थे। इस सभ्यता के विभिन्न स्थलों से कला के जो रूप प्राप्त हुए हैं, उनमें मुहरें, मिट्टी के बर्तन, आभूषण, पकी हुई मिट्टी की मूर्तियाँ आदि शामिल हैं।

7. **सिंधु घाटी सभ्यता का निम्न में से कौन सा स्थल पंजाब (भारत) में स्थित है ?**
(a) कोटदिजी (b) बनावली
(c) बालू (d) रोपड़
RRB NTPC (Stage-2) 12/06/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : सिन्धु घाटी सभ्यता स्थल रोपड़ की खोज 1950 में बी.बी. लाल के द्वारा की गई। यह स्थल पंजाब के रोपड़ जिला में सतलज नदी के तट पर स्थित है। यहाँ से मनुष्य के साथ पालतू कुत्ते दफनाये जाने का साक्ष्य मिला है।

8. **हड़प्पा की अधिकांश मानक मुहरें ..... नामक एक प्रकार के मुलायम पत्थर से बनी होती थीं, जो 2×2 विमा के साथ वर्गाकार आकृति का होता था, तथा जिसका उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया जाता था।**
(a) रोडोनाइट (b) गोल्डन रूटाइल
(c) स्टिएटाइट (d) सेलेनाइट
RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-III)

Ans. (c) : हड़प्पा की अधिकांश मुहरों को सेलखड़ी (स्टिएटाइट)से बनाया जाता था जो एक प्रकार का नरम पत्थर है। इसके अतिरिक्त कांचली मिट्टी, चर्ट, गोमेट मिट्टी आदि की बनी मुहरे भी हैं। मानक मुहर 2×2 आयाम के साथ चौकोर होती थी। इन मुहरों पर गणितीय चित्र होते थे जिनका उपयोग शैक्षिक उद्देश्यों के लिए किया जाता था। सभी मुहरों में जानवरों की तस्वीरें एक चित्रमय लिपि में लिखी गई है (जो कि अभी तक स्पष्ट नहीं है)। जिन पर मुख्यतः दर्शाए गये जानवर बाघ, हाथी, वृषभ, गैंडा, भैसा, हिरन, खरगोश और बकरा थे।

9. **धौलावीरा ..... राज्य में स्थित है।**
(a) गुजरात (b) झारखंड
(c) राजस्थान (d) छत्तीसगढ़
RRB NTPC 15.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : धौलावीरा गुजरात के कच्छ जिले के भचाऊ तालुका में स्थित पुरातात्विक स्थल है। इस स्थल की खोज 1968 में जगपति जोशी द्वारा की गई थी। यहां पाये गये कलाकृतियों में टेराकोटा, मिट्टी के बर्तन, मोती, सोने एवं तांबे के गहने, जानवरों की मूर्तिया, उपकरण, कलश इत्यादि। जुलाई 2021 में यूनेस्को ने धौलावीरा को भारत के 40वें विश्व धरोहर स्थल के रूप में घोषित किया। इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने वाला सिंधु सभ्यता का भारत का यह पहला स्थल है।

10. **धौलावीरा, एक पुरातात्विक स्थान, किस समयावधि से जुड़ी हुई है?**
(a) गुप्त अवधि (b) मगध अवधि
(c) सिंधु घाटी सभ्यता (d) चालुक्य अवधि
RRB NTPC 12.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. **मोहनजोदड़ो में पाया गया विशाल स्नानागार (The Great Bath) एक विशाल _____था।**
(a) वृत्ताकार टैंक (b) बेलनाकार टैंक
(c) त्रिभुजाकार टैंक (d) आयताकार टैंक
RRB NTPC 19.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : मोहनजोदड़ो में पाया गया विशाल स्नानागार एक विशाल आयताकार टैंक था। मोहनजोदड़ो सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल था। इसकी खोज राखालदास बनर्जी ने 1922 में की थी। यहाँ से एक शील में तीन मुख वाले देवता (पशुपति नाथ) की मूर्ति मिली है।

12. **वर्ष 1920-21 के आस-पास किस नदी के किनारे खुदाई के दौरान हड़प्पा शहर मिला?**
(a) झेलम (b) व्यास
(c) चेनाब (d) रावी
RRB NTPC 12.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : हड़प्पा शहर सिंधु सभ्यता का एक शहर है जो पाकिस्तान के मोंटगोमरी जिले में रावी नदी के तट पर वर्ष 1920-21 में खुदाई के दौरान मिला था। इसके उत्खननकर्ता दयाराम साहनी एवं माधोस्वरूप वत्स थे।

13. **सिंधु घाटी सभ्यता के किस शहर का शाब्दिक अर्थ 'मृतकों का टीला' है?**
(a) मेसोपोटामिया (b) मोहनजोदड़ो
(c) बालाकोट (d) हड़प्पा
RRB NTPC 09.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : मोहनजोदड़ो का सिन्धी भाषा में अर्थ है ''मृतकों का टीला''। यह दुनिया का सबसे पुराना नियोजित और उत्कृष्ट शहर माना जाता है। यह सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे परिपक्व शहर है जो सिन्धु नदी के दायें किनारे लरकाना जिले में स्थित है। इसकी खोज राखलदास बनर्जी ने 1922 में की थी।

14. **'मोहनजोदड़ो' शब्द का अर्थ क्या है?**
(a) रहने का स्थान (b) बाजार स्थल
(c) मृतकों का टीला (d) पसंदीदा शहर
RRB NTPC 05.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. **मोहनजोदड़ो कहां स्थित है?**
(a) खैबर पख्तूनख्वा (b) पंजाब
(c) बलूचिस्तान (d) सिंध
RRB NTPC 02.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : मोहनजोदड़ो का सिंधी भाषा मे अर्थ 'मृतकों का टीला' होता है। यह सिंध (पाकिस्तान) के लरकाना जिले में सिंधु नदी के तट पर स्थित है। इसकी खोज 1922 ई. में राखालदास बनर्जी ने की थी। यहाँ की शासन व्यवस्था राजतंत्रात्मक न होकर जनतंत्रात्मक थी।

16. **हड़प्पा सभ्यता का कौन सा शहर विशिष्ट रूप से मनके बनाना, सीप काटना, धातु की वस्तुएं बनाना, मुहर बनाना और तराजू का निर्माण करना आदि कार्यों सहित शिल्प उत्पादन के लिए समर्पित था?**
(a) मोहनजोदड़ों (b) नागेश्वर
(c) हड़प्पा (d) चन्हुदड़ों
RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : मोहनजोदड़ो से 80 मील दक्षिण में स्थित चन्हूदड़ो की खोज सर्वप्रथम 1931 में एम. जी. मजूमदार ने की थीं। यहाँ सैंधव संस्कृति के अतिरिक्त प्राक हड़प्पा संस्कृति जिसे झूकर एवं झाकर संस्कृति कहते है, के अवशेष मिले हैं। यहाँ के निवासी कुशल कारीगर थे, इसका प्रमाण इस बात से मिलता है कि यह मनके, सीप, मुहर तथा मुद्रा बनाने का प्रमुख केन्द्र था। यह एक मात्र स्थल है, जहाँ से वक्राकार ईंटे मिली है।

17. **सिंधु घाटी सभ्यता के निम्न में से किस स्थल को सबसे पहले खोजा गया था?**
(a) मोहनजोदड़ो (b) हड़प्पा
(c) लोथल (d) कालीबंगा
RRB NTPC 18.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : सिंधु घाटी सभ्यता के स्थल हड़प्पा का उत्खनन 1921 में दयाराम साहनी द्वारा कराया गया था। इस प्रकार इस सभ्यता का नाम हड़प्पा सभ्यता रखा गया तथा यह सभ्यता सिंधु नदी घाटी में फैली हुई थी इसलिए इसका नाम सिंधु घाटी सभ्यता रखा गया। 1922 में राखालदास बनर्जी ने मोहनजोदड़ो की खोज की थी।

18. पत्थर की बनी नृत्य करते हुए पुरुष की मूर्ति, 'नटराज' किस स्थान पर पाई गई थी?

(a) लोथल (b) रंगपुर
(c) हड़प्पा (d) मोहनजोदड़ों

RRB NTPC 13.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : हड़प्पा से प्राप्त पुरुष नर्तक धड़ 'चूना पत्थर' से बना हुआ है। वह दाहिने पैर के बल पर खड़ा है और बायां पैर नृत्य की मुद्रा में ऊँचा उठा है। इस मूर्ति को 'नटराज' के आदि रूप का द्योतक माना गया है। इसकी ऊँचाई 7-8 इंच है।

19. इनमें से कौन सा हड़प्पा स्थल गुजरात में पाया गया है?

(a) बालाथल (b) खांडिया
(c) धौलावीरा (d) मांडा

RRB NTPC 05.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : हड़प्पा युगीन नगर धौलावीरा को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) ने वैश्विक धरोहर की सूची में शामिल कर लिया हैं। यह गुजरात के रण ऑफ कच्छ में खादिर बेट द्वीप पर स्थित है। यह वैश्विक धरोहर की सूची में जगह बनाने वाला गुजरात का चौथा जबकि भारत का 40वां स्थल है। इसकी खोज 1968 ई. में पुरातत्ववेता जगतपति जोशी ने की थी।

20. निम्नलिखित में से कौन सा स्थल सिंधु घाटी सभ्यता का हिस्सा नहीं है?

(a) मोहनजोदड़ो (b) हड़प्पा
(c) लोथल (d) उरूक

RRB NTPC 16.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : सिन्धु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थल-मोहनजोदड़ो, कालीबंगा, हड़प्पा, धौलावीरा, लोथल तथा राखीगढ़ी थे, जबकि उरूक एक सुमेरियन सभ्यता का शहर था।
सिन्धु सभ्यता या हड़प्पा के प्रारम्भिक स्थल सिन्धु नदी के आस-पास केन्द्रित था। अतः इसे सिन्धु सभ्यता कहा गया। भारतीय उपमहाद्वीप में यह 'प्रथम नगरीय क्रान्ति' की अवस्था को दर्शाती है।

21. सिंधु सभ्यता के इनमें से किन स्थलों में जलाशयों के साक्ष्य मिले हैं?

(a) कालीबंगा (b) धौलावीरा
(c) कोट दीजी (d) लोथल

RRB NTPC 01.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : धौलावीरा गुजरात के कच्छ के रण में स्थित है, इसकी खोज जे.पी. जोशी (1967-68) ने की। यह नगर आयताकार बना था। यहाँ से एक विशाल जलाशय का साक्ष्य मिलता है। सुरकोटदा से कलश शवाधान के साक्ष्य मिले हैं। रोपड़ से सेलखड़ी की मुहर, मृदभांड एवं कुल्हाड़ी आदि के साक्ष्य पाये गये हैं। यहाँ के निवासी जलसंचय की कुशल अभियान्त्रिक कला से परिचित थे।

22. पुरातात्विक स्थल 'सुरकोटडा (Surkotada)' किस राज्य में स्थित है?

(a) राजस्थान (b) पंजाब
(c) बिहार (d) गुजरात

RRB NTPC 03.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : 'सुरकोटदा' या 'सुरकोटडा' गुजरात के कच्छ जिले में स्थित है। इस स्थल से 'हड़प्पा सभ्यता' के विस्तार के प्रमाण मिले हैं। 1996 में इस स्थल की खोज जगपति जोशी ने की थी।

सिंधुघाटी सभ्यता के स्थल	राज्य
धौलावीरा, लोथल, रंगपुर, सुरकोटदा	गुजरात
आलमगीरपुर	उत्तर प्रदेश
कालीबंगा	राजस्थान
माण्डा	जम्मू-कश्मीर
दैमाबाद	महाराष्ट्र
रोपड़	पंजाब

23. 1944 में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक के रूप में किसने पदभार संभाला और हड़प्पा की खुदाई का जिम्मा लिया?

(a) दया राम साहनी (b) जॉन मार्शल
(c) रखाल दास बनर्जी (d) रेम (REM) व्हीलर

RRB NTPC 17.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : सर रॉबर्ट एरिक मॉर्टिमर व्हीलर ने 1944 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक का पदभार संभाला और हड़प्पा की खुदाई का जिम्मा लिया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का प्रमुख कार्य राष्ट्रीय महत्व के प्राचीन स्मारकों तथा पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों का रख-रखाव करना है। यह संस्कृति मंत्रालय के अधीन है। वर्तमान में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की महानिदेशक वी. विद्यावती है।

24. प्रसिद्ध सिंधु घाटी स्थल मोहनजोदड़ो की पहली बार खुदाई किस प्रख्यात भारतीय पुरातत्वविद् द्वारा की गई थी?

(a) एस.आर.राव (b) बी.बी.लाल
(c) आर.डी. बैनर्जी (d) दया राम साहनी

RRB NTPC 17.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : मोहनजोदड़ो का शाब्दिक अर्थ 'मृतकों का टीला' है। यह पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में सिंधु नदी के तट पर स्थित है। इसकी खोज राखालदास बनर्जी ने 1922 में की थी। मोहनजोदड़ो का सबसे महत्वपूर्ण स्थल विशाल स्नानागार है, यह 11.88 मी. लम्बा, 7.01 मी. चौड़ा तथा 2.43 मी. गहरा है, मोहनजोदड़ो की सबसे बड़ी इमारत विशाल अन्नागार है, जो 45.71 मी. लम्बा और 15.23 मी. चौड़ा है। यहाँ से प्राप्त अन्य अवशेषों में कांसे की नृत्य करती नारी की मूर्ति, योगी की मूर्ति, मुद्रा पर अंकित पशुपति नाथ (शिव) की मूर्ति, घोड़े के दांत इत्यादि हैं।

25. हड़प्पा सभ्यता 2500 बी.सी. के आस-पास विकास किया था आज उन्हें हम क्या कहते हैं?

(a) पाकिस्तान और अफगानिस्तान
(b) पश्चिमी भारत और पाकिस्तान
(c) अफगानिस्तान और पश्चिमी भारत
(d) भारत और चीन

RRB NTPC 17.01.2017 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (b) हड़प्पा सभ्यता 2500 बी.सी. के आस-पास विकसित हुई थी। इस सभ्यता का विस्तार पश्चिमी भारत और पाकिस्तान में है। हड़प्पा रावी नदी के तट पर, पाकिस्तान के माण्टगोमरी जिले में स्थित है। इसकी खोज सन् 1921 में दयाराम साहनी एवं माधोस्वरूप वत्स ने की थी।

26. सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता क्या थी?

(a) वस्तु विनिमय प्रणाली (b) स्थानीय परिवहन प्रणाली
(c) ईंट के बने भवन (d) प्रशासनिक प्रणाली

RRB NTPC 05.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (c) सिन्धु घाटी सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता ईंट के बने भवन थे। यह विश्व की प्राचीन नदी घाटी सभ्यताओं में प्रमुख है। ईटों का प्रयोग सभी हड़प्पा बस्तियों में किया गया था। इस समय की ईटें एक निश्चित अनुपात 4 : 2 : 1 में थी।

27. सिन्धु घाटी सभ्यता है?

(a) ताम्र युगीन सभ्यता (b) लौह-युगीन सभ्यता
(c) अक्ष-युगीन सभ्यता (d) कांस्य-युगीन सभ्यता

RRB NTPC 17.01.2017 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (d) सिन्धु घाटी सभ्यता को कांस्य युगीन सभ्यता भी कहा जाता है। इस सभ्यता में पहली बार कांसा धातु का प्रयोग किया गया था जो तांबे और टिन का मिश्रण था। सिन्धु सभ्यता के 1400 केन्द्रों को खोजा जा चुका है, जिसमें 925 केन्द्र भारत में है। यह सभ्यता सिंधु और उसकी सहायक नदियों के आस-पास विस्तृत थी।

28. हड़प्पा के लोग निम्नलिखित भगवान में से किसकी पूजा नहीं करते थे?

(a) शिव (b) विष्णु
(c) कबूतर (d) स्वास्तिक

RRB NTPC 11.04.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (b) मोहनजोदड़ो की एक मुहर पर स्वास्तिक चिह्न तथा एक त्रिमुखी पुरुष को सिंहासन पर योग मुद्रा में बैठे दिखाया गया है जिसे शिव का आदि रूप माना जाता है। इसके दायें तरफ हाथी एवं बाघ तथा बायें तरफ गैंडा एवं भैंसे का अंकन है। हड़प्पा सभ्यता के लोग धरती को उर्वरता की देवी मानकर इसकी पूजा करते थे। पशु, पक्षी, जल, वृक्ष, सर्प, अग्नि आदि की पूजा भी हड़प्पा सभ्यता में होती थी। हड़प्पा सभ्यता के लोग भगवान विष्णु की पूजा नहीं करते थे।

29. किस वर्ष में जर्मनी और इटली के पुरातत्वविदों के एक दल ने मोहनजोदड़ो में सतह-अन्वेषण शुरू किया था?

(a) 1955 (b) 1970
(c) 1980 (d) 1990

RRB NTPC 15.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : वर्ष 1980 ई. में जर्मन और इटली (इतालवी) के पुरातत्वविदों की संयुक्त टीम ने मोहनजोदड़ो में सतह अन्वेषण को प्रारम्भ किया था। 1986 में अमेरीकी दल द्वारा हड़प्पा में उत्खनन प्रारम्भ किए गए और 1990 ई. में आर.एस. विष्ट ने धौलावीरा में उत्खननों को प्रारम्भ किया।

30. हड़प्पा सभ्यता की मुहरों पर निम्नलिखित में से कौन सा पशु अक्सर देखा जाता था?

(a) बैल (b) शेर
(c) लोमड़ी (d) हिरन

RRB NTPC 18.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : हड़प्पा सभ्यता में पायी गयी मुहरें आयताकार, गोलाकार, वर्गाकार एवं बेलनाकार थीं। इन मुहरों पर हाथी, गैंडा, बाघ, बकरी व बैल जैसे पशुओं की आकृति विद्यमान थी। उल्लेखनीय है कि हड़प्पा सभ्यता की मुहरें मध्य एशिया के 'उम्मा' और 'उर' शहरों में तथा इनके साक्ष्य मोहनजोदड़ो, लोथल तथा कालीबंगा से भी मिले है। जिससे इनके व्यापारिक क्रियाकलापों का बोध होता है।

31. निम्नलिखित में से कौन-सा हड़प्पा स्थल शिल्प-कलाओं के उत्पादन से संबंधित नहीं है?

(a) बालाकोट (b) माँडा
(c) चंहुदड़ो (d) नागेश्वर

RRB NTPC 17.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी के दायें तट पर स्थित सिंधु सभ्यता का माँडा स्थल शिल्प कलाओं के उत्पादन से संबंधित नहीं है। जबकि बालाकोट से बहुतायत में सीप की बनी चूड़ियों के टुकड़े प्राप्त हुए हैं तथा चन्हुदड़ो से वक्राकार ईंटे प्राप्त हुई हैं। नागेश्वर से शंख से बनी वस्तुएँ चूड़ियाँ, करछियाँ तथा पच्चीकारी की वस्तुएँ प्राप्त हुई है।

3. वैदिक सभ्यता (Vedic Civilization)

32. ऋग्वेद में 1028 सूक्त हैं, जिन्हें दस पुस्तकों में वर्गीकृत किया गया है, जिन्हें ..... के नाम से जान जाता है।

(a) मंडल (b) अनुदत्त
(c) सूक्त (d) पदपथ

RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : ऋग्वेद में 1028 सूक्त हैं, जिन्हें दस पुस्तकों में वर्णित किया गया है, जिन्हें मण्डल के नाम से जाना जाता है।

33. सबसे पुराना वेद.....है।

(a) सामवेद (b) यजुर्वेद
(c) अथर्ववेद (d) ऋग्वेद

RRB NTPC 30.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) ऋचाओं के क्रमबद्ध ज्ञान के संग्रह को ऋग्वेद कहते हैं। ऋग्वेद सबसे पुराना वेद है। इसमें 10 मण्डल, 1028 सूक्त (वालखिल्य पाठ के 11 सूक्त) एवं 10,462 ऋचाएँ (मंत्र) हैं। हालांकि मंत्रों/ऋचाओं की संख्या के बारे में विद्वानों में मतभेद है। इस वेद के ऋचाओं के पढ़ने वाले पुरोहित को होतृ कहते हैं।
विश्वामित्र द्वारा रचित ऋग्वेद के तीसरे मण्डल में सूर्य देवता सावित्री (सवितृ) को समर्पित प्रसिद्ध गायत्री मंत्र है। इसके 9वें मण्डल में देवता सोम का उल्लेख है।

34. वेदों का इनमें से कौन सा अंग जटिल शब्दों के अर्थ एवं व्याख्या के लिए प्रसिद्ध है ?

(a) कल्प (b) छंद
(c) व्याकरण (d) निरुक्त

RRB NTPC 23.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : वेदों के अंग को वेदांग कहा जाता है। वेदांगों की संख्या छः है- शिक्षा, व्याकरण, निरुक्त, छन्द, ज्योतिष और कल्प। इनमें से वेदों का अंग 'निरुक्त' जटिल शब्दों के अर्थ एवं व्याख्या के लिए प्रसिद्ध है। जो कठिन शब्द व्याकरण की पहुँच से बाहर थे, उनके अर्थ जानने के लिए ही निरूक्त की रचना हुई। निरूक्त के रचयिता यास्क है। यास्क मुनि ने निरूक्त को व्याकरण का पूरक माना है।

35. भारत का राष्ट्रीय आदर्श वाक्य, 'सत्यमेव जयते' (अर्थात ''सत्य की हमेशा विजय होती है'') किस प्राचीन भारतीय शास्त्र से उद्धत एक मंत्र है?

(a) ऋग्वेद (b) मुण्डकोपनिषद्
(c) भगवद् गीता (d) मत्स्य पुराण

RRB NTPC 02.04.2016 (Shift-III) Stage Ist
RRB NTPC 02.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (b) भारत का राष्ट्रीय आदर्श वाक्य 'सत्यमेव जयते' (अर्थात् सत्य की हमेशा विजय होती है) मुण्डकोपनिषद् से लिया गया है। इसका उल्लेख सम्राट अशोक द्वारा बनवाये गये सिंह स्तम्भ (सारनाथ) में भी रहा है जिसे हू-ब-हू भारत के राष्ट्रीय प्रतीक में शामिल किया गया है।

36. धनुर्वेद, यजुर्वेद का उपवेद है। इसका संबंध निम्न में से किससे है?

(a) चिकित्सा से (b) वास्तुकला से
(c) कला एवं संगीत से (d) युद्ध कौशल से

RRB NTPC 18.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : धनुर्वेद, यजुर्वेद का एक उपवेद है। इसके अन्तर्गत धनुर्विद्या या सैन्य विज्ञान आता है। धनुर्वेद वह शास्त्र है, जिसमें धनुष चलाने की विद्या का निरूपण किया गया है। मधुसूदन सरस्वती ने अपने 'प्रस्थान भेद' नामक ग्रंथ में धनुर्वेद को यजुर्वेद का उपवेद लिखा है।

37. निम्न में से किस वेद में संगीत से संबंधित ज्ञान संग्रहित है?

(a) ऋग्वेद (b) अथर्ववेद
(c) सामवेद (d) यजुर्वेद

RRB NTPC 31.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : सामवेद, संगीत से संबंधित वेद है। 'साम' का अर्थ 'गान' से है। सामवेद में संकलित मंत्रों को देवताओं की स्तुति के समय गाया जाता था। सामवेद में कुल 1875 ऋचायें हैं। इनमें से 75 ही सामवेद के हैं, शेष ऋग्वेद से ग्रहण किये गये है।

38. वेदों को इंडो-आर्यन सभ्यता का सर्वप्रथम साहित्यिक अभिलेख माना जाता है। इसमें शामिल चार वेदों के नाम ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और _____ हैं।

(a) अथर्ववेद (b) धनुर्वेद
(c) आयुर्वेद (d) शिल्पवेद

RRB NTPC 16.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : वेदों को इण्डो-आर्यन सभ्यता का सर्वप्रथम साहित्यिक अभिलेख माना जाता है, जिनका संकलन 'महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास' ने की थी। वेद का अर्थ 'ज्ञान' है। इनसे आर्यों के आगमन व बसने की जानकारी मिलती है। वेद चार हैं –: ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। इन चार वेदों को संहिता कहा जाता है।

39. मुंडक उपनिषद् किससे संबंधित है?

(a) सामवेद (b) अथर्ववेद
(c) यजुर्वेद (d) ऋग्वेद

RRB NTPC 05.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : मुण्डकोपनिषद् अथर्ववेद की शौनकीय शाखा का उपनिषद् है। इस उपनिषद् में तीन मुण्डक हैं, प्रत्येक मुण्डक के दो-दो खण्ड हैं तथा कुल 64 मंत्र हैं। मुण्डकोपनिषद् को मंत्रोपनिषद के नाम से भी जाना जाता है। भारत के राष्ट्रीय प्रतीक में अंकित 'सत्यमेव जयते' शब्द भी मुण्डकोपनिषद् से लिया गया है।

40. भारत की वैदिक काल अवधि कब तक चली :

(a) 1500 to 500 BC (b) 336 to 323 BC
(c) 3000 to 2600 BC (d) 550 to 323 BC

RRB NTPC 22.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : सिंधु सभ्यता के पतन के बाद जो नवीन संस्कृति प्रकाश में आयी, उसके विषय में हमें सम्पूर्ण जानकारी वेदों से मिलती है। इसलिए इस काल को हम वैदिक काल के नाम से जानते है। इसका समय 1500–500 ई.पू. तक है।

41. 'यजुर्वेद' में यजुर का अर्थ क्या है?

(a) जीवन (b) प्रकृति
(c) बलिदान (d) सत्य

RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-III) Stage IInd

Ans : (c) यजुर्वेद में 'यजुर' का अर्थ बलिदान है, यजुर्वेद हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण श्रुति धर्मग्रन्थ है। इसमें यज्ञ एवं बलि की प्रक्रिया के बारे में बताया गया है। यह हिन्दू धर्म के चार प्रमुख ग्रन्थों में से एक है।

42. निम्न में से किस वेद में बीमारियों का उपचार दिया गया है?

(a) यजुर (b) ऋग्
(c) साम (d) अथर्व

RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-I) Stage IInd

Ans : (d) अथर्ववेद में बीमारियों के उपचार के बारे में बताया गया है। अथर्ववेद में मनुष्यों के सामान्य विचारों तथा अंधविश्वासों का विवरण मिलता है। इसमें विविध विषयों से सम्बंधित मंत्र तथा रोग निवारण, समन्वय, राजभक्ति, विवाह तथा प्रणय गीतों आदि के विवरण सुरक्षित है। यह अथर्वा ऋषि द्वारा रचित है।

4. महाजनपद काल (Mahajanpada Period)

43. निम्नलिखित विकल्पों में से गलत जोड़ी का चयन करें–

(a) चन्द्रगुप्त : मौर्य
(b) बिम्बिसार : गुप्त
(c) राजराजा : चोल
(d) कनिष्क : कुषाण

RRB NTPC Stage Ist 28.04.2016 (Shift-II)

Ans : (b) बिम्बिसार ने 544 ई. पू. में मगध पर हर्यक वंश की स्थापना की। इसके पूर्व यहाँ बृहद्रथ का शासन था। बिम्बिसार ने गिरिव्रज को अपनी राजधानी बनायी। इसने वैवाहिक सम्बन्धों द्वारा अपनी स्थिति मजबूत की। बिम्बिसार ने लिच्छवि शासक चेटक की पुत्री चेल्लना, कोशलराज प्रसेनजित की बहन महाकोशला तथा मद्र देश की कन्या क्षेमा से विवाह किया। काशी, महाकोशला देवी के साथ दहेज में मिला था।

44. निम्नलिखित में से कौन सी मगध साम्राज्य की राजधानी थी?

(a) वैशाली (b) राजगीर
(c) उज्जैन (d) कौशांबी

RRB NTPC 05.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : मगध प्राचीन भारत के सोलह महाजनपदों में से एक था। यह बौद्ध काल में उत्तर भारत का सबसे शक्तिशाली जनपद था। इसकी प्राचीन राजधानी राजगृह (राजगीर) या गिरिव्रज थी। कालांतर में मगध की राजधानी पाटलिपुत्र स्थानांतरित हुई। हालांकि शिशुनाग के शासनकाल में राजगीर (गिरिव्रज) के अतिरिक्त वैशाली नगर को भी दूसरी राजधानी बनाया गया था जो बाद में उसकी प्रधान राजधानी बन गई।

45. प्राचीन काल में 'अवध' को किस नाम से जाना जाता था?

(a) कोसल (b) कपिलवस्तु
(c) कौशाम्बी (d) काशी

RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-II) Stage IInd

Ans : (a) 6वीं शताब्दी ईसा पूर्व में भारतवर्ष 16 महाजनपदों में विभाजित था। प्राचीन काल में 'अवध' को 'कोशल' नाम से जाना जाता था। वर्तमान में यह क्षेत्र फैजाबाद (उत्तर प्रदेश) में स्थित है।

5. जैन धर्म (Jainism)

46. 19वीं शताब्दी में निर्मित अजमेर का सोनीजी की नसिया मंदिर _____ को समर्पित है।

(a) भगवान ऋषभदेव (b) भगवान अजितनाथ
(c) भगवान महावीर (d) भगवान चंद्रप्रभ

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-III)

Ans. (a) : 19वीं शताब्दी में निर्मित सोनी जी की नसिया मंदिर अजमेर शहर में स्थित एक जैन मंदिर है। इसे 'लाल मंदिर' भी कहते है। यह मंदिर जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव को समर्पित है।

47. छठवीं शताब्दी ईसा पूर्व के प्रारंभ में भगवान महावीर का जन्म निम्नलिखित में से किस स्थल पर हुआ?

(a) मगध (b) पाटलिपुत्र
(c) वैशाली (d) सारनाथ

RRB NTPC 01.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : महावीर स्वामी जैन धर्म के 24वें एवं अन्तिम तीर्थंकर थे। उनका जन्म 540 ई. पूर्व में कुण्डग्राम (वैशाली) में हुआ था। इनके पिता सिद्धार्थ ज्ञातृक कुल के प्रधान थे और माता त्रिशला लिच्छवि राजा चेटक की बहन थी। विदित है कि जैन धर्म के संस्थापक एवं प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव थे।

48. भगवान महावीर का मूल नाम क्या है ?

(a) आनंद (b) सिद्धार्थ
(c) सारिपुत्त (d) वर्धमान

RRB NTPC 30.12.2020 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : भगवान महावीर का मूल नाम 'वर्धमान' था। महावीर का जन्म प्राचीन वज्जि गणतंत्र की राजधानी वैशाली के निकट कुण्डग्राम के ज्ञातृक कुल के प्रधान सिद्धार्थ के यहां 540 ई.पू. में हुआ था। इनकी माता का नाम त्रिशला था, जो लिच्छवी राजकुमारी थी। इनकी पत्नी का नाम यशोदा था। महावीर को जृम्भिक के समीप ऋजुपालिका नदी के किनारे कैवल्य (सर्वोच्च ज्ञान) प्राप्त हुआ।

49. जैन मठ संस्थानों को क्या कहा जाता है ?

(a) अपरिग्रह (b) श्वेतांबर
(c) तीर्थ (d) बसादिस

RRB NTPC 23.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) जैन मठ संस्थानों को बसादी (बसादिस) कहा जाता है। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव तथा 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी हुए। महावीर स्वामी के अनुयायियों को मूलतः निर्ग्रंथ कहा जाता था।

50. चौबीसवें जैन तीर्थंकर का नाम क्या था ?

(a) गोमतेश्वर (b) पारसनाथ
(c) ऋषभ (d) महावीर

RRB NTPC 25.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : जैन धर्म के चौबीसवें एवं अंतिम तीर्थंकर महावीर थे। महावीर स्वामी का जन्म 599 ई. पूर्व में कुण्डग्राम (वैशाली) में हुआ था। जैन धर्म के संस्थापक एवं प्रथम तीर्थकर ऋषभ देव थे। जैन धर्म दो समुदायों में विभाजित हैं–(1) श्वेताम्बर, (2) दिगम्बर। जैन साहित्य विशाल है जिनमें से अधिकांश धार्मिक साहित्य ही है। संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश भाषाओं में यह साहित्य लिखा गया है। जैन धर्म के त्रिरत्न है – सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक आचरण।

51. त्रिरत्न की अवधारणा ..... से संबंधित है–

(a) सिख धर्म (b) जैन धर्म
(c) बौद्ध धर्म (d) पारसी धर्म

RRB NTPC 31.03.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (b/c) जैन धर्म के अनुसार त्रिरत्न– सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान एवं सम्यक् आचरण है। बौद्ध धर्म के अनुसार त्रिरत्न बुद्ध, धम्म और संघ है।

नोट– RRB द्वारा इस प्रश्न को निरस्त कर दिया गया है।

52. निम्नलिखित में से अनुसरण किए जाने वाले धर्म एवं पवित्र पुस्तिका की कौन सी जोड़ी असंगत है?

(a) इस्लाम : कुरान
(b) सिख धर्म : गुरू ग्रंथ साहेब
(c) जैन धर्म : उपनिषद
(d) ईसाई धर्म : बाइबल

RRB NTPC Stage Ist 26.04.2016 (Shift-II)

Ans : (c) जैन साहित्य का प्राचीनतम भाग 'आगम' कहलाता है। जैन रचनाकारों ने पुराण काव्य, चरित काव्य, कथा काव्य, रास काव्य आदि ग्रंथों की रचनाएं की हैं।

उपनिषद– हिन्दू धर्म के महत्वपूर्ण श्रुति धर्मग्रन्थ है। ये वैदिक वांग्मय के अभिन्न अंग है, इनमें परमेश्वर, परमात्मा–ब्रह्मा और आत्मा के स्वभाव और सम्बन्ध का बहुत ही दार्शनिक और ज्ञान पूर्वक वर्णन किया गया है।

6. बौद्ध धर्म (Buddhism)

53. बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ में अपने पांच शिष्यों को दिया था,जिसे _____ कहा जाता है।

(a) धर्मचक्रप्रवर्तन (b) महा परिनिर्वाण
(c) महाभिनिष्क्रमण (d) निरंजन

RRB NTPC (Stage-2) 14/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : उरुवेला में ज्ञान प्राप्त करने बाद गौतम बुद्ध ने पहला उपदेश सारनाथ में पाँच ब्राह्मणों को दिया था, जिसे 'धर्मचक्रप्रवर्तन' के नाम से जाना जाता है। बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश कोशल की राजधानी श्रावस्ती में तथा महावीर स्वामी ने सर्वाधिक उपदेश राजगृह में दिये थे।

54. वैशाली में, द्वितीय बौद्ध संगीति (Second Buddhists Council) _____ द्वारा संचालित की गई थी।

(a) मुण्डा (b) कालाशोक
(c) सुनिधा (d) अनिरुद्ध

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-III)

Ans. (b) : बौद्ध धर्म की संगीतियाँ तथा उनके समकालीन शासक निम्नलिखित है-

बौद्ध संगीतियाँ	अध्यक्ष	समकालीन शासक	स्थान
प्रथम संगीति	महाकस्सप	अजातशत्रु	राजगृह
द्वितीय संगीति	सबाकामी	कालाशोक	वैशाली
तृतीय संगीति	मोग्गलिपुत्ततिस्स	अशोक	पाटलिपुत्र
चतुर्थ संगीति	वसुमित्र	कनिष्क	कुण्डलवन

55. थेरीगाथा, एक बौद्ध ग्रंथ है, जो _____ का हिस्सा है, यह भिक्षुणियों द्वारा रचित छंदो का संग्रह है।

(a) दीपवंश (b) सुत्त पिटक
(c) महावंश (d) विनय पिटक

RRB NTPC (Stage-2) 14/06/2022 (Shift-II)

Ans. (b) : थेरीगाथा, एक बौद्ध ग्रंथ है, जो सुत्त पिटक के खुद्दक निकाय का हिस्सा है, जिसमें 15 लघु ग्रंथ है। यह स्थिविर भिक्षुणियों द्वारा रचित छंदों का संग्रह है। इनमें कुल 73 गीतों तथा 522 कविताओं का संग्रह है।

56. तीन पिटकों में से, अभिधम्म पिटक .....से संबंधित है।

(a) सारनाथ स्तम्भ संबंधी कहानियों
(b) बुद्ध की शिक्षाओं
(c) दार्शनिक मामलों
(d) संघ में शामिल होने वालों के लिए नियमों

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-III)

Ans. (c) : अभिधम्म पिटक में बौद्ध मतों की दार्शनिक व्याख्या की गई है। इस पिटक का संकलन अशोक के समय में हुए तृतीय बौद्ध संगीति में मोग्गालिपुत्तिस्स ने किया था। ये हीनयानी थे। अभिधम्म पिटक में कुल सात ग्रन्थ सम्मिलित है। इन्हें सप्त प्रकरण कहा जाता है, (1) धम्म संगनि (2) विभंग (3) धातु कथा (4) पुग्गल पंगति (5) कथावत्थु (6) यमक (7) पठ्ठान जिसमें सबसे महत्वपूर्ण ग्रन्थ कथावत्थु है, जिसकी रचना स्वयं मोग्गलिपुत्त तिस्स ने की है।

57. निम्नलिखित में से किस स्थान पर गौतम बुद्ध ने आत्मज्ञान प्राप्त किया था?

(a) कुशीनगर (b) लुम्बिनी
(c) बोधगया (d) सारनाथ

RRB NTPC 19.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : गौतम बुद्ध ने बौद्ध धर्म की स्थापना की थी। इनका जन्म 563 ई.पू. में कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक स्थान पर हुआ था। इन्हें 35 वर्ष की आयु में वैशाख पूर्णिमा की रात निरंजना (फाल्गु) नदी के किनारे, पीपल वृक्ष के नीचे बोध गया में ज्ञान प्राप्त हुआ। इन्होंने अपना पहला उपदेश ऋषिपत्तनम् (सारनाथ) में दिया, जिसे बौद्ध ग्रंथों में धर्मचक्रप्रवर्तन कहा गया।

58. सुत्त पिटक के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) यह बुद्ध का जीवन चरित्र है।
(b) यह मगध के शासक और बुद्ध के बीच की बातचीत से संबंधित है।
(c) यह श्रीलंका में लिखा गया बौद्ध ग्रंथ है।
(d) यह उन लोगों के लिए बनाए गए नियमों और विनियमों के बारे में है, जिन्होने बौद्ध मठ व्यवस्था को अंगीकार किया था।

RRB NTPC 19.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : विनयपिटक, सुत्तपिटक व अभिधम्मपिटक बौद्ध धर्म के त्रिपिटक कहलाते हैं। इन तीनों पिटकों की भाषा पालि है। सुत्तपिटक में बुद्ध के धार्मिक सिद्धांतों को संवाद के रूप में संकलित किया गया है। विनयपिटक में संघ के भिक्षु एवं भिक्षुणी के लिए बनाये गये नियमों का संग्रह किया गया है। अभिधम्मपिटक का संबंध बौद्ध धर्म के दर्शन से है।

59. हीनयान और महायान किस धर्म के पंथ हैं?

(a) हिंदू धर्म (b) जैन धर्म
(c) बौद्ध धर्म (d) सिख धर्म

RRB NTPC 28.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : हीनयान और महायान बौद्ध धर्म की शाखायें हैं। 'चतुर्थ बौद्ध संगीति' (कनिष्क के समय) के बाद बौद्ध धर्म दो भागों हीनयान एवं महायान में विभाजित हो गया। बौद्ध धर्म के महायान सम्प्रदाय का आदर्श 'बोधिसत्व' है। बोधिसत्व दूसरे के कल्याण को प्राथमिकता देते हुये अपने निर्वाण में विलम्ब करते हैं।
हीनयान का आदर्श 'अर्हत पद' को प्राप्त करना है, जो व्यक्ति अपनी साधना से निर्वाण की प्राप्ति करते हैं, उन्हें ही 'अर्हत' कहा जाता है।

60. सिंहचतुर्मुख स्तंभ कहां स्थित है?

(a) सारनाथ (b) धौली
(c) नागार्जुन हिल्स (d) बराबर हिल्स

RRB NTPC 02.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : महात्मा बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया था, जिसे 'धर्मचक्रप्रवर्तन' कहा जाता है। जैन ग्रंथों में सारनाथ को सिंहपुर कहा गया है। सारनाथ में अशोक का सिंह चतुर्भुज स्तंभ, बुद्ध का मंदिर, धमेख स्तूप, चौखण्डी स्तूप, सारनाथ का वस्तु संग्रहालय, मूलगंधकुटी आदि दर्शनीय स्थल है।

61. बोधिसत्व की अवधारणा इनमें से किससे संबंधित है?

(a) जैन धर्म (b) हीनयान बौद्ध धर्म
(c) सिख धर्म (d) महायान बौद्ध धर्म

RRB NTPC 01.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : बोधिसत्व बौद्ध मत के महायान संप्रदाय का आदर्श एवं केंद्रीय संकल्पना है। पारम्परिक रूप से महान दया से प्रेरित, बोधिचित्त जनित सभी संवेदनशील प्राणियों को लाभ के लिए सहज इच्छा से बुद्धत्व प्राप्त करने वाले को बोधिसत्व माना जाता है।

62. विनय और सुत्त पिटक इनमें से किसकी शिक्षाओं के संकलन हैं?

(a) गौतम बुद्ध (b) ऋषभदेव
(c) महावीर जैन (d) गुरु गोविंद सिंह

RRB NTPC 01.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : त्रिपिटक बौद्ध ग्रन्थों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। बुद्ध की मृत्यु के बाद उनकी शिक्षाओं को संकलित कर तीन भागों में बाँटा गया, इन्हीं को त्रिपिटक कहते हैं। ये विनय पिटक (संघ संबधी नियम तथा आचार की शिक्षाएं), सुत्तपिटक (धार्मिक सिद्धान्त) तथा अभिधम्म पिटक (दार्शनिक सिद्धान्त) के रूप में मिलते है इन सभी को पालि भाषा में लिखा गया है।

63. गौतम बुद्ध के निम्नलिखित उपदेशों में से किसे अग्नि उपदेश (Fire Sermon) के रूप में जाना जाता है?

(a) धम्मचक्कप्पवत्तन सुत्त (b) अदित्तपरियाय सुत्त
(c) अनात्त-लक्खना सुत्त (d) ब्रह्मजल सूत्र

RRB NTPC 17.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : अदित्तपरियाय सुत्त को अग्नि उपदेश (Fire Sermon) के रूप में जाना जाता है। इस प्रवचन में बुद्ध पाँचों इंद्रियों और मन से वैराग्य के माध्यम से दुःख से मुक्ति प्राप्त करने का उपदेश देते है।
धम्मचक्कप्पवत्तन सुत्त (पालि में) या धर्मचक्रप्रवर्तनसूत्र (संस्कृत में), बौद्ध ग्रन्थ है जिसमें गौतम बुद्ध द्वारा ज्ञान प्राप्ति के बाद दिया गया प्रथम उपदेश संग्रहीत है।
अनात्त-लक्खना सुत्त (पालि), या अनात्मलत्त सूत्र (संस्कृत में), को पारंपरिक रूप से गौतम बुद्ध द्वारा दिया गया दूसरे प्रवचन के रूप में दर्ज किया गया है। जिसे पंचवर्गीय सूत्र के रूप में जाना जाता है। जिसका अर्थ है ''पाँच लोगों का समूह''।

64. जातक कथाएं _____ से संबंधित हैं।

(a) सिक्ख धर्म (b) बौद्ध धर्म
(c) जैन धर्म (d) हिन्दू धर्म

RRB NTPC 29.12.2020 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : जातक कथाएँ, साहित्यिक रचनाएँ हैं जो गौतम बुद्ध के पिछले जन्मों के बारे में हैं। ये बौद्ध ग्रन्थ त्रिपिटक का भाग है। बौद्ध धर्म की स्थापना गौतम बुद्ध ने पाँचवी शताब्दी ई. पू. में की थी। इनका जन्म लगभग 563 ई.पू. में हुआ था।

65. 'बुद्धचरितम्' नामक महाकाव्य किसने लिखा था?

(a) गौतम बुद्ध (b) नागार्जुन
(c) हेमचंद्र (d) अश्वघोष

RRB NTPC 06.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : 'बुद्धचरितम्' महाकाव्य के लेखक अश्वघोष है। बुद्धिचरितम् संस्कृत का महाकाव्य है। इसकी रचना दूसरी शताब्दी में हुई। इस महाकाव्य में गौतम बुद्ध का जीवनचरित्र वर्णित है। बुद्धचरित में 28 सर्ग है। जिसमें 14 सर्गों तक बुद्ध के जन्म से बुद्धत्व- प्राप्ति का वर्णन है। अश्वघोष की अन्य रचनाएँ हैं– सौन्दरानंदकाव्यम् , गंडीस्तोत्रगाथा, सारिपुत्रप्रकरणम् आदि।

नागार्जुनः- नागार्जुन शून्यवाद तथा माध्यमिक मत के प्रख्यात बौद्ध आचार्य थे। नागार्जुन का जन्म 150 ई. में तथा मृत्यु लगभग 250 ई. में हुई थी।

हेमचन्द्रः- श्वेताम्बर जैन परम्परा के आचार्य हेमचन्द्र का जन्म गुजरात में अहमदाबाद के पास धुन्धमा नगर में 1088 ई. में (कार्तिक पूर्णिमा) को हुआ था। हेमचन्द्र राजा सिद्धराज जयसिंह के सभा में कवि थे। इनके अद्वितीय ज्ञान एवं बहुमुखी प्रतिभा के कारण कलिकाल सर्वज्ञ की उपाधि दी गयी थी। इनकी मृत्यु 1172 ई. में अन्हिलवाड़ पाटन में हुई थी। इनकी प्रमुख रचनाएँ -सिद्धहेम, शब्दानुशासनम्।

66. निम्नलिखित में से कौन सा स्थल बौद्धों के तीर्थ स्थलों में से नहीं हैं ?

(a) बोध गया (b) सारनाथ
(c) ग्वालियर (d) कुशीनगर

RRB NTPC 05.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे। इनका जन्म 563 ई.पूर्व में लुंबिनी (नेपाल) नामक स्थान पर हुआ था। बोधगया बौद्धों का प्रमुख तीर्थस्थल है, बुद्ध को यहीं पर ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। सारनाथ बनारस के पास स्थित बौद्ध तीर्थ स्थल है जहाँ पर बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त करने के बाद अपना प्रथम उपदेश दिया था। कुशीनगर उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित है। कुशीनगर में ही भगवान बुद्ध को महापरिनिर्वाण (मृत्यु) प्राप्त हुआ था। दिए गए विकल्पों में ग्वालियर का सम्बन्ध बौद्ध तीर्थ स्थल से नहीं है।

67. गौतम बुद्ध का जन्म कहाँ हुआ था?

(a) अयोध्या (b) लुम्बिनी
(c) वैशाली (d) मगध

RRB NTPC 09.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे। इन्हें एशिया का ज्योति पुञ्ज (Light of Asia) कहा जाता है। गौतम बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व में कपिलवस्तु के लुम्बिनी (वर्तमान में नेपाल में स्थित) नामक स्थान पर हुआ था। इनके पिता शुद्धोधन शाक्य गण के मुखिया थे। इनकी माता का नाम महामाया तथा मौसी प्रजापति गौतमी थी। इनके बचपन का नाम सिद्धार्थ था। गौतम बुद्ध का विवाह 16 वर्ष की अवस्था में यशोधरा के साथ हुआ। इनके पुत्र का नाम राहुल था। गौतम बुद्ध के गृह-त्याग को बौद्ध धर्म में महाभिनिष्क्रमण कहा गया और बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ में दिया, जिसे बौद्ध ग्रन्थों में धर्म चक्र-प्रवर्तन कहा गया है।

68. उस बौद्ध ग्रन्थ का नाम बताइए, जिनमें भिक्षुओं के लिए नियमों का उल्लेख है।

(a) त्रिपिटक (b) विनय पिटक
(c) अभिधम्म पिटक (d) सुत्त पिटक

RRB NTPC 08.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : बौद्ध धर्म के बारे में हमें विशद ज्ञान 'त्रिपिटक' (विनयपिटक, सुत्तपिटक एवं अभिधम्मपिटक) से प्राप्त होता है। सुत्त पिटक में बुद्ध के धार्मिक विचारों व उपदेशों को संवादों के रूप में संकलित किया गया है। विनयपिटक में संघ के भिक्षु एवं भिक्षुणी के लिए बनाये गए अनुशासन संबंधी नियमों का संग्रह किया गया है। अभिधम्म पिटक में बौद्ध मतों की दार्शनिक व्याख्या की गई है। बौद्ध परम्परा की ऐसी मान्यता है कि इस पिटक का संकलन अशोक के समय में सम्पन्न तृतीय बौद्ध संगीति में मोग्गलिपुत्त तिस्स ने किया था।

69. स्तूप क्यों बनाए गए थे ?

(a) पवित्र स्मृतिचिह्न रखने के लिए
(b) धार्मिक सभाएं करने के लिए
(c) बुद्ध की पूजा करने के लिए
(d) बौद्ध ग्रंथ रखने के लिए

RRB NTPC 09.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : स्तूप निर्माण की परंपरा बहुत पुरानी है। वैदिक काल में शव-समाधियों को मिट्टी के थूहों या टीलों के रूप में बनाया जाता था। इन्हीं शव-समाधियों को स्तूपों का आदि-प्रारूप माना जाता है। पहले इसका उद्देश्य मात्र अस्थि संचय था, बाद में इसका विकास पवित्र स्मृतिचिन्ह के रूप में हुआ। स्तूप निर्माण की परंपरा का वास्तविक इतिहास बौद्ध और जैन धर्म के साथ शुरू होता है।

70. गौतम बुद्ध को ज्ञान कहाँ पर प्राप्त हुआ था?

(a) बोधगया (b) अमरनाथ
(c) कुशीनगर (d) लुम्बिनी

RRB NTPC 28.03.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans :(a) बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध को 35 वर्ष की आयु में उरूवेला (बोधगया) में बोधि (पीपल) वृक्ष के नीचे निरंजना नदी के तट पर वैशाख पूर्णिमा के दिन ज्ञान प्राप्त हुआ। इसके पश्चात ये बुद्ध कहलाये। बुद्ध ने अपना सर्वाधिक उपदेश कोशल देश की राजधानी श्रावस्ती में दिया।

71. बौद्ध तीर्थस्थान 'दाँत का मंदिर' यहाँ स्थित है–

(a) मलेशिया (b) श्रीलंका
(c) नेपाल (d) चीन

RRB NTPC Stage Ist 19.01.2017 (Shift-II)

Ans : (b) बौद्ध तीर्थस्थान, 'दाँत का मन्दिर' श्रीलंका के कैंडी शहर में स्थित है। कैंडी के पूर्व राजशाही के शाही महल परिसर में स्थित इस मन्दिर में महात्मा बुद्ध के दाँत रखे गये थे, कैंडी श्रीलंका के राजाओं की अन्तिम राजधानी थी। वर्तमान में यह यूनेस्को के विरासत स्थलों में शामिल है।

72. बोरोबुडुर बौद्ध मंदिर कहाँ स्थित है?

(a) नेपाल (b) श्रीलंका
(c) इंडोनेशिया (d) मलेशिया

RRB NTPC 12.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (c) बोरोबुडुर अथवा बोरोबुदुर इण्डोनेशिया के मध्य जावा प्रान्त के मगेलांग नगर में स्थित 750–850 ईसवी के मध्य का महायान बौद्ध विहार है। यह आज भी संसार में सबसे बड़ा बौद्ध विहार है। इसका निर्माण 9वीं सदी में शैलेन्द्र राजवंश के दौरान हुआ था।

73. जहाँ यह मानते हैं कि भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था उस स्मारक का नाम बताएँ और जिसे 'सीट ऑफ द होली बुद्ध' (seat of the holy Buddha) भी कहा जाता है?

(a) धमेख स्तूप, सारनाथ
(b) सांची स्तूप, सांची
(c) शिन्गारदार स्तूप, स्वात घाटी
(d) दो–दुल चोर्तेन, गंगटोक

RRB NTPC Stage Ist 29.04.2016 (Shift-II)

Ans : (a) महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में पाँच ब्राह्मण संन्यासियों को दिया था। इसी स्थान पर सम्राट अशोक ने धमेख स्तूप का निर्माण करवाया था। इनके द्वारा दिया गया पहला उपदेश 'धर्मचक्रप्रवर्तन' कहलाया। इसे 'सीट ऑफ द होली बुद्ध' भी कहा जाता है।

74. निम्नलिखित में से कौन सा एक बुद्ध की शिक्षाओं का संग्रह है?

(a) आगम (b) ब्राह्मण
(c) पुराण (d) त्रिपिटक

RRB NTPC 03.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (d) त्रिपिटक बौद्ध धर्म का आधारभूत और मुख्य ग्रन्थ है। भगवान बुद्ध के उपदेश तीन साहित्य खण्डों में संकलित है, जिन्हें त्रिपिटक कहते हैं–
1. विनय पिटक
2. सुत्त पिटक
3. अभिधम्मपिटक

7. पारसी/यहूदी धर्म (Zoroastrianism/Judaism)

75. भारत का एक धर्म- जोरोआस्ट्रियन (Zoroastrian) मुख्य रूप से किस राज्य में पाया जाता है?

(a) महाराष्ट्र (b) हरियाणा
(c) बिहार (d) केरल

RRB NTPC 11.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (a) जोरोऑस्ट्रियन (पारसी) धर्म को मानने वाली अधिकतम आबादी महाराष्ट्र में निवास करती है। इस धर्म के संस्थापक महात्मा जरथुष्ट्र हैं। भारत में इसे पारसी धर्म के नाम से जाना जाता है जो ईरान का प्राचीन काल से प्रचलित धर्म है।

76. नीचे शब्दों के चार युग्म दिये गए हैं जिनमें से तीन किसी तरीके से एक समान है और एक युग्म भिन्न है। कौन सा युग्म शेष से भिन्न है?

(a) अवेस्ता : पारसी (b) तोरा : यहूदी
(c) त्रिपिटक : बौद्ध (d) मंदिर : हिंदू

Ans : (d) अवेस्ता पारसी का, तोरा यहूदी का एवं त्रिपिटक बौद्ध धर्म का ग्रंथ है, जबकि मंदिर, हिंदुओं के पूजा करने का स्थान है। अत: विकल्प **(d)** अन्य सभी से भिन्न है।

77. 'जेंद अवेस्ता' (Zend Avesta) ..... के साथ जुड़ा हुआ है।

(a) पारसी धर्म (b) सिख धर्म
(c) बौद्ध धर्म (d) जैन धर्म

RRB NTPC 19.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (a) जेंद अवेस्ता पारसी धर्म का पवित्र ग्रंथ है। पारसी धर्म के पैगम्बर जरथुष्ट्र (ईरानी) थे, इनकी शिक्षाओं का संकलन जेन्द अवेस्ता नामक ग्रंथ में है।

78. निम्नलिखित में से कौन–सा यहूदी धर्म से संबंधित है?

(a) धम्मपद (b) तोरा
(c) गुरू ग्रंथ साहिब (d) त्रिपिटक

RRB NTPC 17.01.2017 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (b) यहूदियों की धर्मभाषा 'इब्रानी' (हिब्रू) और यहूदी धर्मग्रन्थ का नाम 'तनख' है जो इब्रानी भाषा में लिखा गया है। इसे तालमुद या 'तोरा' भी कहते हैं। त्रिपिटक बौद्ध धर्म से संबंधित है। इसके अंतर्गत विनय पिटक, सुत्त पिटक व अभिधम्म पिटक का वर्णन मिलता है। गुरूग्रंथ साहिब सिक्खों का पवित्र धार्मिक ग्रंथ है जबकि धम्मपद सुत्तपिटक का ही एक भाग है।

8. मौर्य साम्राज्य (Mauryan Empire)

79. पाटलिपुत्र में स्थानांतरित होने से पहले निम्न में से कौन-सा कई वर्षों तक मगध की राजधानी थी?

(a) पटना (b) नालंदा
(c) राजगृह (d) गया

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : राजगृह, अजातशत्रु के शासनकाल में पाटलिपुत्र से पहले मगध की राजधानी हुआ करती थी। उदायिन ने मगध की राजधानी राजगृह से पाटलिपुत्र स्थानांतरित कर दिया था। राजगृह का अपना ऐतिहासिक और धार्मिक महत्त्व है। यह महावीर स्वामी तथा गौतमबुद्ध का साधना स्थल रहा है, जिसके कारण यह दोनों धर्मों के लिए पूजनीय स्थल है। यहीं पर प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन अजातशत्रु के शासनकाल में महाकस्सप की अध्यक्षता में हुआ था। राजगृह पाँच पहाड़ियों (विपुलाचल, रत्नागिरी, उदयगिरी, स्वर्णगिरी, वैभवगिरी) से घिरा हुआ है।

80. लौरिया नन्दनगढ़ स्तंभ -----में स्थित है।

(a) वाराणसी (b) कुम्रहार
(c) चंपारण (d) पटना

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : लौरिया नन्दनगढ़ स्तम्भ बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले में बूढ़ी गंडक नदी के किनारे स्थित है। यह मौर्यकालीन स्तम्भ है, जिसे सम्राट अशोक ने धर्मलेख के तौर पर स्थापित करवाया था।

81. किस मौर्य सम्राट ने लगभग 287/268-231 ईसा पूर्व के अपने शासनकाल के दौरान शिलाओं और स्तंभों पर अपने लेख उत्कीर्ण करवाए थे?

(a) बिंदुसार (b) बृहद्रथ
(c) अशोक (d) चंद्रगुप्त मौर्य

RRB NTPC (Stage-2) 14/06/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : मौर्य सम्राट अशोक ने अपने शासनकाल के दौरान शिलाओं और स्तम्भों पर अपने लेख उत्कीर्ण करवाए थे। अशोक के शिलालेख 14 विभिन्न लेखों का समूह है जो आठ भिन्न-भिन्न स्थानों से प्राप्त किए गये हैं। अशोक ने अपनी कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को प्रजा में प्रसारित करने के लिए तथा धम्म का प्रचार करने के लिए सम्पूर्ण साम्राज्य में अभिलेखों की स्थापना करवाई।

82. सम्राट अशोक का पितामह कौन था?

(a) चंद्रगुप्त मौर्य (b) बिन्दुसार
(c) दशरथ (d) विताशोक

RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : सम्राट अशोक मौर्यवंश का एक महान शासक था। वह बिन्दुसार का पुत्र था, और चन्द्रगुप्त मौर्य का पौत्र था। इसे देवनामप्रिय एवं प्रियदर्शी आदि नामों से भी जाना जाता है। अपने राज्याभिषेक के आठवें वर्ष (261 ई. पू.) उसने कलिंग का युद्ध लड़ा और विजयी हुआ। इस युद्ध में हुए भयंकर रक्तपात से आहत होकर उसने युद्ध का त्याग कर बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। इसने भारत ही नही अपितु सम्पूर्ण एशिया में बौद्ध धर्म की शिक्षाओं का प्रचार किया। इसने बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए सम्राट अशोक ने अपने पुत्र व पुत्री क्रमशः (महेन्द्र व संघमित्रा) को श्रीलंका भेजा था।

83. निम्न में से कौन सा स्थल आधुनिक गुजरात में स्थित है, जहाँ अशोक के शिलालेख अवस्थित हैं?

(a) सन्नति (b) शिशुपालगढ़
(c) गिरनार (d) कलसी

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : गिरनार गुजरात में जूनागढ़ के निकट स्थित पहाड़ियाँ हैं। गिरनार की पहाड़ियों से पश्चिम और पूर्व दिशा में 'भादस, रोहजा, शतंरुजी' और घेलों नदियां बहती हैं। इन पहाड़ियों पर मौर्य सम्राट' अशोक का 'चतुर्दश शिलालेख' अंकित है।

अशोक मौर्य वंश के सबसे प्रसिद्ध शासक था। वह ऐसा पहला शासक था जिसने अभिलेखों द्वारा जनता तक अपने संदेश पहुंचाने की कोशिश की। अशोक के ज्यादातर अभिलेख प्राकृत भाषा और ब्राह्मी लिपि में हैं।

84. लगभग 260 ईसा पूर्व किस मौर्य सम्राट ने कलिंग को जीतने के लिए सैन्य अभियान का नेतृत्व किया था?

(a) चन्द्रगुप्त मौर्य (b) बृहद्रथ
(c) अशोक (d) बिंदुसार

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-II)

Ans. (c) :लगभग 261 ई.पू. मौर्य सम्राट अशोक ने कलिंग को जीतने के लिए सैन्य अभियान का नेतृत्व किया था। कलिंग युद्ध मौर्य साम्राज्य और कलिंग राज्य के बीच लड़ा गया था, जो वर्तमान में ओडिशा और आन्ध्र प्रदेश का उत्तरी भाग है। जिसके परिणाम स्वरूप अशोक ने कलिंग के राजा अनंत पद्मनाभन को हराकर कलिंग पर विजय प्राप्त की। इस युद्ध में हुए रक्तपात को देखकर अशोक ने बौद्ध धर्म को अपना लिया और वह अहिंसा के मार्ग पर चल पड़ा।

85. अशोक के अधिकांश शिलालेख ..... भाषा में थे, जबकि उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिम में पाये गये शिलालेख आरम्भिक और यूनानी भाषा में थे।

(a) तमिल (b) प्राकृत
(c) संस्कृत (d) पालि

RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : अशोक के अभिलेख ब्राह्मी, खरोष्ठी, आरमेइक तथा यूनानी लिपि में लिखे गये हैं, किन्तु अधिकांश अभिलेख प्राकृत भाषा व ब्राह्मी लिपि में लिखे गये हैं।

अशोक ने राष्ट्रीय भाषा एवं लिपि के रूप में पालि भाषा एवं ब्राह्मी लिपि का प्रयोग किया। भारतीय क्षेत्र में पाये गये अभिलेखों की लिपि ब्राह्मी है। भारत के बाहर पाये गये कुछ शिलालेखों की लिपियाँ खरोष्ठी, आइमेइक तथा यूनानी हैं।

86. मौर्य शासन के दौरान निम्नलिखित में से किस प्रांत को कर्नाटक में सोने की खान का केंन्द्र माना जाता था?

(a) सुवर्णगिरि (b) उज्जयिनी
(c) तक्षशिला (d) तोशलि

RRB NTPC (Stage-2) 12/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : मौर्य शासन के दौरान सुवर्णगिरि को कर्नाटक में सोने की खान का केन्द्र माना जाता था तथा यह दक्षिणी प्रांत की राजधानी थी।

87. सेल्यूकस निकेटर नामक..... शासक द्वारा मेगस्थनीज नामक राजदूत को चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा गया था।

(a) चीनी (b) अरब
(c) फारसी (d) यूनानी

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-III)

Ans. (d) : सेल्यूकस निकेटर, सिकन्दर का प्रमुख सेनापति था। सिकन्दर की मृत्यु के पश्चात् वह सीरिया (यूनान) का शासक बना। सिकन्दर द्वारा विजित प्रदेशों को उसने पुनः अधिकार में लेने के उद्देश्य से उसने 305 ई.पू. भारत पर आक्रमण किया, परन्तु चन्द्रगुप्त मौर्य ने उसे पराजित कर संधि कर ली। जिसके फलस्वरूप चन्द्रगुप्त को सेल्युकस से चार प्रान्त अराकोसिया (कान्धार), पेरोपनिसडाई (काबुल), एरिया (हेरात) व जेड्रोसिया (मकरान तट) मिले तथा सेल्यूकस को चन्द्रगुप्त ने 500 हाथी दिए। इसी संधि के फलस्वरूप सेल्यूकस निकेटर ने मेगस्थनीज नामक राजदूत को चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा था, जिसने 'इण्डिका' नामक पुस्तक की रचना की थी।

88. मौर्य शासक अशोक द्वारा निर्मित सारनाथ सिंहचतुर्मुख —— से बना था।

(a) लोहा (b) बलुआ पत्थर
(c) अभ्रक (d) संगमरमर

RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-III)

Ans. (b) : अशोक द्वारा निर्मित सारनाथ सिंहचतुर्मुख धर्मचक्र प्रवर्तन की घटना का स्मारक है, जिसकी स्थापना धर्मसंघ की अक्षुण्णता बनाए रखने के लिए हुई थी। यह चुनार के बलुआ पत्थर के लगभग 45 फुट लम्बे प्रस्तर खण्ड का बना हुआ है। धरती में गड़े हुए आधार को छोड़कर इसका दण्ड गोलाकार है, जो ऊपर की ओर क्रमशः पतला होता जाता है।

89. 326 ई.पू. में भारत पर आक्रमण करने के लिए सिकंदर (Alexander) ने सबसे पहले निम्नलिखित में से किस नदी को पार किया था ?

(a) सिंधु (b) झेलम
(c) चेनाब (d) सतलुज

RRB NTPC 30.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : 326 ईसा पूर्व में सिकंदर ने भारत पर आक्रमण किया, सिंधु नदी को पार करने के बाद वह तक्षशिला की ओर बढ़ा। उसके बाद उन्होंने झेलम और चेनाब नदियों के बीच स्थित पंजाब के शासक राजा पोरस के साथ युद्ध करना पड़ा। इस लड़ाई को हाइडेस्पीज या झेलम (वितस्ता) के युद्ध के नाम से जाना जाता है। इस युद्ध में पोरस की हार हुई।

90. ..... मध्य प्रदेश में भगवान बुद्ध के सम्मान में सम्राट अशोक द्वारा बनवाया गया बौद्ध स्मारक है।

(a) धामक स्तूप (b) बविकोंडा स्तूप
(c) महाबोधि स्तूप (d) सांची स्तूप

RRB NTPC 25.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : सांची स्तूप का निर्माण सम्राट अशोक द्वारा तीसरी सदी ई.पू. में भगवान बुद्ध के सम्मान में करवाया गया था। सांची भारत के मध्य प्रदेश राज्य के रायसेन जिले में बेतवा नदी के तट पर स्थित छोटा सा गांव है। रायसेन जिले में एक अन्य विश्व पर्यटक स्थल भीमबेटका भी है। सांची स्तूप को वर्ष 1989 में यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया।

91. सांची के स्तूप का निर्माण किसने कराया था?

(a) अशोक (b) बिंदुसार
(c) चाणक्य (d) चंद्रगुप्त

RRB NTPC 04.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

92. बौद्ध धर्म से संबंधित प्रख्यात भवन संरचना धामेक स्तूप (Dhamekh Stupa) का निर्माण मूलतः ..... वंश के शासनकाल के दौरान कराया गया था।

(a) नंद (b) शुंग
(c) कण्व (d) मौर्य

RRB NTPC 11.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : बौद्ध धर्म से संबंधित प्रख्यात भवन संरचना धमेक स्तूप का निर्माण मौर्य वंश के शासनकाल के दौरान किया गया था। धमेक स्तूप उत्तर प्रदेश के सारनाथ में स्थित प्रसिद्ध बौद्ध धार्मिक स्थल है। सारनाथ में ही भगवान बुद्ध ने अपने शिष्यों को प्रथम उपदेश दिया था। धमेक स्तूप की नींव अशोक ने 249 ई. पू. में रखी थी तथा इसका विस्तार कुषाण काल में हुआ। यह स्तूप पूर्ण रूप से गुप्तकाल में तैयार हुआ।

93. बौद्ध संरचना, 'धम्मेख स्तूप' ('Dhamek Stupa') कहाँ पर है?

(a) सारनाथ (b) सांची
(c) कोणार्क (d) महाबलीपुरम

RRB NTPC 07.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

94. तृतीय बौद्ध परिषद (Buddhist Council) का आयोजन किसके द्वारा कराया गया था?

(a) चंद्रगुप्त (b) हर्षवर्धन
(c) अशोक (d) कनिष्क

RRB NTPC 03.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : तृतीय बौद्ध परिषद (संगीति) का आयोजन 250 ई.पू. में अशोक के द्वारा पाटलिपुत्र में कराया गया था। इसकी अध्यक्षता मोग्गलिपुत्त तिस्स द्वारा की गई थी। इसका उद्देश्य संघ भेद के विरुद्ध कठोर नियमों का प्रतिपादन करके बौद्ध धर्म को स्थायित्व प्रदान करना था। इसमें धर्म ग्रंथों को अंतिम रूप से सम्पादित किया गया एवं तीसरे पिटक अभिधम्मपिटक को जोड़ा गया। ज्ञातव्य है कि प्रथम बौद्ध संगीति में बुद्ध के उपदेशों को दो पिटकों विनय पिटकों तथा सुत्तपिटक में संकलित किया गया था।

95. चंद्रगुप्त मौर्य, मौर्य वंश के संस्थापक थे। भारतीय इतिहास में उनके शासन के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

(a) उन्होंने सिकंदर (अलेक्जेंडर) से मुलाकात की और उसकी सेना में शामिल हुए, ताकि मैसेडोनियन युद्ध कौशल को सीख सकें।
(b) बैरम खां उनका सबसे अच्छा सहयोगी, संरक्षक और मार्गदर्शक था।
(c) चंद्रगुप्त मौर्य को पहले अखिल भारतीय (लगभग) साम्राज्य की स्थापना का श्रेय दिया जाता है।
(d) साम्राज्य के पुरातात्विक साक्ष्य कई कस्बों और शहरों के अस्तित्व को दर्शाते हैं, जिसमें सबसे प्रमुख राजधानी पाटलिपुत्र है।

RRB NTPC 24.07.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : मौर्य राजवंश का संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य था। चन्द्रगुप्त मौर्य को प्रथम अखिल भारतीय साम्राज्य की स्थापना का श्रेय दिया जाता है। यूनानी राजदूत मेगस्थनीज (कृति : इण्डिका) चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था। चन्द्रगुप्त मौर्य जैन धर्मावलम्बी था तथा उसने जैन क्रिया संलेखना विधि द्वारा कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में अपने प्राण त्याग दिये। जबकि बैरम खाँ अकबर का संरक्षक था।

96. अशोक, तर्कसिद्ध रूप से प्रारंभिक भारत के सबसे प्रसिद्ध शासक थे, जिसने कलिंग पर विजय प्राप्त की। वे ..... के पोते थे।

(a) समुद्रगुप्त (b) चंद्रगुप्त मौर्य
(c) प्रभावती गुप्त (d) चंद्रगुप्त द्वितीय

RRB NTPC 13.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : कलिंग का प्रख्यात युद्ध सम्राट अशोक और कलिंग के राजा के बीच 261 ईसा पूर्व में लड़ा गया। सम्राट अशोक मौर्य वंश के शासक बिन्दुसार के पुत्र तथा चन्द्रगुप्त मौर्य के पोते थे। इस युद्ध का वर्णन सम्राट अशोक के 13वें शिलालेख में है, और सम्राट अशोक के राज्याभिषेक के बाद 8वें वर्ष में यह युद्ध लड़ा गया था।

97. ऐतिहासिक ग्रांड ट्रंक रोड का निर्माण कई शासकों द्वारा कराया गया था। मौर्य वंश के शासन काल के दौरान इसे क्या कहा जाता था?

(a) उत्तरापथ (b) पूर्वी पथ
(c) बादशाही सड़क (d) राजपथ

RRB NTPC 11.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : मौर्य काल में:– इस सड़क को उत्तरापथ के नाम से जाना जाता था। यह मार्ग गंगा नदी के किनारे से होते हुए, गंगा के मैदान के पार, पंजाब के रास्ते तक्षशिला को जाता था। आठ चरणों में निर्मित यह राजमार्ग पेशावर, तक्षशिला, हस्तिनापुर, कन्नौज, प्रयाग, पाटलिपुत्र और ताम्रलिप्त के शहरों को जोड़ता था।

मुगल काल में:– मौर्य काल के बाद इस मार्ग में तब बड़ा बदलाव हुआ जब इस मार्ग का ज्यादातर भाग शेरशाह सूरी द्वारा नए सिरे से पुनर्निर्मित कराया गया। सासाराम, अपने गृहनगर के साथ, आगरा तथा अपनी राजधानी को जोड़ना। शेरशाह के देहांत के बाद इस सड़क का नाम 'सड़क-ए-आजम' उनके नाम पर समर्पित कर दिया गया। इसके बाद मुगल शासकों ने इसे पश्चिम में खैबर दर्रे को पार कर काबुल तक और पूर्व में बंगाल के चटगांव बंदरगाह तक बढ़ाया।

अंग्रेजों के काल में:– 17वीं सदी में इस मार्ग का ब्रिटिश शासकों ने पुनर्निर्माण किया और इसका नाम बदलकर ग्रैंड ट्रंक रोड कर दिया।

98. कलिंग युद्ध की हिंसा को देखकर प्रतिशोध लेने की सोच रखने वाले सम्राट अशोक का हृदय परिवर्तन हुआ और वे एक स्थिर-चित्त एवं शांतिप्रिय सम्राट और ..... के अनुयायी बन गए।

(a) बौद्ध धर्म (b) वेदान्त
(c) हिन्दू धर्म (d) जैन धर्म

RRB NTPC 31.07.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : कलिंग युद्ध की हिंसा को देखकर प्रतिशोध लेने की सोच रखने वाले सम्राट अशोक का हृदय परिवर्तन हुआ और वे एक स्थिर-चित्त एवं शांतिप्रिय सम्राट और बौद्ध धर्म के अनुयायी बन गए।

99. चंद्रगुप्त मौर्य के गुरु कौन थे?

(a) स्कंदगुप्त (b) विष्णु गुप्त
(c) विष्णु शर्मा (d) कल्हण

RRB NTPC 28.03.2016 (Shift-III) Stage Ist
RRB NTPC 02.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : चंद्रगुप्त मौर्य के गुरु विष्णु गुप्त (अन्य नाम चाणक्य व कौटिल्य) थे। चन्द्रगुप्त मौर्य ने भारत में 'मौर्य साम्राज्य' की स्थापना की थी यह पूरे भारत को एक साम्राज्य के अधीन लाने में सफल रहा।

100. चाणक्य का एक अन्य नाम क्या था?

(a) देववर्मन (b) विष्णुगुप्त
(c) राम गुप्त (d) बृजेश्वर

RRB NTPC 28.03.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

101. उदयन ने मगध की राजधानी को किस शहर से हटाकर पाटलिपुत्र में स्थानांतरित किया गया ?

(a) तक्षशिला (b) कौशांबी
(c) सारनाथ (d) राजगीर

RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : उदयन (461 - 445 ई.पू0) अपने पिता अजातशत्रु (हर्यक वंश) की हत्या करके मगध का शासक बना। पुराणों एवं जैन ग्रंथो के अनुसार उदयन गंगा एवं सोन नदियों के संगम पर पाटलिपुत्र नामक नगर की स्थापना की तथा उसे राजगीर के स्थान पर अपनी राजधानी बनायी। यह जैन धर्मावलंबी शासक था।

102. निम्नलिखित में से कौन-सी पुस्तक मेगस्थनीज ने लिखी है?

(a) हर्षचरित (b) मालविकाग्निमित्रम्
(c) इंडिका (d) याज्ञवल्क्य स्मृति

RRB NTPC 18.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : मेगस्थनीज चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था। वह सेल्यूकस निकेटर का राजदूत था। उसने अपनी पुस्तक 'इण्डिका' में मौर्ययुगीन समाज एवं संस्कृति के विषय में लिखा है।
हर्षचरित - बाणभट्ट
मालविकाग्निमित्रम - कालिदास की पुस्तक है।

103. अशोक के प्राचीनतम प्राप्त अभिलेख निम्न में से किस लिपि में लिखे गए हैं

(a) खरोष्ठी (b) हड़प्पाई
(c) ब्राह्मी (d) देवनागरी

RRB NTPC 07.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : अशोक के प्राप्त प्राचीनतम अभिलेख ब्राह्मी लिपि में लिखे गए थे। अभी तक अशोक के कुल 40 अभिलेख प्राप्त हो चुके हैं। सर्वप्रथम 1837 ई. में जेम्स प्रिंसेप नामक विद्वान ने अशोक के अभिलेख को पढ़ने में सफलता हासिल की थी। शाहबाजगढ़ी एवं मानसेहरा के अभिलेख खरोष्ठी लिपि एवं तक्षशिला एवं लघमान के (अफगानिस्तान) अभिलेख आरमाइक एवं ग्रीक लिपि में उत्कीर्ण हैं। इसके अतिरिक्त अशोक के समस्त शिलालेख, लघुशिला स्तम्भ लेख एवं लघु लेख ब्राह्मी लिपि में उत्कीर्ण है।

104. इनमें से किसने मौर्य प्रशासन में अध्यक्षों को विभिन्न विभागों के अधीक्षकों के रूप में उल्लिखित किया था?

(a) कौटिल्य (b) प्लिनी
(c) मेगस्थनीज (d) स्ट्रैबो

RRB NTPC 01.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : चाणक्य/विष्णुगुप्त/ कौटिल्य मौर्य सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य के प्रधानमंत्री थे। ये तक्षशिला विश्वविद्यालय में आचार्य थे। इनके द्वारा रचित पुस्तक 'अर्थशास्त्र' राजनीति, अर्थनीति आदि का महान ग्रन्थ है। इसी पुस्तक में कौटिल्य ने मौर्य प्रशासन में अध्यक्षों को विभिन्न विभागों के अधीक्षक के रूप में उल्लिखित किया है। 'इंडिका' मेगस्थनीज द्वारा रचित पुस्तक है। इसका सम्बन्ध भी मौर्य काल से है।

105. अशोक के किस शिलालेख में कलिंग युद्ध में अशोक की विजय का उल्लेख किया गया है?

(a) तेरहवें (b) चौथे
(c) पहले (d) दसवें

RRB NTPC 05.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : अशोक के तेरहवें शिलालेख से कलिंग युद्ध के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है। कलिंग युद्ध में हुए नरसंहार से विचलित होकर अशोक ने युद्ध नीति को सदा के लिए त्याग दिया।

106. सम्राट अशोक किसके उत्तराधिकारी थे?

(a) चंद्रगुप्त मौर्य (b) बिन्दुसार
(c) सुशीम (d) दशरथ

RRB NTPC 28.03.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (b) सम्राट अशोक बिन्दुसार के उत्तराधिकारी थे। सुशीम मौर्य शासक बिन्दुसार का ज्येष्ठ पुत्र तथा अशोक का सौतेला भाई था।

107. अशोक महान,.....से संबंधित थे।

(a) गुप्त वंश (b) चोल वंश
(c) मौर्य वंश (d) शुंग वंश

RRB NTPC 17.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : अशोक महान मौर्य वंश से संबंधित थे।

108. महान सम्राट अशोक किस वंश के थे?

(a) मौर्य वंश (b) मुगल वंश
(c) गुप्त वंश (d) चोल वंश

RRB NTPC 02.04.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

109. किस राजा की कहानी, मुद्राराक्षस (Mudrarakshasa) नाटक का विषय है?

(a) जयचन्द (b) चन्द्रगुप्त II
(c) चन्द्रपीड़ (d) चन्द्रगुप्त मौर्य

RRB NTPC 12.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (d) मुद्राराक्षस की रचना विशाखदत्त ने की थी। इस ग्रन्थ से मौर्य इतिहास, मुख्यत: चन्द्रगुप्त मौर्य के जीवन पर प्रकाश पड़ता है। इसमें चन्द्रगुप्त मौर्य को 'वृषल' तथा 'कुलहीन' कहा गया है।

110. मौर्य वंश को किस वंश ने समाप्त किया?

(a) शुंग (b) गुप्त (c) शिशुनाग (d) चोल

RRB NTPC 12.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (a) मौर्य वंश के अंतिम शासक बृहद्रथ की हत्या इसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने 185 ई.पू. में कर दी और मगध पर शुंग वंश की स्थापना की। इस वंश का शासन उत्तर भारत में 187 ई. पू. से 75 ई.पू. तक यानि 112 वर्ष तक रहा था। पुष्यमित्र शुंग इस राजवंश का प्रथम शासक था।

111. मौर्य वंश का अंतिम सम्राट कौन था?

(a) चंद्रगुप्त (b) अशोक
(c) बृहद्रथ (d) शतधन्वन

RRB NTPC 02.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. मौर्योत्तर काल (Post-Mauryan Period)

112. किस मूल भारतीय राजवंश ने अपने शासकों के चित्र वाले सिक्के जारी किए थे ?

(a) पेशवा वंश (b) राष्ट्रकूट वंश
(c) सातवाहन वंश (d) पांड्य वंश

RRB NTPC 08.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : सातवाहन राजवंश ने अपने शासकों के चित्र वाले सिक्के जारी किये। सातवाहन शासकों द्वारा सर्वप्रथम सीसे के सिक्के जारी किये गये। इसके अतिरिक्त उन्होंने चाँदी, ताँबा, कॉसा पोटीन आदि के सिक्के भी चलाए। सातवाहन वंश की स्थापना सिमुक ने की थी। सातवाहन शासकों ने अपनी राजधानी 'प्रतिष्ठान' में स्थापित की।

113. दिए गए विकल्पों में से कौन सा कथन सही नहीं है?
(a) बौद्ध धर्मग्रंथ पाली भाषा में लिखे गये थे।
(b) गौतम बुद्ध का जन्म स्थान नेपाल में स्थित है।
(c) उपगुप्त ने अशोक को बौद्ध धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया।
(d) चरक गौतम बुद्ध के निजी चिकित्सक थे।

RRB NTPC 17.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : जीवक बुद्ध के निजी चिकित्सक थे। चरक गौतम बुद्ध के निजी चिकित्सक नही थे, बल्कि कुषाण शासक कनिष्क के राजवैद्य थे। इनके द्वारा रचित 'चरक संहिता' एक प्रसिद्ध आयुर्वेद ग्रंथ है। जबकि बौद्ध धर्मग्रंथ पालि भाषा में लिखे गये थे। गौतम बुद्ध का जन्म स्थान नेपाल (लुम्बिनी) में स्थित है और उपगुप्त ने अशोक को बौद्ध धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया, ये सभी कथन सत्य है।

10. गुप्त एवं गुप्तोत्तर साम्राज्य (Gupta and Post-Gupta Empire)

114. प्रयाग प्रशस्ति (जिसे इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख के रूप में भी जाना जाता है) हमें _____ की उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान करता है।
(a) श्रीगुप्त (b) अशोक
(c) चंद्रगुप्त-प्रथम (d) समुद्रगुप्त

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-III)

Ans. (d) : प्रयाग प्रशस्ति से हमें गुप्त शासक समुद्रगुप्त के बारे में जानकारी मिलती है। यह समुद्रगुप्त के दरबारी कवि हरिषेण द्वारा रचित है, इसमें उन राज्यों का वर्णन है, जिन पर समुद्रगुप्त ने विजय प्राप्त की थी। इसे इलाहाबाद स्तम्भ लेख के रूप में भी जाना जाता है। इस प्रशस्ति को मूल रूप से कौशाम्बी में अशोक के स्तम्भ पर उकेरा गया था। अकबर के समय जहाँगीर इसे इलाहाबाद में स्थापित करवाया था। इस प्रशस्ति की भाषा संस्कृत तथा शैली चम्पू है। इसमें कुल 33 पंक्तियाँ हैं।

115. हर्षवर्धन, निम्नलिखित में से किस वंश से संबंधित था?
(a) पुष्यभूति वंश (b) चालुक्य वंश
(c) मौर्य वंश (d) गुप्त वंश

RRB NTPC (Stage-2) 12/06/2022 (Shift-II)

Ans. (a) : सम्राट हर्षवर्धन (606-647ई) उत्तर भारत में सातवीं शताब्दी के शक्तिशाली राज्य थानेश्वर के पुष्यभूति वंशी शासक प्रभाकरवर्धन का पुत्र था। इसने कन्नौज को अपनी राजधानी बनाई तथा सम्राट हर्ष ने 'रत्नावली', 'प्रियदर्शिका' और 'नागानंद' नामक नाटकों की रचना की।

116. रविकीर्ति का ऐहोल शिलालेख, पुलेकिशन द्वितीय की --- पर विजय के बारे में विस्तार से वर्णन करता है।
(a) कीर्तिवर्मन् प्रथम (b) खारवेल
(c) समुद्रगुप्त (d) हर्ष

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : ऐहोल शिलालेख रविकीर्ति द्वारा लिखा गया था जो पुलकेशिन द्वितीय के शासनकाल में एक जैन कवि था। रविकीर्ति का ऐहोल शिलालेख, पुलकेशिन द्वितीय की हर्ष पर विजय के बारे में विस्तार से वर्णन करता है। ऐहोल शिलालेख कर्नाटक में स्थित है।

117. निम्न में से कौन हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था ?
(a) जुआन जांग (ह्वेन सांग)
(b) फ़ाहियान
(c) इब्न बतूता (अबू अब्दुल्ला मुहम्मद इब्न बतूता)
(d) मार्को पोलो

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) :

शासकों का शासनकाल	-	**राजदूत (विदेशी यात्री)**
हर्षवर्धन	-	ह्वेनसाँग
चन्द्रगुप्त द्वितीय	-	फ़ाहियान
मो. बिन तुगलक	-	इब्नबतूता
महमूद गजनवी	-	अलबरूनी
मारवर्मन कुलशेखर	-	मार्कोपोलो

118. उस महान व्यक्ति का नाम बताएं, जिसने भारत में बीजगणित के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान किया?
(a) चरक (b) ब्रह्मगुप्त
(c) वराहमिहिर (d) आर्यभट्ट

RRB NTPC 07.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : आर्यभट्ट प्राचीन भारत के एक महान ज्योतिषविद् और गणितज्ञ थे। जिन्होने बीजगणित के क्षेत्र मे महत्वपूर्ण योगदान दिया था। आर्यभट्ट का जन्म पटना के कुसुमपुर में हुआ था।

[व्यक्ति]		**[कार्य क्षेत्र]**
(1) चरक	→	महर्षि और आयुर्वेद विशारद
(2) ब्रह्मगुप्त	→	भारतीय गणितज्ञ
(3) वराहमिहिर	→	भारतीय गणितज्ञ

119. इनमें से कौन राजा हर्षवर्धन के दरबारी कवि थे ?
(a) आनंद भट्ट (b) वल्लाल
(c) जयचंद्र (d) बाणभट्ट

RRB NTPC 07.03.2021 (Shift-I) Stage Ist
RRB NTPC 08.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : बाणभट्ट राजा हर्षवर्धन के दरबारी कवि थे। बाणभट्ट ने 'हर्षचरित' नामक पुस्तक की रचना की, जिसमें हर्षवर्धन के शासनकाल की जानकारी मिलती है। चीनी यात्री ह्वेनसांग हर्षवर्धन के शासन काल में भारत आया था। हर्षवर्धन स्वंय साहित्यकार था। प्रियदर्शिका, रत्नावली, नागानन्द की रचना हर्षवर्धन ने की थी।

120. चीनी यात्री ह्वेनसांग (Hiuen Tsang) किसके शासनकाल में भारत आया था।
(a) कीर्तिवर्मन (b) पुलकेशिन द्वितीय
(c) हर्षवर्धन (d) विक्रमादित्य

RRB NTPC 12.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : ह्वेनसांग, हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था। ह्वेनसांग 629 ई. में चीन से भारत के लिए प्रस्थान किया। भारत से वह 645 ई. में चीन लौट गया। वह नालंदा विश्वविद्यालय में अध्ययन करने तथा भारत से बौद्ध ग्रन्थों के संग्रह के लिए आया था। इसका भ्रमण वृत्तांत 'सी-यू-की' नाम से प्रसिद्ध है। ध्यातव्य है कि ह्वेनसांग के अध्ययन के समय नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य शीलभद्र थे।

121. इनमें से कौन हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था?
(a) फाहियान (b) अलबरुनी
(c) इत्सिंग (d) ह्वेनसांग

RRB NTPC 05.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

122. निम्नलिखित में से कौन चंद्रगुप्त द्वितीय के नौ रत्नों में से एक है?

(a) वराहमिहिर (b) मोगल्लना
(c) विशाखदत्त (d) ब्रह्मगुप्त

RRB NTPC 07.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : चन्द्रगुप्त द्वितीय को विक्रमादित्य के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने 375 से 415 ई. तक शासन किया। गुप्त साम्राज्य का यह समय भारत का स्वर्णिम युग भी कहा जाता है। चन्द्रगुप्त ने गुप्त संवत की शुरुआत की। साँची अभिलेख में उन्हें 'देवराज' कहा गया है। चन्द्रगुप्त के दरबार में नवरत्न निवास करते थे, जिनमें- कालिदास, वराहमिहिर, धन्वन्तरि, घटखर्पर, शंकु, अमर सिंह, वेताल भट्ट, क्षपणक, वररुचि थे।

123. इनमें से किसे 'भारत के नेपोलियन' के नाम से जाना जाता है?

(a) स्कंन्दगुप्त (b) समुद्रगुप्त
(c) चंद्रगुप्त (d) कुमारगुप्त

RRB NTPC 13.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : समुद्रगुप्त- वह चन्द्रगुप्त प्रथम का पुत्र था। वह गुप्त वंश का एक महान योद्धा तथा कुशल सेनापति था। समुद्रगुप्त की विजयों के कारण इतिहासकार विंसेंट स्मिथ ने अपनी पुस्तक 'अर्ली हिस्ट्री ऑफ इण्डिया' में समुद्रगुप्त को 'भारत का नेपोलियन' कहा था।
उपाधियाँ- पराक्रमांक, अप्रतिरथ, सर्वराजोच्छेता, लिच्छवी दौहित्र आदि समुद्रगुप्त की उपाधियां हैं।

124. प्राचीन भारतीय इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण शासकों में से एक, चंद्रगुप्त द्वितीय की पुत्री का नाम बताएं।

(a) लोपामुद्रा (b) रुद्रमा देवी
(c) पार्वती गुप्त (d) प्रभावती गुप्त

RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : चन्द्रगुप्त द्वितीय (375-415 ई.) गुप्त वंश का शक्तिशाली शासक था। इसने वैवाहिक संबंध और विजय दोनों तरह से साम्राज्य की सीमा का विस्तार किया। अपनी वैवाहिक नीति को इसने दो पड़ोसी राज्य नागाओं और वाकाटक के खिलाफ निर्देशित किया। इन दो शक्तियों को जीतना चन्द्रगुप्त द्वितीय के लिए बहुत आवश्यक था ताकि शक क्षत्रपों को वश में किया जा सकें। सबसे पहले चन्द्रगुप्त ने नाग राजकुमारी कुबेरनागा से शादी की और इनकों मित्र बनाया तथा चन्द्रगुप्त अपनी बेटी प्रभावती गुप्त का विवाह महाराष्ट्र के वाकाटक शासक रुद्रसेन द्वितीय से किया। इस तरह वह महाराष्ट्र और मध्य भारत में अपनी शक्ति को मजबूत किया।

125. विक्रमादित्य किस प्रसिद्ध गुप्त शासक का एक अन्य नाम है?

(a) कुमार गुप्त द्वितीय (b) चंद्र गुप्त प्रथम
(c) चन्द्रगुप्त द्वितीय (d) राम गुप्त

RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : चन्द्रगुप्त द्वितीय जिनको संस्कृत में विक्रमादित्य या चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के नाम से जाना जाता है, गुप्त वंश के एक शक्तिशाली सम्राट थे। चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य), समुद्रगुप्त के उत्तराधिकारी थे। इनके शासन काल में चीनी बौद्ध यात्री फाह्यान भारत आया।

126. सुप्रसिद्ध काव्य 'मेघदूत' इनमें से किसकी कृति है?

(a) सत्तनार (b) प्रेमचंद
(c) कालिदास (d) इलांगो

RRB NTPC 05.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : कालिदास तीसरी-चौथी शताब्दी में गुप्त साम्राज्य में संस्कृत भाषा के महान कवि और नाटककार थे। अभिज्ञानशाकुंतलम् कालिदास का एक प्रसिद्ध नाटक है। कालिदास की प्रमुख कृतियाँ निम्न हैं-
नाटक - अभिज्ञानशाकुन्तलम्, विक्रमोर्वशीयम, मालविकॉग्निमित्रम्
महाकाव्य - रघुवंशम् और कुमारसंभवम्
खण्डकाव्य - मेघदूतम् और ऋतुसंहारम्

127. प्रशस्ति में किस राजवंश के शासकों ने अपनी उपलब्धियाँ लिखी?

(a) राजपूत वंश (b) गुप्त वंश
(c) मुगल वंश (d) खिलजी वंश

RRB NTPC 08.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : गुप्त वंश के अन्तर्गत शासकों ने प्रशस्ति में अपनी उपलब्धियाँ लिखवायी थी। प्रशस्ति अपने शासकों की प्रशंसा में कवियों द्वारा रचित शिलालेखों की एक भारतीय शैली है। प्रशस्ति का सबसे पहला प्रसिद्ध उदाहरण खारवेल का हाथीगुम्फा शिलालेख है जो प्राकृत भाषा और ब्राह्मी लिपि में लगभग पहली शताब्दी ईसा पूर्व में लिखा हुआ माना जाता है।

128. गुप्त साम्राज्य के निम्नलिखित राजाओं में से कौन एक अच्छा वीणावादक भी था?

(a) चंद्रगुप्त विक्रमादित्य (b) समुद्रगुप्त
(c) कुमारगुप्त (d) चंद्रगुप्त प्रथम

RRB NTPC 01.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : चन्द्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी समुद्रगुप्त हुआ, समुद्र गुप्त को गुप्त वंश का महानतम शासक एवं एक अच्छा वीणावादक के रूप में भी जाना जाता है। इसने आर्यावर्त के 9 शासकों और दक्षिणावर्त के 12 शासकों को पराजित किया। इन्हीं विजयों के कारण इसे भारत का नेपोलियन कहा जाता है। समुद्रगुप्त विष्णु का उपासक था, और इसे संगीत-प्रेमी भी कहा गया। ऐसा अनुमान उसके सिक्कों पर उसे वीणा-वादन करते हुए दिखाया जाने से लगाया गया है।

129. किस युग को प्राचीन भारत का स्वर्ण युग कहा जाता है?

(a) मौर्य साम्राज्य, तीसरी शताब्दी
(b) चोल साम्राज्य, तीसरी शताब्दी
(c) गुप्त साम्राज्य, चौथी शताब्दी
(d) कुषाण साम्राज्य, पहली शताब्दी

RRB NTPC 17.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग माना जाता है। इसे भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार, धार्मिक सहिष्णुता, आर्थिक समृद्धि तथा शासन व्यवस्था की स्थापना काल के रूप में जाना जाता है।

- मूर्तिकला के क्षेत्र में देखें तो गुप्तकाल में भरहुत अमरावती, सांची तथा मथुरा इस काल की प्रसिद्ध मूर्तियों के निर्माण का काल था।
- चित्रकारी के क्षेत्र में अजन्ता, एलोरा तथा बाघ की गुफाओं में की गई चित्रकारी है।
- विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में आर्यभट्ट जहाँ पृथ्वी की त्रिज्या की गणना की और सूर्य-केन्द्रित ब्रह्माण्ड का सिद्धान्त दिया वही दूसरी ओर वराहमिहिर ने चन्द्र कैलेण्डर की शुरुआत की।

130. किस काल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग कहा गया है?

(a) मगध काल (b) मुगल काल
(c) मौर्य काल (d) गुप्त काल

RRB NTPC 30.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

131. नालंदा विश्वविद्यालय को विश्व के महान प्राचीन विश्वविद्यालयों में से एक तथा महत्वपूर्ण बौद्ध शैक्षणिक उत्कृष्टता केंद्र माना जाता हैं। इसकी स्थापना किस भारतीय शासक ने की थी ?

(a) हर्ष वर्धन (b) चन्द्रगुप्त मौर्य
(c) कुमारगुप्त प्रथम (d) अशोक

RRB NTPC 28.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : नालंदा विश्वविद्यालय को विश्व के महान प्राचीन विश्वविद्यालयों में से एक महत्वपूर्ण केन्द्र माना जाता है। इसकी स्थापना गुप्तवंश के शासक कुमारगुप्त-I (415-455 ई. पू.) ने बिहार राज्य के नालंदा जिले में करवाया था। महायान बौद्ध धर्म के इस विश्वविद्यालय में हीनयान बौद्ध के साथ अन्य धर्मों की शिक्षा दी जाती थी। ह्वेनसांग के समय नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति शीलभद्र थे। 1193 ई. में तुर्क सेनापति बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय को नष्ट कर दिया था।

132. चंद्रगुप्त प्रथम के बाद गुप्त साम्राज्य की बागडोर किसने संभाली ?

(a) ब्रह्मगुप्त (b) समुद्रगुप्त
(c) शूद्रक (d) श्री गुप्त

RRB NTPC 25.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : चंद्रगुप्त प्रथम के बाद गुप्त साम्राज्य की बागडोर समुद्रगुप्त ने संभाली। समुद्रगुप्त, गुप्त राजवंश के चौथे शासक थे।

133. गुप्त साम्राज्य के वास्तविक संस्थापक कौन थे?

(a) चंद्रगुप्त II (b) समुद्रगुप्त
(c) श्री गुप्त (d) घटोत्कच

RRB NTPC Stage Ist 28.04.2016 (Shift-II)

Ans : (c) गुप्त वंश का संस्थापक श्रीगुप्त था, जिसने महाराज की उपाधि धारण की थी। श्रीगुप्त के बाद उसका पुत्र 'घटोत्कच' गुप्त वंश का शासक बना। इसके बाद चंद्रगुप्त प्रथम राजा बना, जो गुप्त वंश का शक्तिशाली शासक था। चन्द्रगुप्त प्रथम को ही गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।

134. गुप्त काल के दौरान चीन के किस यात्री ने भारत का भ्रमण किया था?

(a) हियुन सैंग (b) फाहियान
(c) आई चिंग (d) ली क्सियु

RRB NTPC 16.04.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (b) गुप्तकाल के दौरान चीनी यात्री फाह्यान भारत आया था। वह चन्द्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में आया था। फाह्यान की भारत यात्रा का उद्देश्य बौद्ध हस्तलिपियों एवं बौद्ध स्मृतियों को खोजना था इसलिए फाह्यान ने उन्हीं स्थानों के भ्रमण को महत्व दिया जो बौद्ध धर्म से सम्बन्धित थे।

11. दक्षिण भारतीय राजवंश (चोल/चालुक्य/पल्लव/संगम) [South Indian Dynasties (Chola/ Chalukya/Pallava/Sangama)]

135. चोल शिलालेख से उल्लिखित गुरुकुल के अनुरक्षण हेतु प्रदान की गई भूमि को ..... कहा जाता था।

(a) ब्रह्मदेय (b) वेल्लनवगाई
(c) पल्लिच्चंदम (d) शालाभोग

RRB NTPC 26.07.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : चोल शिलालेख में उल्लिखित गुरुकुल के अनुरक्षण हेतु प्रदान की गयी भूमि को शालाभोग कहा जाता था। ब्रह्मदेय, ब्राह्मणों को उपहार दी गयी भूमि थी। वही वेल्लनवगाई गैर ब्राह्मणों व किसानों को प्रदान की गयी भूमि थी। पल्लिच्चंदम, जैन संस्थाओं को प्रदान की गयी भूमि थी।

136. _____होयसल (Hoysala) साम्राज्य की राजधानी थी।

(a) देवगिरि (b) द्वारसमुद्र
(c) मैसूर (d) कल्याणी

RRB NTPC 10.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : होयसल यादवों के वंशज थे तथा ये चोल या पश्चिमी चालुक्यों के सामन्त थे। ये कर्नाटक के एक छोटे से भाग पर शासन करते थे। होयसल वंश की स्थापना विष्णुवर्धन ने की थी। इनकी राजधानी द्वारसमुद्र थी।

137. दिए गए विकल्पों में से, किस राजवंश ने दक्षिण पूर्व एशिया में शिपिंग उद्यम स्थापित किए?

(a) चालुक्य वंश (b) गुप्त वंश
(c) चेर वंश (d) चोल वंश

RRB NTPC 08.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : चोल राजवंश पेन्नार और कावेरी नदियों के बीच पूर्वी समुद्र तट पर स्थित था। इस राजवंश की स्थापना विजयालय (850-887) ने की थी। चोलकालीन प्रमुख बन्दरगाह महाबलिपुरम्, कावेरी पत्तनम्, शालियूर, कोरकई आदि थे।

138. राजा सिंह विष्णु _____ वंश के शासक थे।

(a) चोल (b) पल्लव
(c) पाल (d) चालुक्य

RRB NTPC 26.07.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : राजा सिंहविष्णु (575-600 ई.) पल्लव वंश के शासक थे। सातवाहनों के ध्वंसावशेषों पर निर्मित होने वाले पल्लव वंश की स्थापना इन्होंने ही की थी। सातवाहन साम्राज्य के दक्षिण-पूर्वी भाग में शासन करने वाले पल्लवों की राजधानी कांचीपुरम (तमिलनाडु) थी। उल्लेखनीय है कि संस्कृत भाषा के प्रसिद्ध कवि व 'किरातार्जुनीयम' के रचयिता भारवि सिंहविष्णु के दरबार में रहते थे।

139. पुलकेशिन प्रथम और पुलकेशिन द्वितीय नामक शासक _____ से संबंधित थें।

(a) चोल वंश (b) चालुक्य वंश
(c) कुषाण वंश (d) मगध वंश

RRB NTPC 23.07.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : वातापी के चालुक्य वंश की स्थापना राजा जयसिंह ने की थी। इसकी राजधानी वातापी (बीजापुर के निकट) थी। इस वंश के प्रमुख शासक थे-पुलकेशिन प्रथम, कीर्तिवर्मन, पुलकेशिन द्वितीय, विक्रमादित्य, विनयादित्य एवं विजयादित्य। इन सब में से सबसे प्रतापी राजा पुलकेशिन द्वितीय था। पुलकेशिन द्वितीय ने हर्षवर्धन को हराकर परमेश्वर की उपाधि धारण की थी। इसने दक्षिणा पथेश्वर की उपाधि धारण की थी। वातापी के चालुक्य वंश का अंतिम राजा कीर्तिवर्मन द्वितीय था जिसे दन्तिदुर्ग ने परास्त कर राष्ट्रकूट वंश की स्थापना की थी।

140. पुलकेशिन द्वितीय किस राजवंश का सर्वाधिक प्रख्यात शासक था?

(a) चालुक्य (b) काकतीय
(c) पांड्य (d) होयसल

RRB NTPC 06.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : पुलकेशिन द्वितीय वातापी के चालुक्य वंश का प्रतापी शासक था। यह कीर्ति वर्मन प्रथम का पुत्र था। पुलकेशिन-II के युद्ध एव विजयों के विषयों में जानकारी ऐहोल अभिलेख से मिलती है। इसकी रचना उसके समकालीन कवि रविकीर्ति ने की थी। पुलकेशिन द्वितीय ने हर्षवर्धन को नर्मदा नदी के तट पर हराकर सम्पूर्ण दक्षिण भारत को अपने नियंत्रण में कर लिया। हर्षवर्धन को पराजित करने के पश्चात पुलकेशिन द्वितीय ने अपना दूसरा नाम परमेश्वर रखा। लोहनेर अभिलेख में पुलकेशिन द्वितीय को 'पूरब एवं पश्चिमी पयोधि का स्वामी' कहा गया है। इसी अभिलेख में इसे परमभागवत् कहा गया है।

141. पूर्व चोल राजाओं में से किसे सबसे महान माना जाता है?

(a) पुलकेशीन II (b) राजसिम्हा
(c) करिकाल (d) नन्दीवर्मन

RRB NTPC 16.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (c) चोलों की प्रारम्भिक राजधानी 'उत्तरी मनलूर' थी, बाद में उरैयुर एवं तंजावूर बनी। संगम कालीन तीनों राज्यों में सर्वप्रथम चोलों का अभ्युदय हुआ। इस वंश का सबसे प्रतापी शासक करिकाल (करीकला) था, जिसने वण्णि के युद्ध में पांड्य तथा चेर सहित 11 राजाओं को हराया। करिकाल ने कावेरी नदी के तट पर पुहार पत्तन (कावेरीपत्तनम) नामक नगर की स्थापना की। चोलों का प्रमुख बंदरगाह कावेरीपत्तनम तथा राजकीय चिन्ह बाघ था।

142. पल्लव वंश के कौन से राजा संस्कृत नाटक भी लिखा करते थे?

(a) राजा राज चोल (b) महेंद्रवर्मन
(c) राजसिम्हा (d) विक्रमादित्य

RRB NTPC 16.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (b) पल्लव वंश के राजा महेन्द्रवर्मन-I (600-630 ई.) के समय में पल्लव साम्राज्य न केवल राजनीतिक दृष्टि से बल्कि सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं कलात्मक दृष्टि से भी अपने चरमोत्कर्ष पर था। महेन्द्रवर्मन- I ने 'मत्तविलासप्रहसन' तथा ''भगवद्ज्जुकीयम'' जैसे महत्वपूर्ण ग्रन्थों की रचना की तथा संस्कृत में भी कई नाटक लिखे।

143. किस चालुक्य राजा ने कन्नौज के राजा हर्ष को पराजित किया था?

(a) सिद्धराज सोलंकी (b) वास्तुपाल
(c) पुलकेशिन II (d) मुलराज

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (c) कन्नौज के राजा हर्ष को बादामी के चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय ने नर्मदा नदी के तट पर हराया था। दोनों राजाओं की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं ने संघर्ष को अनिवार्य बना दिया।

144. चोल राजवंश के अंतिम शासक कौन थे?

(a) राजाराज चोल II (b) राजेन्द्र चोल III
(c) विजयालय चोल (d) कुलोतुंग चोल III

RRB NTPC Stage Ist 28.04.2016 (Shift-III)

Ans : (b) चोल वंश का अंतिम शासक अधिराजन या राजेन्द्र चोल III था। विजयालय ने 850 ई. में चोल वंश की स्थापना की जिसकी राजधानी तंजौर थी। यह राज्य पेन्नार एवं कावेरी नदियों के बीच पूर्वी तट पर अवस्थित था।

145. कौन से चोल राजा (Chola King) ने मालदीव के द्वीपों पर दरियाई विजय पाई थी ?

(a) करीकाला (b) राजाराज
(c) महेन्द्र (d) विक्रम

RRB NTPC 07.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (b) राजराज ने मालदीव के द्वीपों पर दरियाई विजय प्राप्त की थी। इसकी अन्य विजय केरल, पांड्य, सिंहल एवं पश्चिमी गंग थी। राजराज की प्रथम विजय केरल थी जबकि अंतिम विजय मालदीव था।

146. प्रारम्भिक चेर वंशीय (Chera Dynasty) राजाओं ने किन राज्यों पर शासन किया था?

(a) तमिलनाडु और केरल
(b) बंगाल और उड़ीसा
(c) अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम
(d) महाराष्ट्र और गुजरात

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (a) प्रारंभिक चेर वंश के राजाओं ने तमिलनाडु और केरल राज्यों पर शासन किया था। चेरों का शासनकाल संगम साहित्य युग के पूर्व आरम्भ हुआ था, उसमें आधुनिक त्रावणकोर, कोचीन, मालाबार, कोयंबटूर और सलेम (दक्षिणी) जिलों के प्रदेश सम्मिलित थे।

147. किस भारतीय राजा ने पूर्व-एशिया के कुछ हिस्सों को जीतने के लिए नौसैनिक शक्ति का इस्तेमाल किया था?

(a) अकबर (b) कृष्णदेव
(c) राजेन्द्र चोल (d) शिवाजी

RRB NTPC 29.03.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (c) भारतीय राजा राजेन्द्र चोल ने दक्षिण पूर्व एशिया को जीतने के लिए नौसैनिक शक्ति का इस्तेमाल किया। भारत के इतिहास में केवल चोल वंश ही है, जिसने नौसेना पर अधिक ध्यान दिया। इसने गंगईकोण्ड की उपाधि धारण की थी।

12. सीमावर्ती राजवंश (Borderline Dynasties)

148. 9वीं शताब्दी में स्थापित प्रसिद्ध विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना किसने कराई थी?

(a) सामंत सेन (b) बल्लाल सेन
(c) धर्मपाल (d) गोपाल

RRB NTPC 09.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : पालवंश का संस्थापक गोपाल (750 ई.) था। पाल शासक बौद्ध धर्म के अनुयायी थे। गोपाल ओदन्तपुरी में एक मठ का निर्माण करवाया था। पालवंश का सबसे महान शासक धर्मपाल था जिसने विक्रमशिला विश्वविद्यालय (भागलपुर, बिहार) की स्थापना की थी। धर्मपाल ने सर्वप्रथम पालवंश की ओर से त्रिपक्षीय संघर्ष में हिस्सा लिया था।

149. इनमें से कौन सा राजवंश दक्षिण भारत से संबद्ध नहीं है?

(a) पाण्ड्य (b) पाल
(c) सातवाहन (d) पहल्लव

RRB NTPC Stage Ist 19.01.2017 (Shift-I)

Ans : (b) पाण्ड्य, सातवाहन तथा पहल्लव वंश दक्षिण भारत के प्रसिद्ध राजवंश है, जबकि पाल वंश की स्थापना बंगाल में गोपाल ने की। पाल वंश की राजधानी मुंगेर थी। पाल वंश का द्वितीय शासक धर्मपाल (770–810 ई.) हुआ, जिसके काल में त्रिपक्षीय संघर्ष की शुरूआत हुई। इसने विक्रमशिला विश्वविद्यालय एवं सोमपुर महाविहार की स्थापना की तथा नालन्दा विश्वविद्यालय का जीर्णोद्धार कराया। इसका उत्तराधिकारी देवपाल हुआ। इसी के काल में जावा के शैलेन्द्र शासक बालपुत्रदेव ने नालन्दा में बौद्ध बिहार बनवाया। पाल वंश का अंतिम शासक रामपाल हुआ।

13. प्राचीनकालीन साहित्य एवं साहित्यकार (Ancient Literature and Litterateur)

150. गुणाढ्य का/की----पैशाची भाषा में लिखित है।
(a) मृच्छकटिकम (b) पंचतंत्र
(c) कथासरित्सागर (d) बृहत्कथा
RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-II)

Ans. (d) : प्राचीन साहित्य के कथाकारों में गुणाढ्य बहुत प्रसिद्ध है। वह सातवाहन नरेश 'हाल' के दरबार में निवास करता था। इन्होंने ही पैशाची भाषा में 'बृहत्कथा' की रचना की थी।
मृच्छकटिकम के लेखक शूद्रक है यह संस्कृत भाषा में लिखित नाट्य साहित्य है। पंचतंत्र के लेखक विष्णुशर्मा तथा कथासरित्सागर के लेखक महाकवि सोमदेव भट्ट हैं।

151. _____ द्वारा रचित नागानंद, एक संस्कृत नाटक है, जिसमे नागों को बचाने के लिए विद्याधर राजा जिमुतवाहन के आत्म-बलिदान की लोकप्रिय गाथा का वर्णन है।
(a) अशोक (b) हर्ष
(c) चंद्र गुप्त प्रथम (d) बिंदुसार
RRB NTPC (Stage-2) 14/06/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : हर्षवर्धन (606–647 ई0) कन्नौज का प्रतापी सम्राट था। वह साहित्य व कला का पोषक था। उसने संस्कृत में तीन नाटकों की रचना की – रत्नावली, नागानन्द तथा प्रियदर्शिका। नागानन्द में नागों को बचाने के लिए विद्याधर राजा जीमुतवाहन के आत्म-बलिदान की लोकप्रिय गाथा का वर्णन किया गया है।

152. निम्न में से उस विकल्प का चयन करें, जो कालिदास के 'विक्रमोर्वशीयम' नाटक में वर्णित है।
(a) मालविका के लिए राजा अग्निमित्र का प्रेम
(b) नल और दमयंती की कथा
(c) दुष्यंत और शकुंतला की कथा
(d) पुरुरवा और उर्वशी की प्रेम-कथा
RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : विक्रमोर्वशीयम कालिदास का प्रसिद्ध नाटक है। इसमें राजा पुरूरवा तथा अप्सरा उर्वशी की प्रणय कथा वर्णित है। विक्रमोर्वशीयम में शृंगार रस की प्रधानता है। इसकी कथा ऋग्वेद तथा शतपथ ब्राह्मण से ली गयी है। महाकवि कालिदास ने विक्रमोर्वशीयम नाटक को मानवीय प्रेम की अत्यन्त मधुर एवं सुकुमार कहानी में परिणत किया है। कालीदास ने अपने इस नाटक का दृश्यांकन झूँसी (प्राचीन प्रतिष्ठानपुर) में किया था।

153. इनमें से कौन से प्रचीन यूनानी इतिहासकार और राजनयिक 'इंडिका (Indica)' नामक पुस्तक के लेखक हैं?
(a) मेगस्थनीज (b) सेल्यूकस
(c) डाइमेंकस (d) डायोनिसियस
RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) :

पुस्तक	लेखक
इण्डिका	मेगस्थनीज
सी-यू-की	ह्वेनसाँग
किताब-उल-हिन्द	अलबरूनी
किताब-ए-रेहला	इब्न-बतूता

154. भारतीय महाकाव्य महाभारत (व्यास कृत) के अठारह पर्वों में से छठा पर्व कौन सा है, जिसमें व्यापक रूप से भगवद्गीता का वर्णन है?
(a) भीष्म पर्व (b) विराट पर्व
(c) सभा पर्व (d) आदि पर्व
RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : महाभारत के भीष्म पर्व में श्रीमद् भगवद्गीता का वर्णन है। भीष्म पर्व के अंतर्गत महाभारत में चार उपपर्व एवं 122 अध्याय हैं। इन उपपर्व के नाम जंबूखण्ड विनिर्माण पर्व, भूमि पर्व, श्रीमद् भगवद्गीता पर्व एवं भीष्म वध पर्व है।

155. राजकुमारी रत्नावली की प्रेम कहानी के संबंध में संस्कृत नाटक 'रत्नावली'_____द्वारा लिखित माना जाता है।
(a) विशाखदत्त (b) कालिदास
(c) हर्ष (d) भवभूति
RRB NTPC (Stage-2) 12/06/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : हर्ष ने रत्नावली, प्रियदर्शिका एवं नागानंद नाटक की रचना की। चीनी बौद्ध यात्री ह्वेनसांग ने अपने लेखन में राजा हर्षवर्धन के कार्यों की सहाहना की।

156. कालिदास ने मेघदूत नामक अपने काव्य को निम्नलिखित में से किस भाषा में लिखा था?
(a) पाली (b) प्राकृत
(c) हिन्दी (d) संस्कृत
RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-II)

Ans. (d) : कालिदास, तीसरी व चौथी शताब्दी में संस्कृत भाषा के महान कवि व नाटककार थे। इन्होंने अपनी सभी कृतियाँ संस्कृत भाषा में लिखी है, जिनमें 'मेघदूत' नामक काव्य उनकी सर्वश्रेष्ठ रचना है। यह एक गीतिकाव्य है, जिसमें यक्ष द्वारा मेघ से सन्देश ले जाने की प्रार्थना और उसे दूत बनाकर अपनी प्रिया के पास भेजने का वर्णन है।

157. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना, कालिदास की नहीं है?
(a) विक्रमोर्वशीयम (b) रघुवंशम
(c) नीतिसार (d) अभिज्ञान शाकुंतलम
RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : कालिदास संस्कृत भाषा के महान कवि व नाटककार थे। इन्होंने पौराणिक कथाओं तथा दर्शन को आधार बनाकर अनेक रचनाएँ की, जिनमें 'विक्रमोर्वशीयम्', 'रघुवंशम्' व 'अभिज्ञान शाकुंतलम' प्रमुख हैं।
नीतिसार राज्य शास्त्र का एक संस्कृत ग्रंथ है, इसके रचयिता कामंदक है।

158. विविध विषयों पर जानकारी के संग्रह वृहत संहिता को किसके द्वारा लिखा गया है?
(a) वराहमिहिर (b) कल्हण
(c) चरक (d) नागार्जुन
RRB NTPC 08.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : वराहमिहिर गुप्त सम्राट 'चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य' के नवरत्नों में एक थे तथा प्रसिद्ध गणितज्ञ एवं खगोलज्ञ थें। इन्होनें तीन महत्वपूर्ण पुस्तकें वृहज्जातक, वृहत संहिता और पंचसिद्धांतिका को लिखी थी। इसमें वृहतसंहिता मानव रूचि के विविध विषयों पर लिखी गई पुस्तक है तथा खगोलशास्त्र, ग्रहों की गति ,ग्रहण, वर्षा, बादल, वास्तुशास्त्र, पारिवारिक संबंध, रत्न, मोती एवं कर्मकांडों आदि विविध विषयों का वर्णन है।

कल्हण	राजतरंगिणी के रचयिता
चरक	चरक संहिता के रचयिता
बाणभट्ट	कादम्बरी के रचयिता।

159. पाणिनी संस्कृत के प्रसिद्ध _____ थे।

(a) कवि (b) उपन्यासकार
(c) व्याकरणाचार्य (d) लेखक

RRB NTPC 08.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : पाणिनी प्राचीन भारत में संस्कृत भाषाविद्, व्याकरणविद् और श्रृद्धेय विद्वान थे। अष्टाध्यायी 5वीं शताब्दी ई. पू. में पाणिनी द्वारा लिखित संस्कृत व्याकरण है।

160. कालिदास द्वारा लिखे गए 'अभिज्ञान शाकुंतलम में शंकुतला का पुत्र कौन था?

(a) भरत (b) विक्रम
(c) प्रदयुम्न (d) अनिरुद्र

RRB NTPC 03.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : 'अभिज्ञान शाकुंतलम' नाटक के रचनाकार कालिदास है। इसमें शकुन्तला और राजा दुष्यन्त की प्रणय कथा का वर्णन सात अंको में किया गया है। शंकुतला का पुत्र भरत था। इनकी अन्य कृतियां मेघदूतम, रघुवंशम तथा ऋतुसंहार आदि है।

161. नाट्य शास्त्र–पुस्तक भारत के शास्त्रीय नृत्य पर किसके द्वारा लिखी गई थी?

(a) श्री वेदव्यास (b) श्री तुलसीदास
(c) भरत मुनि (d) कश्यप मुनि

RRB NTPC 07.04.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (c) नाटकों के संबंध में शास्त्रीय जानकारी को नाट्यशास्त्र

162. प्रसिद्ध तमिल महाकाव्य मणिमेकलई (Manimekalai) की रचना किसने की थी?

(a) इलांगो आदिगल (b) नाथकुतनार
(c) सतनार (d) त्रोतक्कदेवर

RRB NTPC 07.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : प्रसिद्ध तमिल महाकाव्य मणिमेकलई की रचना सीतलैसत्तनार द्वारा की गई। इसके द्वारा तत्कालीन संगम समाज और राजनीति के विषय में जानकारी मिलती है। जिसमें चेर, चोल, पाण्ड्य आदि का राजनीतिक विवरण मिलता है।

163. निम्नलिखित में से कौन-सी पुस्तक विष्णु शर्मा द्वारा लिखित है?

(a) अर्थशास्त्र (b) पंचतंत्र
(c) इंडिका (d) राजतरंगिणी

RRB NTPC 10.02.2021 (Shift-I) Stage Ist
RRB NTPC 03.04.2016 (Shift-I) Stage Ist
RRB NTPC 01.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) :

लेखक		पुस्तक
विष्णु शर्मा	—	पंचतंत्र
कौटिल्य	—	अर्थशास्त्र
मेगस्थनीज	—	इंडिका
कल्हण	—	राजतरंगिणी

164. 'मुद्राराक्षस' नाटक किसने लिखा था ?

(a) सोमदेव (b) विशाखादत्त
(c) कालीदास (d) बोधायन

RRB NTPC 27.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) :

लेखक	रचनायें
विशाखदत्त-	मुद्राराक्षस, देवीचन्द्रगुप्तम, राघवानन्दनाटकम्,
सोमदेव-	कथासरित्सागर
कालिदास-	रघुवंशम्, अभिज्ञानशाकुन्तम्, कुमारसम्भवम्
बोधायन-	शुल्व सूत्र, श्रौत सूत्र

165. 'महाभारत' नामक संस्कृत महाकाव्य के लेखक कौन थे?

(a) महर्षि वेद व्यास (b) महर्षि वाल्मीकि
(c) श्री कृष्ण (d) श्री सुखदेवजी

RRB NTPC 14.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : 'महाभारत' महर्षि वेद व्यास द्वारा रचित संस्कृत वाङ्मय का सबसे बड़ा ग्रन्थ हैं, जिसमें एक लाख श्लोक है। इसलिए इसे शतसाहस्त्री संहिता भी कहते हैं। महाभारत में मूलतः कौरवों और पाण्डवों का संघर्ष वर्णित है। **रामायण**, महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित एक दूसरा प्रमुख संस्कृत महाकाव्य है।

166. आर्यभट्टीयम नामक पुस्तक आर्यभट्ट ने किस भाषा में लिखी थी?

(a) तेलुगू (b) तमिल (c) हिंदी (d) संस्कृत

RRB NTPC 08.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : आर्यभट्टीयम नामक ग्रन्थ की रचना आर्यभट्ट ने की थी। यह संस्कृत भाषा में आर्या छंद में काव्यरूप में रचित गणित तथा खगोलशास्त्र का ग्रन्थ है। इसकी रचना पद्धति बहुत वैज्ञानिक है। इसमें चार अध्याओं में 121 श्लोक हैं।

167. प्राचीन संस्कृत ग्रंथ, अष्टाध्यायी के लेखक कौन हैं ?

(a) पतंजलि (b) पाणिनि
(c) अष्टावक्र (d) चरक

RRB NTPC 07.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : 'अष्टाध्यायी' (संस्कृत भाषा व्याकरण की प्रथम पुस्तक) के लेखक पाणिनि है। इसमें मौर्य काल के पहले का इतिहास तथा मौर्ययुगीन राजनीतिक अवस्था की जानकारी प्राप्त होती है। अष्टाध्यायी में कुल सूत्रों की संख्या लगभग 3996 है।

ग्रन्थ		लेखक
महाभाष्य	–	पतंजलि
नाट्यशास्त्र	–	भरतमुनि
चरक संहिता	–	चरक

168. 'सुश्रुत संहिता' किस विषय से संबंधित है ?

(a) ज्योतिष शास्त्र (b) चिकित्सा एंव शल्य-चिकित्सा
(c) गणित (d) धर्म एवं पुराण-शास्त्र

RRB NTPC 07.04.2021 (Shift-I) Stage Ist
RRB NTPC 11.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : सुश्रुत संहिता चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा (Surgery) से सम्बन्धित एक प्राचीन संस्कृत ग्रन्थ है। सुश्रुत को भारत में शल्य चिकित्सा का जनक माना जाता है और उन्होंने अपनी पुस्तक सुश्रुत संहिता में 120 प्रकार के उपकरणों और 300 प्रकार की सर्जिकल प्रक्रियाओं का वर्णन किया है।
भारत में आयुर्वेद से सम्बन्धित संहिता - चरक संहिता और अष्टांग संग्रह (मुख्य तौर पर औषधि ज्ञान से सम्बन्धित) है।

169. प्रसिद्ध संस्कृत नाटक 'स्वप्नवासवदत्तम' किसने लिखा था?

(a) जयदेव (b) कालिदास
(c) शूद्रक (d) भास

RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) :

कृति	कृतिकार
♦ स्वप्नवासवदत्तम्	भास
♦ मालविकाग्निमित्रम्	कालिदास
♦ मृच्छकटिकम्	शूद्रक
♦ नाट्यशास्त्र	भरतमुनि
♦ गीतगोविन्द और रसमंजरी	जयदेव

170. महाभारत का मूल नाम क्या है?

(a) भृगु संहिता (b) सुश्रुत संहिता
(c) जय संहिता (d) शिव संहिता

RRB NTPC 15.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : महाभारत का मूल नाम 'जयसंहिता' था, जिसे महर्षि कृष्णद्वैपायन वेदव्यास द्वारा लिखा गया। महाभारत का प्रारम्भिक उल्लेख 'आश्वलायन गृहसूत्र' में मिलता है। इस महाकाव्य में 18 पर्व है। इसे पाँचवे वेद के रूप में भी पहचाना जाता है।

171. 'दशकुमारचरित' या 'टेल्स ऑफ टेन प्रिंसेस' की रचना किसने की थी?

(a) रहस बिहारी द्विवेदी (b) दण्डी
(c) भर्तृहरि (d) बुद्धस्वामी

RRB NTPC 05.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : दशकुमारचरित, या 'टेल्स ऑफ टेन प्रिंसेस' दंडी द्वारा प्रणीत संस्कृत गद्यकाव्य है। इसमें दस कुमारों का चरित्र वर्णित होने के कारण इसका नाम ''दशकुमार चरित्र'' है। दण्डी संस्कृत भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार हैं।

172. हर्षचरित का लेखक कौन है?

(a) कालिदास (b) पाणिनि
(c) कल्हण (d) बाणभट्ट

RRB NTPC 31.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) :

रचनाकार	रचनाएँ
कालिदास	- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मेघदूतम्, रघुवंशम्, कुमार संभवम्, मालविकाग्निमित्रम्, विक्रमोर्वशीयम्, ऋतुसंहार
पाणिनि	- अष्टाध्यायी
कल्हण	- राजतरंगिनी
बाणभट्ट	- हर्षचरित, कादम्बरी

173. गीत गोविंद किसने लिखा था?

(a) जयदेव (b) मीराबाई
(c) रसखान (d) सूरदास

RRB NTPC 29.12.2020 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : 'गीत गोविन्द' की रचना महाकवि जयदेव (12 वीं शताब्दी) ने संस्कृत भाषा में की थी। यह एक गीति काव्य है जिसमें प्रत्यक्ष रूप से कृष्ण और राधा की प्रेम लीलाओं का नाटकीय प्रस्तुतीकरण किया गया है। गीत गोविन्द में कुल 12 अध्याय है जिन्हें 24 भागों में बांटा गया है।

174. 'किताब-उल-हिंद' इनमें से किस यात्री एवं विद्वान की कृति है?

(a) ड्यूआर्टे बारबोसा (b) सइदी अली रईस
(c) अलबरूनी (d) इब्न बतूता

RRB NTPC 09.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : अलबरूनी का मूल नाम अबू रेहान था। इसका जन्म 973 ई. में ख्वारिज्म के इलाके में हुआ था, जिसका संबंध उज्बेकिस्तान से स्थापित किया जाता है। अलबरूनी ईरानी मूल का मुसलमान था। 1017 ई. में जब सुल्तान महमूद ने ख्वारिज्म के राज्य पर आक्रमण कर उसे अपने राज्य में मिला लिया था, तो अलबरूनी भी बन्दी के रूप में गजनी में आया था। अलबरूनी की प्रसिद्ध पुस्तक का नाम किताब-उल-हिन्द या तारीखे हिन्द था।

175. निम्नलिखित में से किस प्राचीन भारतीय दार्शनिक ने पदार्थ के सूक्ष्मतम कण के बारे में उल्लेख किया और इसे परमाणु नाम दिया।

(a) चरक (b) कणाद
(c) बौधायन (d) वराहमिहिर

RRB NTPC 11.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : वैशेषिक दर्शन का प्रवर्तक कणाद मुनि को माना जाता है। वैशेषिक दर्शन में कणाद मुनि ने पदार्थ के सूक्ष्मतम कण के बारे में उल्लेख किया और इसे परमाणु नाम दिया।

176. 'मृच्छकटिक' नामक साहित्यिक कृति के लेखक कौन थे?

(a) श्री हर्ष (b) कालिदास
(c) चाणक्य (d) शूद्रक

RRB NTPC 30.12.2020 (Shift-I) Stage Ist
RRB NTPC 12.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : मृच्छकटिकम एक प्राचीन संस्कृत ग्रंथ है। शूद्रक द्वारा रचित इस नाटक से गुप्तकालीन सांस्कृतिक इतिहास की जानकारी मिलती है।

177. पंच-सिद्धान्तिका, बृहत्संहिता और सांख्य-सिद्धान्त के लेखक कौन हैं?

(a) आर्यभट्ट (b) ब्रह्मगुप्त
(c) भास्कराचार्य (d) वराहमिहिर

RRB NTPC 31.03.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (d) पंचसिद्धान्तिका, बृहत्संहिता और सांख्य सिद्धान्त के लेखक वराहमिहिर थे। इन पुस्तकों में त्रिकोणमिति के महत्वपूर्ण सूत्र दिये है जो वराहमिहिर के त्रिकोणमिति ज्ञान के परिचायक है। इनकी पुस्तक पंचसिद्धान्तिका (पाँच सिद्धान्त) ने उन्हें फलित ज्योतिष में वही स्थान दिलाया है जो राजनीति दर्शन में कौटिल्य का, व्याकरण में पाणिनी का और विधान में मनु का है।

178. 'तिरुक्कुरल' नामक प्रसिद्ध ग्रंथ के संकलनकर्ता कौन हैं?

(a) कालिदास (b) तिरुवल्लुवर
(c) कबीर (d) मीराबाई

RRB NTPC Stage Ist 28.04.2016 (Shift-I)

Ans : (b) तिरुक्कुरल नामक प्रसिद्ध ग्रंथ के संकलनकर्त्ता तिरुवल्लुवर है। तिरूक्कुरल तमिल भाषा में लिखित एक प्राचीन मुक्तक काव्य रचना है, इसका रचना-काल छठीं शताब्दी के आस–पास है। इसके सूत्र पद्य जीवन शैली को स्पर्श करते है। जबकि कालिदास ने 'मालविकाग्निमित्रम्' की रचना की। कबीर ने 'बीजक' तथा मीराबाई ने कृष्ण-भक्ति के स्फुट पदों की रचना की।

179. 'चरक संहिता', चिकित्सा की किस शाखा से संबंधित है?

(a) एलोपेथी (b) आयुर्वेद
(c) होमियोपेथी (d) यूनानी

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (b) 'चरक संहिता' आयुर्वेद से सम्बन्धित प्रसिद्ध ग्रन्थ है। यह संस्कृत भाषा में लिखा गया है। महर्षि चरक ने चिकित्सा शास्त्र का विशद् एवं व्यापक वर्णन इस पुस्तक में किया है।

180. राजतरंगिणी द्वारा किन राज्यों के राजाओं का वर्णन किया गया है?

(a) राष्ट्रकूट (b) कश्मीर
(c) बिहार (d) उड़ीसा

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (b) कल्हण द्वारा रचित राजतरंगिणी में कश्मीर के राजाओं का विशद व मोहक वर्णन किया गया है। इसके अनुसार कश्मीर की राजधानी श्रीनगर को सम्राट अशोक ने बसाया था, जो शिव के परम भक्त थे एवं बाद में अपना धर्म बदल लिया।

181. प्राचीन भारतीय कानूनी दस्तावेज 'मनुस्मृति' 'Manusmriti' ..... में लिखा गया था–

(a) तमिल (b) हिन्दी
(c) संस्कृत (d) बंगाली

RRB NTPC 19.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (c) प्राचीन भारतीय कानूनी दस्तावेज 'मनुस्मृति' संस्कृत में लिखा गया था। मनुस्मृति को मानव धर्मशास्त्र भी कहा जाता है। इस ग्रंथ में सामाजिक वर्गों के बारे में वर्णन किया गया है। इसमें चारों वर्णों, चारों आश्रमों एवं सोलह संस्कारों तथा सृष्टि उत्पत्ति के अतिरिक्त राज्य की व्यवस्था आदि विषयों पर परामर्श दिया गया है।

182. निम्नलिखित में से कौन-सा साहित्य संस्कृत में नहीं लिखा गया है?

(a) तिरुक्कुरल (b) रत्नावली
(c) राजतरंगिणी (d) मेघदूत

RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-I) Stage IInd

Ans : (a)

पुस्तक	लेखक	भाषा
1. तिरुक्कुरल	तिरुवल्लुवर	तमिल
2. रत्नावली	हर्ष	संस्कृत
3. राजतरंगिणी	कल्हण	संस्कृत
4. मेघदूत	कालिदास	संस्कृत

183. इनमें से कौन एक भारतीय गणितज्ञ थे?

(a) भरत (b) बाना
(c) भास्कर (d) भवभूति

RRB NTPC 28.03.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (c) भास्कर प्रथम (600–680ईस्वी) भारत के सातवीं शताब्दी के महान गणितज्ञ थे। संभवत: उन्होंने ही सबसे पहले संख्याओं को हिन्दू दाशमिक पद्धति में लिखना आरम्भ किया। उन्होंने आर्यभट्ट की कृतियों पर टीका लिखा।

184. इनमें से कौन-सी गणित विषय पर लिखित एक मध्ययुगीन भारतीय पुस्तक है?

(a) वास्तु शास्त्र (b) लीलावती
(c) पंचदशी (d) रूपमती

RRB NTPC 29.03.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (b) लीलावती गणित विषय पर आधारित एक मध्ययुगीन भारतीय ग्रन्थ है, जिसकी रचना महान भारतीय गणितज्ञ भास्कराचार्य द्वितीय ने अपनी पुत्री की बुद्धिमता से प्रभावित होकर किया था। पंचदशी, माधवाचार्य द्वारा रचित अद्वैत-वेदान्त का सरल और सम्पूर्ण ग्रन्थ है।

185. मनुस्मृति का अंग्रेजी में अनुवाद किसने किया था?

(a) एच. जी. वेल्स (b) जॉर्ज बुलर
(c) राल्फ ग्रिफिथ (d) एच.एच. विल्सन

RRB NTPC Stage Ist 29.04.2016 (Shift-I)

Ans : (b) मनुस्मृति का अंग्रेजी अनुवाद जॉर्ज बुलर द्वारा किया गया। मनुस्मृति सर्वाधिक प्राचीन स्मृति है तत्पश्चात याज्ञवल्क्य स्मृति की रचना हुई।

186. साहित्यिक कृति 'रत्नावली' किसकी कृति है?

(a) हर्षवर्द्धन (b) चाणक्य
(c) शूद्रक (d) कालिदास

RRB NTPC 15.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) :

रचनाकार	साहित्यिक कृति
हर्षवर्द्धन	रत्नावली, प्रियदर्शिका, नागानंद
चाणक्य	अर्थशास्त्र
शूद्रक	मृच्छकटिकम्
कालिदास	मेघदूतम् ,कुमारसंभवम्, ऋतुसंहार

187. भारत की महान साहित्यिक कृतियां 'मेघदूत' और 'अभिज्ञान शाकुंतलम' की रचना किसनें की थी?

(a) भास (b) कालिदास
(c) चाणक्य (d) शूद्रक

RRB NTPC 08.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) :

कालिदास की प्रमुख रचनायें	→	मालविकाग्निमित्रम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, विक्रमोर्वशीयम, कुमार संभवम्, रघुवंशम्, मेघदूतम्, आदि।
भास की प्रमुख रचनायें	→	प्रतिमानाटकम्, बालचरितम्, दूतवाक्यम् आदि।
चाणक्य की रचनायें	→	अर्थशास्त्र।
शूद्रक की रचनायें	→	मृच्छकटिकम्, वासवदत्ता आदि।

188. 'राजतरंगिणी' (Rajatarangini) के लेखक कौन हैं?

(a) कालिदास (b) चंदबरदाई
(c) जयदेव (d) कल्हण

RRB NTPC 28.12.2020 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : 'राजतरंगिणी', कल्हण द्वारा रचित एक संस्कृत ग्रन्थ हैं। इसमें कश्मीर का इतिहास वर्णित है जो महाभारत की शैली पर आधारित है। इसकी रचना 12वीं शताब्दी के आस-पास मानी जाती है। राजतरंगिणी में कुल आठ तरंग है। इसके प्रथम तीन तरंग में राजवंशों की सूची दी गयी है।

14. प्राचीनकालीन स्थापत्य कला/चित्रकला/संगीतकला (Ancient Period Architecture/Painting/Music)

189. _____ (sanctum sanctorum) हिन्दू और जैन मंदिरों का अंतरतम पुण्यस्थल है, जहां मंदिर के मुख्य देवता की मूर्ति विराजमान रहती है।

(a) विमान (b) शिखर (c) मंडपः (d) गर्भगृह

RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : गर्भगृह (sanctum sanctorum), हिन्दू और जैन मंदिरों का अंतरतम पुण्यस्थल है, जहाँ मंदिर के मुख्य देवता की मूर्ति विराजमान रहती है। गर्भगृह के ऊपर पिरामिड आकार की सरंचना को शिखर कहते हैं, तथा दक्षिण भारत में इसको विमान कहते हैं। हिन्दु मंदिर वास्तुकला में मण्डप, गर्भगृह के सामने स्तम्भों पर आधारित बरामदा है।

190. .....में लोकप्रिय मंदिर स्थापत्यकला शैली, नागर कहलाती है।

(a) पूर्वी भारत (b) उत्तर भारत
(c) पश्चिमी भारत (d) दक्षिण भारत

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : छठी शताब्दी ईस्वी से उत्तर भारत में लोकप्रिय मन्दिर स्थापत्यकला शैली, नागर शैली कहलाती है। नागर, 'नगर' शब्द से बना है। सर्वप्रथम नगर में इस शैली का विकास होने की वजह से ही इसे 'नागर शैली' कहकर पुकारा गया। उत्तर प्रदेश के कानपुर में भीतरगाँव मन्दिर, मध्य प्रदेश के खजुराहों के मन्दिर, ओडिशा स्थित पुरी के मन्दिर नागर शैली के मन्दिरों के प्रमुख उदाहरण हैं। मण्डप, पल्लव शैली की विमान चोल शैली तथा गोपुरम् पाण्ड्य शैली की विशेषताएं हैं।

191. कुषाण शासकों की विशाल प्रतिमाएं माट में एक मंदिर में स्थापित पाई गई हैं। वह राज्य निम्नलिखित में से कौन सा है?

(a) मध्य प्रदेश (b) बिहार
(c) उत्तर प्रदेश (d) उड़ीसा

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : कुषाण राजवंश भारत के प्राचीन राजवंशों में से एक था। इसकी स्थापना कुजुल कडफिसेस ने की थी। कुषाण वंश का सबसे प्रसिद्ध शासक कनिष्क था। राजा की मृत्यु के बाद उसकी मूर्ति बनाकर मंदिर में स्थापित करने की प्रथा देवकुल कहलाती थी, जिसका प्रारम्भ कुषाणों के समय हुआ था उत्तर प्रदेश में माट एंव अफगानिस्तान में सुर्खकोटल से कुषाण वंश के देवकुल प्राप्त हुए है।

192. भगवान शिव को समर्पित कंदरिया महादेव मंदिर का निर्माण, -----के शासक धंगदेव द्वारा लगभग 999 CE में कराया गया था।

(a) राष्ट्रकूट राजवंश (b) चंदेल राजवंश
(c) चालुक्य वंश (d) कलचुरी राजवंश

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : भगवान शिव को समर्पित कन्दरिया महादेव मन्दिर का निर्माण चन्देल राजवंश के शासक धंगदेव द्वारा लगभग 10वीं शदी में कराया गया था। कन्दरिया महादेव मन्दिर खजुराहो समूह (मध्य प्रदेश) के प्रसिद्ध मन्दिरों में से एक है। यह नागर शैली में निर्मित प्रमुख मन्दिर है। इसकी प्रमुख विशेषता है कि मंदिर की दीवारों पर कामविषयक मूर्तियाँ पायी जाती है।

193. कोणार्क का सूर्य मंदिर ..... के लोकप्रिय नाम से जान जाता है।

(a) श्वेत पैगोडा (b) काला पैगोडा
(c) कांस्य पैगोडा (d) स्वर्णिम पैगोडा

RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-II)

Ans. (b) : कोणार्क का सूर्य मंदिर पूर्वी उड़ीसा के शहर पुरी के पास स्थित है। इसका निर्माण नरसिंह देव प्रथम द्वारा 13वीं शताब्दी में किया गया था, जो गंग वंश के प्रसिद्ध राजा थे।

रथ के आकार का यह मंदिर भगवान सूर्य को समर्पित है। इसे वर्ष 1984 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था। इसे 'ब्लैक पैगोडा' के नाम से भी जाना जाता है।

नोट–उड़ीसा में स्थित जगन्नाथ मंदिर को 'श्वेत पैगोडा' कहा जाता है। इसका निर्माण 11वीं शताब्दी में गंग वंश के राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव द्वारा किया गया था।

194. निम्नलिखित मंदिरों में से किसे यूरोपीय नाविकों द्वारा ब्लैक पैगोडा भी कहा जाता था?

(a) कोणार्क मंदिर (b) जगन्नाथ मंदिर
(c) ब्रह्मेश्वर मंदिर (d) मुक्तेश्वर

RRB NTPC 13.03.2021 (Shift-II) Stage Ist
RRB NTPC Stage Ist 28.04.2016 (Shift-III)

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

195. इनमें से किसे प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर की स्थापना का श्रेय दिया जाता है?

(a) सम्राट अशोक (b) राजा राजाराज चोल
(c) राजा नरसिंहदेव प्रथम (d) राजा रघुनाथ सिंह

RRB NTPC 05.03.2021 (Shift-II) Stage Ist
RRB NTPC 28.03.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : कोणार्क के सूर्य मंदिर बनवाने का श्रेय नरसिंह देव प्रथम को दिया जाता है, जो कि पूर्वी गंग वंश से संबंधित थे। इसका निर्माण 13वीं शताब्दी में हुआ था तथा इसे ब्लैक पैगोडा भी कहा जाता है। ओडिशा में महानदी के तट पर स्थित यह मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है। इस विश्व प्रसिद्ध स्मारक को 1984 ई. में यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया था।

196. बौद्ध गुफाओं के लिए प्रसिद्ध कार्ले किस राज्य में स्थित है?

(a) महाराष्ट्र (b) उत्तर प्रदेश
(c) उत्तराखंड (d) मध्य प्रदेश

RRB NTPC 03.04.2016 (Shift-III) Stage Ist
RRB NTPC 28.03.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (a) बौद्ध गुफाओं के लिए प्रसिद्ध कार्ले महाराष्ट्र राज्य में स्थित है। ये गुफाएँ सामान्यत: चैत्य गुफाएँ है जिनका निर्माण 2 ई.पू. से 2 ई. तक तथा 5वीं शताब्दी से 10वीं सदी के बीच हुई है।

197. खजुराहो का भव्य मंदिर ..... शासकों द्वारा बनवाया गया था।

(a) परमार (b) चंदेल
(c) चौहान (d) सोलंकी

RRB NTPC 31.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : खजुराहो का भव्य मंदिर चन्देल शासकों द्वारा बनवाया गया था। खजुराहो के मंदिर मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित हैं। इन मंदिरों का निर्माण 950 से 1050 ई. के मध्य करवाया गया। यहाँ के प्रसिद्ध मंदिरों में कंदरिया महादेव मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, चित्रगुप्त मंदिर, पार्वती मंदिर, विश्वनाथ मंदिर, चौसठ योगिनी मंदिर आदि है।

198. 'खजुराहो' के स्मारक कहाँ पाए जाते है?

(a) महाराष्ट्र (b) बिहार
(c) मध्य प्रदेश (d) गुजरात

RRB NTPC 05.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

199. खजुराहो मंदिर वास्तुकला के किस प्रकार को उजागर करता है?

(a) यूनानी शैली (b) भूमिजा शैली
(c) बेसर शैली (d) नागर शैली

RRB NTPC Stage Ist 29.04.2016 (Shift-I)

Ans : (d) खजुराहो मंदिर अपने नागर वास्तुकला शैली, कलात्मक कलाकृति और कामोत्तेजक मूर्तियों के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यहाँ के मंदिरों में कंदरिया महादेव का मंदिर सर्वोत्तम है। इसे यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल (1986 ई.) के रूप में घोषित किया गया है।

200. भारत के किस राज्य में 'कार्ले' नामक संरक्षित बौद्ध गुफाएँ मौजूद हैं ?

(a) बिहार (b) कर्नाटक
(c) उत्तर प्रदेश (d) महाराष्ट्र

RRB NTPC 11.04.2016 (Shift-I) Stage Ist
RRB NTPC 05.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : महाराष्ट्र में लोनावाला के निकट कार्ले गुफाओं का निर्माण दूसरी शताब्दी ईस्वी और पाँचवी शताब्दी ईस्वी के मध्य किया गया था। चट्टान काट कर बनायी गयी इन बौद्ध गुफाओं में भारत का सबसे बड़ा चैत्यगृह अवस्थित है जो अपनी स्थापत्य शैली के लिए विख्यात है। ये गुफाएँ अपने विस्तृत शिलालेखों के लिए भी जानी जाती है। कार्ले का चैत्य सातवाहन काल में बनाया गया।

201. बृहदेश्वर मंदिर भारत के किस राज्य में स्थित है?

(a) राजस्थान (b) मध्य प्रदेश
(c) तमिलनाडु (d) उत्तर प्रदेश

RRB NTPC 08.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : बृहदेश्वर मंदिर, तमिलनाडु के तंजौर में स्थित है। इसे तंजौर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर का निर्माण कार्य 1009 ई. के आस-पास चोल शासक राजराज प्रथम ने पूरा करवाया गया था। इस मंदिर को राजराजेश्वर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर पूरी तरह से ग्रेनाइट से निर्मित है। इस मंदिर को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में भी शामिल किया गया है।

202. बृहदेश्वर मंदिर (Brihadeeshwar Temple) शिव को समर्पित एक हिन्दू मंदिर है, जो भारतीय राज्य तमिलनाडु के तंजौर जिले में स्थित है। यह ..... के सिंहासन की शोभा बढ़ाने के लिए बनाया गया था–

(a) चोल साम्राज्य (b) मौर्य साम्राज्य
(c) गुप्त साम्राज्य (d) मुगल साम्राज्य

RRB NTPC 10.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

203. निम्नलिखित में से किस मंदिर का निर्माण राजराज चोल द्वारा कराया गया था ?

(a) जगन्नाथ मंदिर (b) बृहदीश्वर मंदिर
(c) मीनाक्षी मंदिर (d) लिंगराज मंदिर

RRB NTPC 29.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

204. कंदरिया महादेव मंदिर किस मंदिर समूह से संबंधित है?

(a) महाबलीपुरम् मंदिर (b) कोणार्क मंदिर
(c) ऐलोरा गुफा मंदिर (d) खजुराहो मंदिर

RRB NTPC 12.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : खजुराहों के मंदिरों में सबसे श्रेष्ठ कंदरिया महादेव का मंदिर (मध्य प्रदेश) है। इसके शिखर व अलंकरणों की अपनी विशिष्ट पहचान है। मंदिर में मुख्य प्रतिमा कंदरिया महादेव की है। वर्ष 1986 में खजुराहों के मंदिरों को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में स्थान प्राप्त हुआ।

205. मुरुदेश्वर मंदिर (Murudeshwar Temple)..... राज्य में कंदुक गिरि (Kanduka Giri) पर स्थित है।

(a) कर्नाटक (b) ओडिशा
(c) तमिलनाडु (d) केरल

RRB NTPC 03.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : मुरूदेश्वर मंदिर कर्नाटक में उत्तरी कन्नड़ जिले के भटकला तालुक में स्थित है। इसका प्रसिद्ध आकर्षण समुद्र तट पर स्थित तथा वास्तुकला की द्रविड़ शैली में निर्मित एवं मंदिर परिसर में स्थापित विशाल शिव प्रतिमा है, जो भारत की सबसे ऊँची (लगभग 123 फिट) प्रतिमा है। यह मंदिर राज्य की कंदुक गिरि पहाड़ी पर स्थित है। इस मंदिर के मुख्य देवता, म्रिदेश्वर या मुरूदेश्वर (भगवान शिव) हैं। शिव प्रतिमा के एक तरफ सुनहरे रंग का सूर्य रथ अर्जुन को भगवान श्री कृष्ण से गीतोपदेश प्राप्त करते हुए दर्शाता है।

206. तिरूवरूर और अजंता के मंदिरों की दीवारों पर किस प्रकार की चित्रकारी मौजूद हैं ?

(a) भित्ति (b) मधुबनी
(c) राजस्थानी (d) मुगलकालीन

RRB NTPC 23.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : तिरूवरूर और अजन्ता के मंदिरों की दीवारों पर भित्ति (Mural) चित्रकारी है। भित्तिचित्र कला सबसे पुरानी चित्रकला है। गुफाओं एवं महलों की दीवारों पर उकेरे या बनाये जाने वाले चित्रों को भित्ति चित्र कहते है। संस्कृत भाषा में दीवार को भित्ति कहा जाता है। भारत में भित्ति चित्रों के सर्वप्रथम साक्ष्य अजंता एवं एलोरा की गुफाओं की दीवारों पर चित्रित भित्तिचित्र है।

207. लिंगराज मंदिर का निर्माण _____ ने कराया था।

(a) मुगल सम्राट शाहजहां
(b) राजपूत चंदेल वंश के शासकों
(c) सोमवंशी राजा ययाति केसरी
(d) राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव

RRB NTPC 17.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : लिंगराज मंदिर का निर्माण सोमवंशी राजा ययाति ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर (10 वीं शताब्दी) में करवाया था। यह मंदिर भगवान त्रिभुवनेश्वर (शिव) को समर्पित है। इस मंदिर का निर्माण देउल शैली में किया गया है।

208. श्री लिंगराज मंदिर किस शहर में स्थित है?

(a) कोणार्क (b) द्वारिका
(c) भुवनेश्वर (d) तिरुपति

RRB NTPC 02.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

209. मोढ़ेरा स्थित सूर्य मंदिर का निर्माण किस राजवंश ने करवाया था?

(a) राष्ट्रकूट राजवंश (b) चालुक्य राजवंश
(c) पल्लव राजवंश (d) सोलंकी राजवंश

RRB NTPC 02.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : मोढ़ेरा स्थित सूर्य मदिर का निर्माण सोलंकी वंश के राजा भीमदेव प्रथम द्वारा 1026 ई. में करवाया गया था। यह मंदिर गुजरात के मेहसाणा जिले के मोढ़ेरा गांव में पुष्पावती नदी के किनारे अवस्थित है। सोलंकी वंश को सामान्यतः गुजरात के चालुक्य के नाम से उल्लिखित किया जाता है। सोलंकियों के भी कई अभिलेखों में उन्हे चालुक्य (Chaulukya) कहा गया है। चालुक्यों के नाम की कई शाखाएं थी जैसे बादामी, कल्याणी, वेंगी आदि। राजा भीमदेव I की पत्नी उदयमति ने 'रानी की वाव' का निर्माण पति की स्मृति में करवाया था, जिसे वर्ष 2014 में विश्व विरासत स्थल की सूची में शामिल किया गया।

210. श्रवणबेलगोला में स्थित गोमतेश्वर मूर्ति किस सामग्री से बनी है?

(a) ग्रेनाइट (b) संगमरमर
(c) लाल पत्थर (d) लौह अयस्क

RRB NTPC 01.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में स्थित गोमतेश्वर मूर्ति ग्रेनाइट पत्थर से बनी है। यह 17 मीटर या 58 फीट ऊँची पूरे विश्व में एकाश्म पत्थर से निर्मित विशालकाय मूर्ति है। इस मूर्ति को गंग वंश के राजा राजमल्ल एवं उनके सेनापति चामुंडराय ने बनवाया था।

211. विश्व विरासत स्थान के रूप में प्रसिद्ध अजंता की गुफाएँ निम्नलिखित में से किस स्थान पर स्थित है?

(a) पुणे (b) नासिक
(c) औरंगाबाद (d) मुंबई

RRB NTPC 03.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : अजंता की गुफाएँ महाराष्ट्र के औरंगाबाद में बाघोरा नदी के पास पश्चिमी घाट पर्वत-माला में रॉक-कट गुफाओं की एक श्रृंखला के रूप में स्थित हैं। इन गुफाओं का विकास 200 ई.पू. से 7वीं शताब्दी तक शुंग, कुषाण, गुप्त आदि शासकों के काल में हुआ था। यहां कुल 29 गुफाएं है, जिनमें 4 चैत्य और 25 विहार गुफाएं है। इन गुफाओं को वर्ष 1983 में यूनेस्कों द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया था।

212. निम्नलिखित में से कौन सा मंदिर मौजूदा चोल मंदिरों में से एक नहीं है?

(a) गंगाईकोंडाचोलापुरम (b) कंपहारेश्वर
(c) बृहदेश्वर (d) ऐरावतेश्वर

RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : गंगईकोंडचोलपुरम, चोल मंदिर नहीं बल्कि यह राजेन्द्र चोल प्रथम की नवीन राजधानी थी। राजेन्द्र चोल प्रथम ने बंगाल और बिहार के पाल राजा महिपाल को हराने के बाद अपनी जीत की स्मृति में इस राजधानी का निर्माण किया। उल्लेखनीय है कि गंगईकोंडचोलपुरम के शिव मंदिर का निर्माण राजेन्द्र प्रथम द्वारा (1035 ई.) किया गया था।

213. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सुमेलित है?

(a) खजुराहो मंदिर – आंध्र प्रदेश
(b) तिजारा मंदिर – राजस्थान
(c) वेंकटेश्वर मंदिर – ओडिशा
(d) लिंगराज मंदिर – मध्य प्रदेश

RRB NTPC 13.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) :

खजुराहो	–	मध्य प्रदेश
तिजारा मंदिर	–	राजस्थान
वेंकटेश्वर मंदिर	–	आंध्र प्रदेश
लिंगराज मंदिर	–	ओडिशा

214. उस स्मारक का नाम बताइए जो एक पुरातात्विक स्थल के सफल जीर्णोद्वार और संरक्षण का प्रमाण है।

(a) पालिका बाजार (b) इंडिया गेट
(c) गेटवे ऑफ इंडिया (d) साँची स्तूप

RRB NTPC 09.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : स्तूप एक गोल टीले जैसी संरचना है, जिसका प्रयोग पवित्र बौद्ध अवशेषों को रखने के लिए किया जाता है। 1818 में जब सांची की खोज की गयी तो इसके तीन तोरण द्वार तथा टीला सुरक्षित थे। इसके रख रखाव के लिए भोपाल की शासिका शाहजहाँ बेगम तथा उनके उत्तराधिकारियों ने अनुदान दिए। आज यह स्तूप भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के सफल जीर्णोद्धार और संरक्षण का प्रमाण है। साँची स्तूप का निर्माण अशोक ने तीसरी सदी ई.पू0 में करवाया था। यूनेस्को द्वारा इसे वर्ष 1989 में विश्व धरोहर में शामिल किया गया।

215. स्तूप में निर्मित छज्जे (balcony) जैसी संरचना को क्या कहा जाता है?

(a) छत्र (b) हर्मिका (c) यष्टि (d) अंड

RRB NTPC 06.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : स्तूप में अण्ड के ऊपर छज्जे जैसी संरचना को हर्मिका कहा जाता है।
स्तूप के केन्द्र में एक अर्धगोलाकार ईंट का बना ढाँचा होता है। जिसमें उस स्तूप के प्रमुख भगवान के अवशेष रखे जाते हैं। स्तूप के शिखर पर स्मारक को दिए गए ऊँचे सम्मान का प्रतीक रूपी एक छत है।
अण्ड-: स्तूप का अर्धगोलाकार भाग होता है।
यष्टि-: छत को सहारा देने के लिए बनायी जाती है।

216. निम्नलिखित में से किस मंदिर का निर्माण पल्लव वंश के शासकों द्वारा कराया गया था?

(a) कांचीपुरम कैलाशनाथ मंदिर
(b) कोणार्क सूर्य मंदिर
(c) लिंगराज मंदिर
(d) दिलवाड़ा मंदिर

RRB NTPC 06.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : कांचीपुरम के कैलाशनाथ मंदिर का निर्माण पल्लव वंश के शासक नरसिंहवर्मन द्वितीय ने अपनी पत्नी की प्रार्थना पर बनवाया था। कांचीपुरम पलार नदी के तट पर स्थित है। इस मंदिर में देवी पार्वती और शिव की नृत्य कला को दर्शाया गया है। द्रविड़ शैली में बना यह मंदिर स्थापत्य कला का उत्कृष्ठ नमूना है।

217. हिन्दू मंदिर के किस हिस्से में बड़ी संख्या में उपासकों के लिए जगह होती है?

(a) गर्भगृह (b) विमान
(c) शिखर (d) मण्डप

RRB NTPC 01.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : मंदिरों के बाहर स्तम्भों पर टिके परिसर को मण्डप कहते है, जिसमें बड़ी संख्या में उपासकों के लिए जगह होती है।

218. वह कौन सी भारतीय चित्रकला शैली है जिसमें शुद्ध सोने और कीमती पत्थरों की सजावट है और इसमें हिंदू देवताओं, विशेष रूप से भगवान कृष्ण को दर्शाया गया है?

(a) मधुबनी (b) भित्ति चित्र
(c) वार्ली (d) तंजौर पेंटिंग

RRB NTPC 17.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : तंजौर चित्रकला दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु के तंजावुर शहर का स्थानीय कला रूप है। चोल वंश की राजधानी तंजावुर में इस कला का पैटर्न फला-फूला था। इस कला का आधार धार्मिक एवं आध्यात्मिक है, जिसमें शुद्ध सोने और कीमती पत्थरों की सजावट है और इसमें हिन्दू देवताओं विशेष रूप से भगवान कृष्ण को दर्शाया जाता है।

219. अजंता की गुफाएं कहाँ स्थित हैं?

(a) तमिलनाडु (b) छत्तीसगढ़
(c) महाराष्ट्र (d) दिल्ली

RRB NTPC 12.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : अजंता की गुफाएं महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित है। इन गुफाओं को 1983 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल किया गया था। इन गुफाओं में बौद्ध धर्म से संबंधित चित्रण एवं शिल्पकारी के उत्कृष्ट नमूने मिलते हैं।

220. सांची स्तूप _____ शहर के पास स्थित है।

(a) भोपाल (b) ग्वालियर
(c) आगरा (d) झांसी

RRB NTPC 11.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : सांची मध्य प्रदेश राज्य के रायसेन जिले में स्थित एक छोटा सा गाँव हैं, यह भोपाल से मात्र 46 किलोमीटर पूर्वोत्तर में स्थित हैं। मौर्य सम्राट अशोक महान ने तीसरी शताब्दी, ई. पू. में सांची के महान स्तूप का निर्माण करवाया था। सांची स्तूप को वर्ष 1989 में यूनेस्कों की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है।

221. विख्यात् सांची स्तूप किसने बनवाया (commissioned by) था?

(a) बिंदुसार (b) अशोक
(c) चंद्रगुप्त मौर्य (d) कनिष्क

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

222. तंजावुर का कौन सा मंदिर चोल वास्तुकला का उदाहरण है, जिसका निर्माण सम्राट राजराज ने करवाया था?

(a) भगवान मुरुगन मंदिर (b) नागनाथस्वामी मंदिर
(c) तिरुमानंजेरी मंदिर (d) बृहदीश्वर मंदिर

RRB NTPC 05.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : बृहदीश्वर मंदिर- तंजावुर का बृहदीश्वर मंदिर चोल शासक राजराज प्रथम द्वारा 1010 ई. में बनवाया गया था। यह द्रविड़ शैली के स्थापत्य का आदर्श उदाहरण है। यह भगवान शिव को समर्पित है इसे राजराजेश्वर मंदिर भी कहा जाता है।
भगवान मुरुगन मंदिर- भगवान मुरुगन का मंदिर तमिलनाडु में स्थापित हैं।
नागनाथ स्वामी मंदिर- यह तमिलनाडु के तिरुनागेश्वरम नामक स्थान पर स्थित है।

223. सबरीमाला मंदिर कहाँ पर स्थित है?

(a) केरल (b) उड़ीसा
(c) महाराष्ट्र (d) आंध्र प्रदेश

RRB NTPC 28.12.2020 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : सबरीमाला मंदिर भारत के केरल राज्य के पतनमतिट्टा जिले में स्थित है। यह मंदिर भगवान अयप्पा को समर्पित है। इस मंदिर में 10 से 50 वर्ष तक की महिलाओं का प्रवेश निषेध है। ध्यातव्य है कि सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2018 में सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया था।

224. चित्रकला की पट्टचित्र शैली निम्नलिखित में से किस राज्य की सबसे पुरानी और लोकप्रिय कला है?

(a) ओडिशा (b) राजस्थान
(c) बिहार (d) आंध्र प्रदेश

RRB NTPC 28.12.2020 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : चित्रकला की पट्टचित्र शैली ओडिशा के सबसे पुराने एवं लोकप्रिय रूपों में से एक है। पट्टचित्र का नाम संस्कृत शब्दों 'पट्ट' (कैनवास/कपड़ा) और 'चित्र' (चित्रण करना) से लिया गया है। पट्टचित्र कैनवास पर की जाने वाली ऐसी चित्रकला है जिसमें समृद्ध रंगों का प्रयोग, रचनात्मक रूपांकन और डिजाइनों तथा सरल विषयों का चित्रण किया जाता है। इस चित्रकारी में जगन्नाथ मंदिर का चित्रण, कृष्ण लीला का चित्रण तथा भगवान विष्णु के दस अवतारों का चित्रण प्रमुख है। ध्यातव्य है कि पट्टचित्र शैली को भौगोलिक संकेतक प्राप्त है।

225. कामाख्या मंदिर किस राज्य में स्थित है?

(a) मणिपुर (b) सिक्किम (c) असम (d) मेघालय

RRB NTPC 10.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : कामाख्या मंदिर असम की राजधानी दिसपुर के पास गुवाहाटी से 8 किमी. दूर कामाख्या में है। यह मंदिर शक्ति की देवी सती का मंदिर है जो नीलांचल पहाड़ी पर स्थित है। प्राचीन काल से सतयुगीन तीर्थ कामाख्या वर्तमान में तंत्र सिद्धि का सर्वोच्च स्थल है। प्रत्येक वर्ष कामाख्या मंदिर में अंबुबाची मेले का आयोजन किया जाता है।

226. मुंबई के निकट एलीफैंटा की गुफाओं में स्थित मंदिर ..... को समर्पित है।

(a) देवी काली (b) भगवान विष्णु
(c) भगवान कृष्ण (d) भगवान शिव

RRB NTPC 09.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : मुम्बई के निकट एलीफैंटा की गुफा में बने मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। रॉक कट एलिफेंट गुफाओं का निर्माण 5वीं से 6वीं शताब्दी ईस्वीं के मध्य में हुआ था। एलीफैंटा की गुफाएं 7 गुफाओं का सम्मिश्रण है, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण है महेश मूर्ति गुफा। 1987 ई. में यूनेस्को द्वारा एलीफेंटा गुफाओं को विश्व धरोहर घोषित किया गया है।

227. अजन्ता गुफा की चित्रकला भारत में ..... के स्वर्ण युग का प्रमाण है?

(a) बौद्ध धर्म (b) शैव धर्म
(c) जैन धर्म (d) वैष्णव धर्म

RRB NTPC 17.01.2017 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (a) महाराष्ट्र के औरंगाबाद से लगभग 107 किमी. दूरी पर स्थित अजन्ता की गुफाएँ भारत में बौद्ध चित्रकला के स्वर्ण युग का प्रमाण है। गुफाओं की दीवारों (भित्ति) तथा छतों पर बनाए गए चित्रों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण चित्र जातक कथाओं से जुड़ा हुआ है। रंगों की रचनात्मकता, विचारों की स्वतंत्रता एवं गुफा चित्रकारी का अद्वितीय नमूना होने के कारण यूनेस्को द्वारा इसे 1983 ई. में वैश्विक धरोहर में सम्मिलित किया गया है।

228. अजंता गुफाओं की चित्रकारी क्या दर्शाती है?

(a) महाभारत की कथाएं (b) जातक कथाएं
(c) रामायण की कथाएं (d) वेदों की कहानियां

RRB NTPC 04.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : अजन्ता की गुफाओं का विकास 200 ई.पू. से 650 ईस्वी. के मध्य हुआ था। वाकाटक शासकों के संरक्षण में अजन्ता की गुफाएं बौद्ध भिक्षुओं द्वारा उत्कीर्ण की गई थी। अजन्ता की गुफाओं की जानकारी चीनी बौद्ध यात्रियों फाहियान (चन्द्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल के दौरान) और ह्वेनसांग (सम्राट हर्षवर्धन के शासन काल के दौरान) के यात्रा वृत्तांतों में पाई जाती है। इन गुफाओं में आकृतियों को फ्रेस्को पेंटिंग का उपयोग करके दर्शाया गया था। इन चित्रों में सामान्यतः बुद्ध और जातक कहानियों को प्रदर्शित किया गया है।

229. अजंता एवं एलोरा की गुफाएं किस राज्य में स्थित हैं?

(a) मध्य प्रदेश (b) महाराष्ट्र
(c) मणिपुर (d) उत्तर प्रदेश

RRB NTPC 28.03.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans :(b) अजंता एवं एलोरा की गुफाएँ महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर के समीप स्थित है। ये गुफाएँ बड़ी–बड़ी चट्टानों को काटकर बनाई गयी है। 30 गुफाएँ अजंता में तथा 34 गुफाएँ एलोरा में है। अजंता की गुफाएँ सह्याद्रि पहाड़ियों पर स्थित घोड़े की नाल के आकार में निर्मित है। इन गुफाओं में 200 ईसा पूर्व से 650 ई. तक के बौद्ध धर्म से संबंधित चित्रण किया गया है। एलोरा की गुफाएँ बेसाल्टिक चट्टानों को काटकर बनाए गये हैं। इन गुफाओं में हिन्दू, जैन और बौद्ध तीनों धर्मों की आस्था का प्रभाव देखने को मिलता है।

230. अजन्ता गुफाएँ जो करीब 30 रॉक–आउट बौद्धिक गुफा है, जो ''भारतीय कला के बेहतरीन जीवित उदाहरण है, विशेष रूप से पेन्टिंग में'' कहाँ स्थित है?

(a) अमरावती, महाराष्ट्र (b) औरंगाबाद, महाराष्ट्र
(c) पुणे, महाराष्ट्र (d) रत्नागिरि, महाराष्ट्र

RRB NTPC Stage Ist 29.04.2016 (Shift-III)

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

231. महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में अजंता की गुफाएं जिनमें लगभग 30 चट्टानों को काट कर बौद्ध गुफाएं बनाई गई थी, वह कितनी प्राचीन थी?

(a) 8वीं सदी ई.पू. (b) 2वीं सदी ई.पू.
(c) 6वीं सदी ई.पू. (d) 7वीं सदी ई.पू.

RRB NTPC 07.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (b) महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित अजंता की गुफाएँ लगभग 30 चट्टानों को काटकर बनाई गई है। ये बौद्ध गुफाएँ दूसरी सदी ई.पू. की है। एलोरा की गुफा भारत में औरंगाबाद महाराष्ट्र से 30km की दूरी पर स्थित हैं। इन्हें राष्ट्रकूट वंश के शासकों द्वारा बनवाया गया था।

232. प्रसिद्ध बृहदेश्वर मंदिर.....में स्थित है।
(a) तेलंगाना (b) तमिलनाडु
(c) केरल (d) कर्नाटक
RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-I) Stage IInd

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

233. बृहदेश्वर मंदिर किस प्रकार की समाग्री से बनाया गया था?
(a) साबुन (b) ग्रेनाइट
(c) बलुआ पत्थर (d) संगमरमर
RRB NTPC 31.03.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (b) बृहदेश्वर मंदिर तमिलनाडु के तंजौर जिले में स्थित एक हिंदू मंदिर है, जो पूरी तरह ग्रेनाइट से निर्मित है।

234. प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर कहाँ स्थित है?
(a) तमिलनाडु (b) उत्तर प्रदेश
(c) गुजरात (d) राजस्थान
RRB NTPC Stage Ist 22.04.2016 (Shift-I)

Ans : (c) सोमनाथ मंदिर गुजरात (सौराष्ट्र) के काठियावाड़ क्षेत्र में स्थित है। इसे सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भी कहते हैं। इसी क्षेत्र में भगवान श्री कृष्ण ने 'यदु वंश' का संहार करने के बाद अपनी नर लीला समाप्त की थी। 1024 ई. में महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर के हीरे–जवाहरात लूट कर अपने देश गजनी चला गया। इसके बाद राजा भीमदेव, सिद्धराज जयसिंह तथा विजयधर कुमारपाल ने मंदिर की प्रतिष्ठा व पवित्रीकरण में सहयोग प्रदान किया।

235. निम्नलिखित में से विमल शाह द्वारा निर्मित संगमरमर का मंदिर कौन सा है?
(a) दिलवाड़ा मंदिर (b) वृहदेश्वरर मंदिर
(c) ओंकारेश्वर मंदिर (d) रानकपुर आदिनाथ मंदिर
RRB NTPC 16.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (a) माउंट आबू स्थित दिलवाड़ा जैन मंदिरों का निर्माण 11वीं से 13वीं शताब्दी के बीच चालुक्य वंश के शासनकाल में हुआ था। इन मंदिरों की दीवारें, खम्भों व द्वारों का निर्माण सफेद संगमरमर से किया गया है जिस पर अभूतपूर्व एवं अतुलनीय नक्काशी की गयी है। यह मंदिर परिसर पाँच मंदिरों का समूह है, जिसमें श्री आदिनाथ मंदिर या विमल वसाही मंदिर का निर्माण गुजरात के सोलंकी (चालुक्य) शासक के मंत्री विमल शाह द्वारा 1031 ई. में करवाया गया है। यह मंदिर यहाँ का सबसे प्राचीन मंदिर है। इसमें जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ जी को मूलनायक के रूप से स्थापित किया गया है। अन्य चार मंदिरों में 'श्री नेमिनाथ मंदिर या लूना वसाही मंदिर' का निर्माण तेजपाल तथा वास्तुपाल द्वारा, श्री पार्श्वनाथ मंदिर का निर्माण मांडलिक द्वारा तथा श्री महावीर स्वामी मंदिर का निर्माण 1582 ई. में किया गया। जिसमें नक्काशी चित्रकार सिरोही द्वारा किया गया था तथा श्री ऋषभदेव मंदिर का निर्माण भीम शाह द्वारा किया गया था।

236. माउंट आबू का दिलवाड़ा मंदिर (Dilwara Temple) निम्नलिखित में से किस देवी-देवता को समर्पित है?
(a) जगन्नाथ (b) आदिनाथ
(c) बद्रीनाथ (d) केदारनाथ
RRB NTPC 21.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

237. दिलवाड़ा मंदिर.....में स्थित है।
(a) माउंट आबू (b) खजुराहो
(c) भुवनेश्वर (d) औरंगाबाद
RRB NTPC 01.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

238. मध्य प्रदेश (MP) में स्थित वैश्विक विरासत स्थल भीमबेटका ..... प्रसिद्ध है–
(a) वनों के लिए
(b) पर्वत शृंखलाओं के लिए
(c) पाषाण आश्रय (रॉक शेल्टर) के लिए
(d) झरनों के लिए
RRB NTPC 29.03.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (c) मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित वैश्विक विरासत स्थल भीमबेटका पाषाण आश्रय (रॉक शेल्टर) के लिए प्रसिद्ध है। भीमबेटका के चित्रों को पुरापाषाण काल से मध्य पाषाण काल के समय का माना जाता है। जुलाई, 2003 में यूनेस्को (UNESCO) ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है।

239. भीमबेटका की गुफाएं कितने साल पुरानी मानी जाती है?
(a) 1000 साल (b) 5000 साल
(c) 30,000 साल (d) 300 साल
RRB NTPC 29.03.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (c) भीमबेटका की गुफाएँ भोपाल (म.प्र.) से 46 किमी. दक्षिण में स्थित है जिसकी खोज प्रसिद्ध पुरातत्व विशेषज्ञ डॉ. वी.एस. वाकणकर ने 1958 ई. में की थी। भीमबेटका की गुफाएँ लगभग 30000 वर्ष पुरानी है जबकि इस पर उकेरे गये चित्र लगभग 12000 वर्ष पुराने हैं।

240. भीमबेटका गुफाएँ कहाँ स्थित हैं?
(a) उत्तर प्रदेश (b) मध्य प्रदेश
(c) आंध्र प्रदेश (d) हिमाचल प्रदेश
RRB NTPC Stage Ist 22.04.2016 (Shift-II)

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

241. हनमकोंडा शहर में स्थित एक ऐतिहासिक हिन्दू मंदिर, हजार स्तंभ मंदिर (थाउजेंड पिलर टेम्पल) का निर्माण.....द्वारा कराया गया था।
(a) रूद्र देव (b) कृष्णदेव राय
(c) जहांगीर (d) औरंगजेब
RRB NTPC Stage Ist 28.04.2016 (Shift-II)

Ans : (a) हजार स्तम्भ मन्दिर एक हिन्दू मन्दिर है। यह तेलंगाना के हनमकोंडा में स्थित है। इस मन्दिर में भगवान विष्णु, शिव तथा सूर्य की मूर्तियाँ है। इस मंदिर का निर्माण काकतीय राजवंश के शासक प्रताप रूद्रदेव ने 1163 ई. में करवाया था।

242. दिल्ली के अशोक स्तंभ ने वैज्ञानिको को अचंभित कर रखा है क्योंकि यह मौसम की सभी अतिनिश्चतता को झेलता है और उसमें न तो जंग लगती है और ना ही संक्षारित होता है। वह धातु से बनाया हुआ है?
(a) लोहा (b) कांसा
(c) टेराकोटा (d) एकल चट्टान पत्थर
RRB NTPC Stage Ist 22.04.2016 (Shift-II)

Ans : (a) दिल्ली के अशोक स्तंभ का निर्माण अशोक ने 300 ई. पूर्व में करवाया था। यह धातुकर्म का सर्वोत्तम नमूना है, इसको बनाते समय पिघले हुए कच्चे लोहे में फास्फोरस तत्व मिलाया गया था। इससे आयरन के अणु बंध नहीं बना पाते, जिसकी वजह से जंग लगने की गति हजारों गुना धीमी हो जाती है।

243. मीनाक्षी मंदिर कहाँ पर स्थित है?
(a) तमिलनाडु (b) राजस्थान (c) महाराष्ट्र (d) पंजाब
RRB NTPC Stage Ist 19.01.2017 (Shift-III)

Ans : (a) मीनाक्षी मंदिर भारत के तमिलनाडु राज्य के मदुरई नगर में स्थित एक ऐतिहासिक मन्दिर है। यह हिन्दू देवता शिव (सुन्दरेश्वर या सुन्दर ईश्वर के रूप में) एवं उनकी भार्या देवी पार्वती (मीनाक्षी) दोनों को समर्पित है।

244. महाबोधि मंदिर (Mahabodhi Temple) या महान जागृति मंदिर एक बौद्ध मंदिर है जो ..... में स्थित है–

(a) तमिलनाडु (b) बिहार
(c) महाराष्ट्र (d) आन्ध्र प्रदेश

RRB NTPC 10.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (b) महाबोधि मंदिर, बोध गया स्थित प्रसिद्ध बौद्ध विहार है जो बिहार राज्य में स्थित है। यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है। यह विहार उसी स्थान पर है जहाँ गौतम बुद्ध ने ईसा पूर्व 6वीं शताब्दी में ज्ञान प्राप्त किया था।

245. महाबोधि मन्दिर संकुल, भगवान बुद्ध से संबंधित चार पवित्र स्थलों में से एक स्थित है–

(a) बिहार (b) तमिलनाडु
(c) कर्नाटक (d) दिल्ली

RRB NTPC 17.01.2017 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

246. उस स्मारक का नाम बताइए जिसमें नौ हिन्दू मंदिरों की प्रभावशाली श्रृंखला के साथ-साथ एक उत्कृष्ट कृति के साथ एक जैन पवित्र स्थान, विरूपाक्ष का मंदिर भी शामिल है और बागलकोट, कर्नाटक में स्थित है?

(a) महाबलीपुरम में स्मारकों का समूह
(b) हम्पी में स्मारकों का समूह
(c) पट्टडकल में स्मारकों का समूह
(d) खजुराहो में स्मारकों का समूह

RRB NTPC 11.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (c) पट्टडकल स्मारक परिसर भारत के कर्नाटक राज्य में पट्टडकल नामक कस्बे में स्थित है। यहाँ चालुक्य वंश के राजाओं ने सातवीं और आठवीं शताब्दी में कई मंदिर बनाए थे, आज यहाँ हिन्दू धर्म से संबंधित नौ मंदिर एवं एक जैन धर्मशाला स्थित है। इसे 1987 ई. में यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।

247. निम्नलिखित में से किस राजा ने गंगैकोंडा चोलापुरम मंदिर का निर्माण किया था?

(a) राजेन्द्र चोला I (b) कुलोतुंग चोला III
(c) राज राज चोला III (d) विक्रम चोला

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (a) गंगैकोण्डाचोलापुरम् मंदिर का निर्माण राजेन्द्र चोल–I ने 1035 ई. में करवाया था।

248. निम्नलिखित में से कौन सी गुफाओं की खुदाई राजा खारवेल द्वारा की गई थी?

(a) अजंता की गुफाएँ (b) एलोरा की गुफाएँ
(c) कान्हेरी गुफाएँ (d) खंडगिरि गुफाएँ

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (d) कलिंग नरेश खारवेल ने खंडगिरि की गुफाओं की खुदवाई करवाई थी। ये गुफाएँ ओडिशा क्षेत्र में जैन एवं बौद्ध धर्म के प्रभावों को दर्शाती है। खंडगिरि की गुफाओं की संख्या 15 तथा इनकी ऊँचाई 118 फुट है।

249. निम्नलिखित में से किस साम्राज्य के दौरान चेन्नाकेसवा मंदिर का निर्माण किया गया था?

(a) होयसल (b) यादव
(c) चोला (d) पाल

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (a) होयसल (Hoysal) साम्राज्य के दौरान कर्नाटक के बेलूर में चेन्नाकेसवा (Chennakesava) मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में होयसल राजा विष्णुवर्धन द्वारा करवाया गया था। केशव मंदिर की दीवारों पर देवताओं की छवियों, देवी, संगीतकारों, शेर, बंदर, हाथी, नृत्य करती लड़कियों से नक्काशी की गयी है।

250. तमिलनाडु स्थित महाबलीपुरम् में इमारतों का समूह निर्मित किया गया?

(a) चोलों द्वारा (b) पांडयो द्वारा
(c) चालुक्यों द्वारा (d) पल्लवों द्वारा

RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-III) Stage IInd

Ans : (d) तमिलनाडु स्थित महाबलीपुरम् में इमारतों के समूह का निर्माण पल्लवों द्वारा किया गया था। यह प्राचीन शहर अपने भव्य मंदिरों, स्थापत्य और सागर तटों के लिए बहुत प्रसिद्ध है। सातवीं शताब्दी में यह शहर पल्लवों की राजधानी थी, जो द्रविड़ वास्तुकला की दृष्टि से अग्रणी स्थान रखता है।

251. शोर मंदिर कहाँ पर स्थित है?

(a) महाबलीपुरम (b) तिरूवनंतपुरम
(c) द्वारका (d) विशाखापत्तनम

RRB NTPC 04.04.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (a) शोर मन्दिर महाबलीपुरम में स्थित है। शोर मन्दिर दक्षिण भारत के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक माना जाता है, जिसका निर्माण नरसिंह वर्मन द्वितीय ने करवाया था। यह द्रविड़ शैली का बेहतरीन नमूना है। शोर मन्दिर के भीतर तीन मन्दिर हैं जिसमें बीच में भगवान विष्णु का मन्दिर है तथा इसके दोनों तरफ शिव मन्दिर है।

252. कांचीपुरम में कैलाशनाथम मन्दिर का निर्माण किसके शासनकाल में हुआ था?

(a) पांडया (b) चोल
(c) पल्लव (d) चेर

RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-II) Stage IInd

Ans : (c) कांचीपुरम (तमिलनाडु) के कैलाशनाथम मंदिर (राजसिद्धेश्वर मंदिर) का निर्माण पल्लव वंश के शासक नरसिंह वर्मन–II (680-720 ई.) ने कराया था। इसी मंदिर से द्रविड़ स्थापत्य कला की शुरुआत हुई।

253. 'तांत्रिक योगिनी' (Tantric Yogini) पंथ का मूल स्थान ..... माना जाता है–

(a) उत्तर प्रदेश (b) बिहार
(c) ओडिशा (d) राजस्थान

RRB NTPC 30.03.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (c) तांत्रिक योगिनी पंथ का मूल स्थान ओडिशा को माना जाता है। आज भारत में केवल चार चौसठ योगिनी मंदिर ही हैं और अन्य नष्ट हो चुके हैं। इन चार में से दो मध्य प्रदेश (खजुराहो एवं भेड़ाघाट) एवं दो ओड़िशा (हीरापुर एवं रानीपुर झारियाल) में है।

254. गांधार कला एक बौद्ध दृश्य कला शैली, जिसका विकास प्रथम शताब्दी ई. पू. तथा 4वीं शताब्दी ई.पू. में व्यापक तौर पर.....के साम्राज्य में समृद्ध हुआ।

(a) कुषाण (b) गुप्त
(c) पल्लव (d) मौर्य

RRB NTPC 17.01.2017 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (a) गांधार कला को ग्रीको-बौद्धिष्ट कला भी कहते हैं क्योंकि इसमें भारतीय विषयों को यूनानी ढंग से व्यक्त किया गया था। सामान्यत: गांधार कला का विकास पहली शताब्दी से चौथी शताब्दी के मध्य कुषाण वंशीय शासकों के काल में हुआ।

255. श्रवणबेलगोला कहां पर स्थित है?

(a) ओडिशा (b) केरल
(c) तमिलनाडु (d) कर्नाटक

RRB NTPC 30.03.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (d) श्रवणबेलगोला कर्नाटक राज्य के मैसूर शहर में स्थित है। यहाँ का मुख्य आकर्षण गोमतेश्वर/बाहुबली स्तम्भ है। बाहुबली मोक्ष प्राप्त करने वाले प्रथम तीर्थंकर थे। प्राचीनकाल में यह स्थान जैन धर्म एवं संस्कृति का महान केन्द्र था। जैन अनुश्रुति के अनुसार मौर्य सम्राट चन्द्रगुप्त ने अपने राज्य का परित्याग कर अंतिम दिन मैसूर के श्रवणबेलगोला में व्यतीत किये।

256. वह ऐतिहासिक जगह चुने जो ग्वालियर, मध्य प्रदेश में नहीं है?

(a) जयविलास महल (b) रानी लक्ष्मीबाई की समाधि
(c) गोलकोंडा किला (d) तेली का मंदिर

RRB NTPC Stage Ist 30.04.2016 (Shift-II)

Ans : (c) गोलकोंडा का किला हैदराबाद नगर (तेलंगाना) से 11 किमी. की दूरी पर पश्चिम में स्थित है।
जयविलास महल ग्वालियर में स्थित सिन्धिया राज परिवार का वर्तमान निवास स्थल और एक संग्रहालय है। रानी लक्ष्मीबाई की समाधि ग्वालियर के फूल बाग में स्थित है तथा तेली का मंदिर ग्वालियर किले में स्थित है।

15. राजपूत राजवंश (Rajput Dynasty)

257. दिल्ली स्थित जंतर-मंतर का निर्माण महाराजा .....करवाया था।

(a) जयपुर के जयसिंह प्रथम (b) जयपुर के जयसिंह द्वितीय
(c) राम सिंह प्रथम (d) बिशन सिंह

RRB NTPC 06.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (b) दिल्ली स्थित जंतर–मंतर का निर्माण 1724 ई. में महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने करवाया था। यह इमारत प्राचीन भारत की वैज्ञानिक उन्नति का प्रमाण है। इस वेधशाला में विभिन्न प्रकार के उपकरण ग्रहों की गति नापने के लिए लगाए गये है। यहाँ का सबसे बड़ा यंत्र 'सम्राट यंत्र' है। सूर्य की सहायता से सम्राट यंत्र वक्त और ग्रहों की स्थिति की जानकारी देता है। इसी प्रकार की वेधशालाओं का निर्माण महाराजा जयसिंह द्वितीय ने जयपुर, उज्जैन, मथुरा तथा वाराणसी में करवाया था।

258. महाराजा सवाई जयसिंह (Maharaja Sawai Jai Singh) द्वारा निर्मित जंतर-मंतर (Jantar Mantar) क्या है?

(a) भूदृश्य (लैंडस्केप)
(b) संग्रहालय
(c) किला
(d) खगोलीय वेधशाला (एस्ट्रोनॉमिकल ओब्सर्वेटरी)

RRB NTPC Stage Ist 30.04.2016 (Shift-III)

Ans : (d) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

259. कितने शहरों में महाराजा जयसिंह II ने जंतर मंतर का निर्माण करवाया ?

(a) पाँच (b) तीन
(c) एक (d) दो

RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-II) Stage IInd

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

260. टॉवर ऑफ विक्ट्री, विजयस्तम्भ ..... में स्थित है।

(a) उत्तर प्रदेश (b) राजस्थान
(c) ओडिशा (d) बिहार

RRB NTPC Stage Ist 26.04.2016 (Shift-I)

Ans : (b) टॉवर ऑफ विक्ट्री (विजय स्तम्भ), राजस्थान के चित्तौड़गढ़ किले में स्थित एक स्तम्भ है, जिसे मेवाड़ नरेश राणा कुम्भा ने महमूद खिलजी के नेतृत्व वाली मालवा और गुजरात की सेनाओं पर विजय के स्मारक के रूप में सन् 1440 और 1448 के मध्य बनवाया था। यह राजस्थान पुलिस और राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का प्रतीक है।

261. चित्तौड़गढ़, किस वंश की राजधानी थी?

(a) चौहान (b) सिसोदिया
(c) हाड़ा (d) राठौड़

RRB NTPC 16.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (b) चित्तौड़गढ़ सिसोदिया वंश के शासक की राजधानी थी। हम्मीर देव ने सिसोदिया वंश की स्थापना की थी।

262. साहित्य के प्रख्यात समर्थक राजा भोज, किस वंश से जुड़े थे?

(a) चालुक्य (b) चोल
(c) परमार (d) पाल

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (c) साहित्य के प्रख्यात समर्थक राजा भोज, परमार वंश से जुड़े थे। परमार वंशीय राजाओं ने मालवा की राजधानी धारानगरी में नवीं शताब्दी से लेकर चौदहवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध तक राज किया था।

263. निम्न में से किसने माउंट आबू के पास कायादारा गांव में गोरी राजवंश के मोहम्मद गोरी को हराया था?

(a) भीमदेव सोलंकी प्रथम (b) कुलोथुंगा चोला प्रथम
(c) भीमदेव सोलंकी द्वितीय (d) कुलोथुंगा चोला द्वितीय

RRB NTPC 07.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (c) भीमदेव सोलंकी द्वितीय ने माउंट आबू के पास 1178 ई. में कायादारा गांव में गोरी राजवंश के मोहम्मद गोरी को हराया था।

16. प्राचीनकालीन विविध (Ancient Period Miscellaneous)

264. विक्रम संवत कैलेंडर, ग्रेगोरियन कैलेंडर से _____ वर्ष आगे है।

(a) 46.7 (b) 66.7
(c) 56.7 (d) 76.7

RRB NTPC 21.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : विक्रम संवत का आरम्भ 57 या 58 ईसा पूर्व माना जाता है। इसकी शुरुआत राजा विक्रमादित्य ने किया था। ग्रेगोरियन कैलेंडर (ईसाई कैलेण्डर/जूलियन कैलेण्डर) ईसाई धर्म गुरु ईसा मसीह के जन्म वर्ष पर आधारित है। इसे 1582 ई. में पोप ग्रेगरी 13वें द्वारा शुरु किया गया था। विक्रम संवत, ग्रेगोरियन कैलेण्डर से 56.7 वर्ष आगे है। ग्रेगोरियन कैलेण्डर विश्व में सर्वाधिक प्रचलित कैलेण्डर हैं। इसके अनुसार जनवरी वर्ष का प्रथम महीना है।

265. कागज़ का आविष्कार किसने किया?

(a) महावीराचार्य (b) बौधायन
(c) कै लुन (d) वराहमिहिर

RRB NTPC 19.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : ऐसा माना जाता है कि चीन के कै लुन (cai Lun) ने 202 ई. पू. में कागज का आविष्कार किया था। इन्होंने इसके लिए बाँस व रेशम के टुकड़ों का उपयोग किया था।

266. भारत के किस राज्य को प्राचीन समय में कामरूप के नाम से जाना जाता था ?

(a) असम (b) बिहार
(c) उड़ीसा (d) पश्चिम बंगाल

RRB NTPC 29.03.2016 (Shift-II) Stage Ist
RRB NTPC 09.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : भारत के असम राज्य को प्राचीन समय में कामरूप के नाम से जाना जाता था। वर्तमान में कामरूप असम राज्य के पश्चिमी भाग में भौगोलिक क्षेत्र के रूप में सीमित है जो मानस नदी और बोड़नदी नदी के बीच में स्थित है।

267. निम्नलिखित में से कौन-सा भारतीय दर्शन के छः स्कूलों में से एक है ?

(a) पद्म (b) आस्तिक
(c) श्रुती (d) योग

RRB NTPC 25.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : भारतीय दर्शन में छः स्कूल हैं - वैशेषिक, न्याय, सांख्य, योग, पूर्व मीमांसा तथा वेदांत। 'योग' भारतीय दर्शन के 6 स्कूलों का हिस्सा हैं। योग शब्द का उल्लेख सबसे पहले ऋग्वेद में किया गया है और कई उपनिषदों में भी इसका उल्लेख किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, को मनाया जाता है। योग दिवस, 2024 का विषय 'स्वयं और समाज के लिए योग' था। पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2015 को मनाया गया था।

268. प्राचीन समय में, किसी व्यक्ति को वस्तु के साथ तौला जाता था और उसी भार मात्रा के सामान उस वस्तु को दान कर दिया जाता था। इस प्रथा को क्या बुलाया जाता था?

(a) तिमिथि (b) पुलीकली
(c) तुलाभार (d) जल्लीकट्टू

RRB NTPC 10.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : प्राचीन समय में किसी व्यक्ति को वस्तु के साथ तौला जाता था और उसी भार के समान उस वस्तु को दान कर दिया जाता था। इस प्रथा को तुलाभार बुलाया जाता था।

269. महाभारत के अनुसार भीम और हिडिम्बा का पोता कौन था?

(a) बर्बरीक (b) इरावन
(c) परीक्षित (d) बभ्रुवाहन

RRB NTPC 13.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : महाभारत के अनुसार भीम और हिडिम्बा का पोता बर्बरीक था। बर्बरीक महान पाण्डव भीम के पुत्र घटोत्कच और नागकन्या अहिलावती के पुत्र थे।

270. पुरातत्वविद् बी. बी. लाल ने मेरठ जिलें के हस्तिनापुर में कब खुदाई कराई थी?

(a) 1962-63 (b) 1951-52
(c) 1957-58 (d) 1949-50

RRB NTPC 17.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : पुरातत्वविद् डा. बी.बी. लाल के नेतृत्व में 1951-52 में हस्तिनापुर में एक टीले का उत्खनन किया गया। जहाँ से काँच और क्रिस्टल से बने रंगीन बर्तनों के अवशेष प्राप्त हुए हैं जो करीब 4000 वर्ष पुराने हैं। ये अवशेष महाभारतकालीन सभ्यता के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

271. पद्मनाभ स्वामी मंदिर इनमें से किस शहर में स्थित है?

(a) चेन्नई (b) मदुरै
(c) मैसूर (d) तिरुवनंतपुरम

RRB NTPC 15.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : पद्मनाभ स्वामी मंदिर भारत के केरल राज्य के तिरूवनन्तपुरम् में स्थित भगवान विष्णु को समर्पित एक प्रसिद्ध हिन्दू मन्दिर है। यह मंदिर दक्षिण भारतीय वास्तुकला का अद्भुत नमूना है। यह मंदिर केरल की संस्कृति एवं साहित्य का अनूठा संगम है।

272. महाभारत युद्ध .....दिनों तक चला था।

(a) 17 (b) 18
(c) 19 (d) 21

RRB NTPC 11.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (b) वेद व्यास द्वारा रचित महाभारत के युद्ध में पाण्डवों की केवल 7 अक्षौहिणी सेना ने कौरवों की 11 (ग्यारह) अक्षौहिणी सेना को परास्त किया था। यह युद्ध 18 दिनों तक चला था।

273. ..... की अवधारणा अंधविश्वास भरी मान्यताओं पर आधारित है।

(a) चेकर
(b) सोलिटैर
(c) शतरंज
(d) साँप और सीढ़ी

RRB NTPC 19.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (d) साँप और सीढ़ी की अवधारणा अंधविश्वास भरी मान्यताओं पर आधारित है। इसका आविष्कार द्वितीय शताब्दी ईसा पूर्व भारत में हुआ था। भारत में इसे 'मोक्ष पातम्' या 'परम् पदम' कहते है। पहले इसका प्रयोग बच्चों को हिन्दू धर्म के मूल सिद्धान्तों की शिक्षा देने के लिए किया गया था।

274. सबसे पहले पहिये किससे बने थे?

(a) रबर (b) काँच
(c) लकड़ी (d) लोहा

RRB NTPC 29.03.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (c) लकड़ी के पहिए का आविष्कार सबसे पहले 3500 ई.पू. मेसोपोटामिया (इराक) में हुआ था। इस पहिए को लकड़ी के कई तख्तों से जोड़कर बनाया जाता था तथा इसका आविष्कार सुमेरियन सभ्यता के काल में हुआ था।

मध्यकालीन इतिहास (Medieval History)

1. अरब एवं तुर्की आक्रमण (महमूद गजनवी, मुहम्मद गोरी) (Invasion of Arab and Turks (Mahmud Ghaznavi, Muhammad Ghori)

275. नीचे दिए गए शासकों का सही कालानुक्रम क्या है?

(1) तैमूर (2) महमूद गजनवी
(3) चंगेज खाँ (4) मुहम्मद गौरी
(a) 2, 4, 1, 3 (b) 2, 3, 3, 1
(c) 2, 4, 3, 1 (d) 4, 2, 3, 1

RRB NTPC 12.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : शासकों का सही कालानुक्रम है —
* महमूद गजनवी – 998–1030 ई॰
* मुहम्मद गौरी – 1173–1206 ई॰
* चंगेज खाँ – 1206–1227 ई॰
* तैमूर – 1370–1405 ई॰

276. पुस्तक तहकीक मा लिल-हिंद किसने लिखी है?

(a) मेगस्थनीज (b) अल-मसूदी
(c) इब्न बतूता (d) अल-बरूनी

RRB NTPC 01.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : अल-बरूनी एक फारसी विद्वान लेखक, वैज्ञानिक, धर्मज्ञ तथा विचारक था। इनका जन्म खीवा (ख्वारिज्म) में सन् 973 ई. में हुआ था जो अब उज्बेकिस्तान में है। वह महमूद गज़नवी के साथ भारत आया था। वह पहला मुस्लिम लेखक था जिसने भारत की संस्कृति और परपंरा के बारे में व्यापक अध्ययन किया। अलबरूनी ने खगोलशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र, गणित, साहित्य आदि विषयों पर किताबें लिखी। इन्होंने तहकीक मा लिल-हिन्द पुस्तक लिखी थी।

277. अल-बरूनी ने अपनी पुस्तक 'किताब-उल-हिंद' (मिन मकाला) किस भाषा में लिखी थी ?

(a) संस्कृत (b) अरबी
(c) फारसी (d) सीरियाई

RRB NTPC 15.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : किताब-उल-हिन्द ग्रंथ के लेखक अलबरूनी है। यह अरबी भाषा में लिखी गई पुस्तक है। यह पुस्तक 11वीं शताब्दी की भारतीय सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जानकारी का प्रमुख स्रोत है। अलबरूनी प्रथम मुस्लिम था, जिसने संस्कृत सीखा तथा गीता एवं पुराणों का अध्ययन किया। अलबरूनी गीता से बहुत प्रभावित था।

278. उज़्बेकिस्तान का कौन सा यात्री 11वीं शताब्दी में भारत आया था ?

(a) महमूद वली बलखी (b) अल-बरूनी
(c) सयदी अली रईस (d) इब्न बतूता

RRB NTPC 04.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : अल बरूनी उज्बेकिस्तान से 11वीं शताब्दी में महमूद गजनवी के साथ भारत आया था। इब्नबतूता मुहम्मद बिन तुगलक के शासन के दौरान मोरक्को से भारत आया था। 'रेहला' इब्नबतूता की सबसे प्रसिद्ध पुस्तक है।

279. फारसी विद्वान अल-बेरूनी, अफगानिस्तान और भारत पर हमले के दौरान किस आक्रमणकारी के साथ था?

(a) महमूद गज़नवी (b) मुहम्मद गोरी
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) सिकंदर

RRB NTPC 18.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

2. (i) दिल्ली सल्तनत (Delhi Sultanate) — गुलाम वंश (Slave Dynasty)

280. मामलुक साम्राज्य का कौन सा/सी शासक 1236 से 1240 तक दिल्ली का / की सुल्तान था/ थी?

(a) आराम शाह (b) रज़िया सुल्तान
(c) रूकनुद्दीन फ़िरोज़ (d) नसीरुद्दीन महमूद

RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-III)
RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-III)
RRB NTPC (Stage-2) 12/04/2016 (Shift-II)

Ans. (b) : मामलुक साम्राज्य 1206-1290 तक चला। 1236 में इल्तुतमिश के मृत्यु के बाद कमजोर शासकों की शृंखला सत्ता में बनी रही। 1236 ई. में इल्तुतमिश की पुत्री रजिया दिल्ली की सुल्तान बनी, जो 1240 तक बनी रही। यह भारत की प्रथम मुस्लिम महिला शासिका थी जिसका जन्म 1205 में हुआ था। रजिया बहुत ही बुद्धिमान, एक श्रेष्ठ प्रशासक और बहादुर योद्धा थी।

281. 'दास वंश' की स्थापना किसने की थी ?

(a) कुतुबुद्दीन ऐबक (b) रजिया सुल्तान
(c) गयासुद्दीन बलबन (d) नसीरुद्दीन महमूद

RRB NTPC 30.12.2020 (Shift-I) Stage Ist
RRB NTPC 31.03.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : दिल्ली सल्तनत में कुतुबुद्दीन ऐबक ने गुलाम वंश या दास वंश की स्थापना 1206 ई. में किया था। वह मुहम्मद गोरी का गुलाम था। 1206 ई. से 1290 ई. तक 'दिल्ली सल्तनत' पर शासन करने वाले तुर्क सरदारों को 'गुलाम वंश' (दास वंश) या मामलूक वंश का शासक माना जाता है। इस काल में कुतबी (कुतुबुद्दीन ऐबक), शम्शी (इल्तुतमिश) तथा बलबनी (बलबन) नामक राजवंशों ने शासन किया।

282. इनमें से किसके द्वारा दिल्ली सल्तनत में इक्ता (Iqta) प्रणाली को संस्थागत रूप में लागू किया गया था?

(a) इल्तुतमिश (b) गयासुद्दीन बलबन
(c) कुतब-उद-दिन-ऐबक (d) आराम शाह

RRB NTPC 08.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : इल्तुतमिश ने इक्ता प्रणाली की शुरूआत 1226 ई. में की थी। इक्ता एक भूखंड होता था जिसके नियंत्रणकर्ता को मुक्ती या वली कहा जाता था। यह इस भू-क्षेत्र में कानून व्यवस्था के साथ भू-राजस्व की वसूली करवाता था तथा इस राजस्व का एक हिस्सा केन्द्र को फवाजिल के रूप में भेजता था। इक्तादार का पद वंशानुगत न होकर समय-समय पर स्थानांतरित होता रहता था जो इसे नौकरशाही रूप देता था।

283. 'अमीर-अल-खयाल' एक अरबी उपाधि है, जिसका अनुवाद सामान्यतः 'कमांडर ऑफ द फेथफुल' या 'लीडर ऑफ द फेथफुल' के रूप में किया जाता है। निम्नलिखित में से किसे यह उपाधि प्रदान की गयी थी?

(a) मुइज-उद-दीन बहराम
(b) जमाल-उद-दीन याकूत
(c) मलिक इख्तियार-उद-दीन अल्तुनिया
(d) नसीरुद्दीन मुहम्मद

RRB NTPC 31.07.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : जमाल-उद्-दीन याकूत एक अफ्रीकी सिद्दी गुलाम कुलीन था, जो रजिया सुल्ताना का विशेष कृपापात्र था। वह रजिया का करीबी सलाहकार और दोस्त था। रजिया सुल्तान ने उसे शाही अस्तबल के प्रशासक के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया था। उसने याकूत को अमीर-अल-खयाल (घोड़ों का अमीर) और बाद में अमीर अल-उमरा (अमीर का अमीर) की उपाधि से सम्मानित किया।

284. सल्तनत शासक गियासुद्दीन बलबन ने किस अवधि के दौरान दिल्ली पर कब्जा कर यहाँ शासन किया था ?

(a) 1206 - 1223 (b) 1290 - 1322
(c) 1266 - 1287 (d) 1321 - 1334

RRB NTPC 23.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : सल्तनत शासक गियासुद्दीन बलबन ने 1266 – 1287 तक दिल्ली पर कब्जा कर यहां शासन किया था।
गियासुद्दीन बलबन गुलाम वंश का 9वाँ सुल्तान था। इल्तुतमिश ने ग्वालियर को जीतने के बाद बलबन को खरीद लिया था। रजिया सुल्तान ने उसे 'अमीर-ए-शिकार' का पद दिया। बलबन इल्बरी जाति का तुर्क था। यह मंगोलों के आक्रमण से दिल्ली की रक्षा करने में सफल रहा। बलबन ने राजदरबार में सिजदा (घुटने पर बैठकर सिर झुकाना) एवं पाबोस (सुल्तान के पैर चूमना) प्रथा की शुरूआत की तथा अपने विरोधियों के प्रति कठोर 'लौह एवं रक्त' नीति का पालन किया। नासिरूद्दीन महमूद ने बलबन को 'उलूग खां' की उपाधि प्रदान की।

285. इनमें से किसकी मृत्यु चौगान (Chaugan) खेलने के दौरान हुई थी?

(a) कुतुबुद्दीन ऐबक (b) फ़िरोज शाह तुगलक़
(c) अलाउद्दीन खिलज़ी (d) इल्तुतमिश

RRB NTPC 06.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : कुतुबुद्दीन ऐबक (1206-1210) की मृत्यु 1210 ई. में लाहौर में चौगान (पोलो) खेलते समय घोड़े से गिरकर हो गयी थी। ऐबक का मकबरा लाहौर में स्थित है। कुतुबुद्दीन, मुहम्मद गोरी का दास था।
- ऐबक ने उत्तर भारत में पहली मस्जिद ''कुव्वत-उल-इस्लाम'' का निर्माण दिल्ली में करवाया था, जो विष्णु मंदिर के स्थान पर बनवायी गयी।
- अजमेर में संस्कृत विश्वविद्यालय के स्थान पर ढाई दिन का झोपड़ा का निर्माण करवाया तथा सूफी संत कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की याद में कुतुब मीनार का निर्माण करवाया।

कुतुबुद्दीन को लाखबख्श (लाखों का दान करने वाला), कुरानख्वां (सुरीले स्वर में कुरान पढ़ने के कारण) कहा जाता है।

286. भारत में 'सिजदा (Sijda)' प्रथा किसने शुरू की थी?

(a) इल्तुतमिश (b) कुतुबुद्दीन ऐबक
(c) गियास-उद्-दीन बलबन (d) रजिया सुल्तान

RRB NTPC 03.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : सिजदा और पैबोस प्रथा गियासुद्दीन बलबन ने शुरू किया। सिजदा का अर्थ झुककर सुल्तान के चरणों में सलाम करना तथा पैबोस का अर्थ सुल्तान के पैरों को चूमना है। इन अमानवीय प्रथाओं को मुगल बादशाह अकबर ने समाप्त कर दिया।

287. ..... ने 'नौरोज' नामक प्रसिद्ध फारसी त्यौहार की शुरुआत की।

(a) नसीरुद्दीन महमूद (b) गियासुद्दीन बलबन
(c) शमसुद्दीन क्यूमर्स (d) बुगरा खान

RRB NTPC 31.07.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : गियासुद्दीन बलबन ने 'नौरोज' नामक प्रसिद्ध फारसी त्योहार की शुरूआत की जिसे फारसी में 'नया साल' भी कहा जाता है और मुख्यतः ईरानियों द्वारा दुनिया भर में मनाया जाता है। यह मूलतः प्रकृति प्रेम का उत्सव है।

288. निम्नलिखित में से दिल्ली सल्तनत का सही क्रम क्या है?

(a) गुलाम → तुगलक → खिलजी → लोदी
(b) गुलाम → खिलजी → तुगलक → लोदी
(c) गुलाम → लोदी → खिलजी → तुगलक
(d) तुगलक → खिलजी → गुलाम → लोदी

RRB NTPC Stage Ist 26.04.2016 (Shift-III)

Ans : (b) 1206 ई. से 1526 ई. के बीच की अवधि को दिल्ली सल्तनत की अवधि के रूप में जाना जाता है। दिल्ली सल्तनत में मुख्यत: पाँच राजवंश शामिल है, जो निम्नवत् है–
मामलूक वंश या गुलाम वंश (1206 ई. – 1290 ई.)
खिलजी वंश (1290 ई. – 1320 ई.)
तुगलक वंश (1320 ई. – 1414 ई.)
सैय्यद वंश (1414 ई. – 1450 ई.)
लोदी वंश (1451 ई. – 1526 ई.)

2(ii) खिलजी वंश (Khilji Dynasty)

289. कौन सा शासक कुतुबमीनार के निकट अलाई मीनार बनवाना चाहता था, लेकिन इसका निर्माण कार्य पूर्ण नही हो सका?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) नासीरूद्दीन महमूद
(c) रजिया सुल्तान (d) इल्तुतमिश

RRB NTPC 21.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : कुतुबमीनार के उत्तर में अधूरी बनी अलाई मीनार का निर्माण अलाउद्दीन खिलजी ने करवाया था। इसकी ऊँचाई 24.5 मीटर है। अलाउद्दीन खिलजी की मृत्यु हो जाने के कारण यह मीनार अधूरी रह गई। अलाई मीनार को कुश्क-ए-सीरी भी कहा जाता है।

290. निम्नलिखित में से किसने अपने सैनिकों के लिए सैन्य (गैरिसन) शहर सीरी का निर्माण किया ?

(a) मोहम्मद तुगलक (b) गयास-उद्-दीन तुगलक़
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) कुतुब-उद्-दीन ऐबक

RRB NTPC 26.07.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : अलाउद्दीन खिलजी ने 1303 ई.में सैन्य शहर सीरी (दूसरी दिल्ली) की नींव रखी। उसने सीरी शहर की पानी की जरुरत को पूरा करने के लिए हौज-ए-खास नामक जलाशय का भी निर्माण करवाया। इसने कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद के दक्षिणी प्रवेश द्वार के रूप में अलाई दरवाजा का निर्माण करवाया।

291. रानी पद्मावती का संबंध किस शहर से है?

(a) पुष्कर (b) जोधपुर
(c) चित्तौड़गढ़ (d) उदयपुर

RRB NTPC 31.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : रानी पद्मावती का संबंध चित्तौड़गढ़ से है। यह चित्तौड़गढ़ के राजा रतनसिंह की पत्नी थीं। अलाउद्दीन खिलजी ने जब चित्तौड़ पर 1303 में आक्रमण किया, तब वहां के शासक राजा रतनसिंह थे। अलाउद्दीन से 7 माह तक युद्धरत् होने के पश्चात रतनसिंह ने पराजय स्वीकार कर आत्म-समर्पण कर दिया जिसे अलाउद्दीन ने बंदी बना लिया। अलाउद्दीन का किले पर अधिकार हो गया और रानी पद्मावती ने अनेक स्त्रियों के साथ जौहर कर लिया।

292. अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल में राज्य द्वारा निम्नलिखित में से किस प्रकार का कर नहीं लगाया गया था ?

(a) लघु उद्योगों पर कर (b) कृषि पर कर
(c) आवास पर कर (d) मवेशियों पर कर

RRB NTPC 05.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : अलाउद्दीन खिलजी (1296-1316) दिल्ली सल्तनत के खिलजी वंश का दूसरा शासक था। 'अलाउद्दीन खिलजी' खिलजी वंश का प्रथम सुल्तान था जिसने भूराजस्व तथा सैन्य क्षेत्र में बहु-आयामी सुधार किया। अलाउद्दीन खिलजी ने वास्तविक उपज के आधार पर लगान की राशि निश्चित की। इसने कृषि पर कर के तहत भू राजस्व की दर को उपज का 1/2 भाग कर दिया। अलाउद्दीन खिलजी ने दो नये कर लगाए। पहला 'चराई कर' जो दुधारू पशुओं पर लगाया जाता था तथा 'गढ़ी कर' जो घरों (आवास) एवं झोपड़ी पर लगाया जाता था।

293. 13वीं सदी में बख्तियार खिलजी (Bakhtiyar Khalji) ने बंगाल के किस राजा को पराजित किया था?

(a) महीपाल (b) लक्ष्मणसेन
(c) शशांक (d) गृहवर्मन

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (b) 13वीं सदी में तुर्की शासक बख्तियार खिलजी (Bakhtiyar Khalji) ने बंगाल के शासक लक्ष्मणसेन (Lakshmana sen) को पराजित किया था। लक्ष्मणसेन बंगाल के सेन राजवंश के चौथे शासक और एकीकृत बंगाल के आखिरी हिन्दू प्रशासक थे। उनकी राजधानी नादिया थी। बख्तियार खिलजी ने बिहार और बंगाल के विजित क्षेत्रों को जीतकर एक प्रांत के रूप में संगठित किया तथा लखनौती को राजधानी के रूप में स्थापित किया।

2(iii) तुगलक वंश (Tughlaq Dynasty)

294. ____के शासनकाल के दौरान निर्मित, बेगमपुरी मस्जिद, दिल्ली में उनकी नई राजधानी, जहांपनाह की प्रमुख मस्जिद थी।

(a) कुतुबुद्दीन ऐबक (b) मुहम्मद तुगलक
(c) गयासुद्दीन तुगलक (d) गयासुद्दीन बलबन

RRB NTPC (Stage-2) 12/06/2022 (Shift-II)

Ans. (b) : बेगमपुरी मस्जिद दिल्ली के जहाँपनाह नगर में स्थित है। इसका निर्माण मोहम्मद बिन तुगलक के काल में हुआ था। मुहम्मद तुगलक ने लगभग 1350 ई. में इसका निर्माण कराया था। जहाँपनाह को दिल्ली के सात नगरों में से चौथा नगर कहा जाता है। जिसे मंगोलों के लगातार हो रहे आक्रमण से बचने के लिए बनवाया गया था जहाँपनाह नगर की सीमा पिथौरागढ़ और सीरी दोनों नगरों के परकोटो को मिलाकर बनायी गई थी।

295. एक प्रसिद्ध यात्री, इब्न बतूता, _____का मूल निवासी था।

(a) मोरक्को (b) यूनान
(c) चीन (d) इटली

RRB NTPC 29.12.2020 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : इब्न बतूता एक अफ्रीकी यात्री, विद्वान तथा लेखक था। उत्तरी अफ्रीका के मोरक्को प्रदेश के प्रसिद्ध नगर तांजियर में 24 फरवरी, 1304 ई. को इनका जन्म हुआ था। इसका पूरा नाम मुहम्मद बिन अब्दुल्ला इब्न बतूता था। इसने लगभग 75,000 मील की यात्रा तय की थी। अपनी यात्रा के दौरान यह मोहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में 1333 ई. में भारत आया था। सुल्तान ने उसका स्वागत किया तथा दिल्ली का काजी नियुक्त किया। उसकी प्रसिद्ध पुस्तक रेहला में मुहम्मद बिन तुगलक के समय की घटनाओं का वर्णन है। वर्ष 1342 ई. में इब्नबतूता सुल्तान के राजदूत की हैसियत से चीनी शासक तोगन तैमूर के दरबार में गया।

296. प्रसिद्ध यात्री और लेखक मुहम्मद इब्नबतूता किस देश से संबंधित हैं, जिन्होंने 14वीं शताब्दी में भारत सहित कई देशों की यात्रा की थी?

(a) लीबिया (b) अल्जीरिया
(c) घाना (d) मोरक्को

RRB NTPC 12.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

297. काकतीय राजवंश का अंत निम्नलिखित में से किसके द्वारा किया गया ?

(a) गुप्त वंशजों (b) चालुक्यों
(c) चोलों (d) दिल्ली सल्तनत

RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : 13वीं शताब्दी में, काकतीय राजवंश को दिल्ली सल्तनत के कई हमलों का सामना करना पड़ा और अंत में 1323 ई. में समाप्त हो गया जब गयासुद्दीन तुगलक ने काकातीय साम्राज्य की राजधानी वारंगल पर कब्जा कर लिया। उल्लेखनीय है कि काकतीय राजवंश का उत्कर्ष 12वीं- 14वीं शताब्दी के दौरान हुआ था। चालुक्य वंश के पतन के बाद 'चोल द्वितीय' एवं 'रुद्र प्रथम' ने इस राजवंश की स्थापना की थी।

298. मोरक्को का प्रसिद्ध यात्री इब्न-बतूता किस काल में भारत आया था?

(a) दिल्ली सल्तनत (b) चंद्रगुप्त मौर्य
(c) ब्रिटिश (d) मुगल

RRB NTPC 25.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : मोरक्को का प्रसिद्ध यात्री इब्न-बतूता 1333 ई. में मुहम्मद बिन तुगलक (दिल्ली सल्तनत) के काल में भारत की यात्रा की थी।

299. 'रिहला' नामक प्रसिद्ध पुस्तक निम्नलिखित में से किसके द्वारा लिखी गई है। जिसमें चौदहवीं शताब्दी में भारतीय उपमहाद्वीप के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन के बारे में अत्यंत समृद्ध और रोचक वर्णन किया गया है ?

(a) इब्नबतूता (b) फ्रांकोइस बर्नियर
(c) ह्वेनसांग (d) अल बरूनी

RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-II)

Ans. (a) : 'रिहला' नामक प्रसिद्ध पुस्तक उत्तरी अफ्रीका के निवासी इब्नबतूता द्वारा लिखी गई है। जिसमें चौदहवीं शताब्दी में भारतीय उपमहाद्वीप के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन के बारे में अत्यंत समृद्ध और रोचक वर्णन किया गया है। 1342 में मुहम्मद तुगलक ने उसे अपना दूत बनाकर चीन भेजा था। मुहम्मद तुगलक ने उसे दिल्ली का काजी नियुक्त किया था। इस पद पर वह आठ वर्षों तक रहा।

300. दिल्ली सल्तनत का सबसे बड़ा विस्तार किसके शासन काल में देखा गया?

(a) मुहम्मद बिन तुगलक (b) गयासुद्दीन बलबन
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) सिंकदर लोदी

RRB NTPC 01.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : इतिहासकारों के मत से 1206 से 1526 तक भारत पर शासन करने वाले पाँच वंश के सुल्तानों के शासन काल को दिल्ली सल्तनत कहा जाता है। ये वंश थे गुलाम वंश (1206-1290), खिलजी वंश (1290-1320) तुगलक वंश (1320-1414), सैय्यद वंश (1414-1450) तथा लोदी वंश (1451-1526)। 1325 ई. में जूँना खाँ, मुहम्मद बिन तुगलक के नाम से दिल्ली के सिंहासन पर बैठा। मुहम्मद बिन तुगलक मध्यकालीन सभी सुल्तानों में सर्वाधिक शिक्षित, विद्वान एवं योग्य व्यक्ति था। इसने 26 वर्षों तक दिल्ली पर शासन किया। इसके शासन काल के दौरान दिल्ली सल्तनत का सर्वाधिक भौगोलिक विस्तार हुआ जिसमें लगभग पूरा भारतीय उपमहाद्वीप शामिल था।

301. प्रसिद्ध कन्नड़ नाटक 'तुगलक', जिसका अन्य भारतीय भाषाओं में भी मंचन किया गया है, के लेखक कौन हैं?

(a) चंद्रशेखर कंबार (b) गिरीश कर्नाड
(c) शिव के कुमार (d) मस्ती वेंकटेश अयंगर

RRB NTPC 14.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : 'तुगलक' गिरीश कर्नाड द्वारा लिखित 1964 का भारतीय कन्नड़ भाषा का नाटक है। तेरह दृश्यों का यह नाटक मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल पर आधारित है। नाटक में नायक तुगलक को महान विचारों और एक भव्य दृष्टि के रूप में चित्रित किया गया है।

302. किस सम्राट ने अपनी राजधानी दिल्ली से दौलताबाद स्थानान्तरित की थी?

(a) फिरोजशाह तुगलक (b) अलाउद्दीन
(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) मुहम्मद गोरी

RRB NTPC 10.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : मुहम्मद बिन तुगलक ने कई प्रशासनिक परिवर्तन किए, जिनमें दोआब में कर वृद्धि, सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन तथा राजधानी दिल्ली से दौलताबाद ले जाना शामिल है। 1351 ई. में उसकी मृत्यु पर इतिहासकार बदायूँनी ने लिखा है कि ''सुल्तान को उसकी प्रजा से और प्रजा को सुल्तान से मुक्ति मिल गई''।

303. मुहम्मद बिन तुगलक ने दिल्ली से अपनी राजधानी किस स्थान पर बदली?

(a) दौलताबाद (b) औरंगाबाद
(c) इलाहाबाद (d) सहारनपुर

RRB NTPC 16.04.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

304. चौदहवीं शताब्दी के दौरान भारत में किसने सोने व चांदी की नियमित मुद्राओं के स्थान पर सस्ती धातुओं से निर्मित सांकेतिक मुद्रा (Token Currency) का उपयोग शुरु किया था?

(a) फिरोजशाह तुगलक (b) मुहम्मद बिन तुगलक
(c) जलालुद्दीन खिलजी (d) अलाउद्दीन खिलजी

RRB NTPC 08.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : मुहम्मद बिन तुगलक ने चौदहवी शताब्दी में सांकेतिक व प्रतीकात्मक सिक्कों का प्रचलन करवाया। सिक्के संबंधी प्रयोग के कारण एडवर्ड टामस ने उसे 'धनवानों का राजकुमार' कहा है। मुहम्मद तुगलक ने 'दोकानी' नाम से सिक्कों का प्रचलन करवाया। किंतु इसका यह प्रयोग असफल हो गया। 12वीं शताब्दी में चीन के शासक कुबलई खाँ ने कागज की मुद्रा चलाई थी, जिसे चाऊ कहा जाता था। उसका यह प्रयोग सफल हुआ था।

2(iv) लोदी वंश (Lodi Dynasty)

305. आगरा शहर को किसने बसाया ?

(a) आलम शाह (b) सिकंदर लोदी
(c) बहलोल लोदी (d) इब्राहिम लोदी

RRB NTPC 10.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : लोदी वंश की स्थापना बहलोल लोदी ने की थी। उसके बाद सिकन्दर लोदी शासक बना। भूमि मापन के लिए 'गज-ए-सिकन्दरी' नामक प्रामाणिक पैमाना सिकन्दर लोदी ने प्रचलित कराया। 1504 ई. में उसने आगरा शहर बसाया तथा 1506 में राजधानी दिल्ली से आगरा ले गया।

3. सल्तनत कालीन स्थापत्य एवं चित्रकला (Art and Architecture in Sultanate Period)

306. कुतुब मीनार के पास स्थित कौन सी मस्जिद के बारे में यह माना जाता है कि वह दिल्ली में बनने वाली पहली मस्जिद थी?

(a) शाही अताला मस्जिद (b) नाखुदा मस्जिद
(c) अदीना मस्जिद (d) कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद

RRB NTPC 21.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : कुतुब मीनार के पास स्थित कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद, भारत में इस्लामी पद्धति पर निर्मित प्रथम मस्जिद मानी जाती है। इसका निर्माण मामलूक वंश (गुलाम वंश) के संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा 1195 से 1199 ई. के मध्य कराया गया था। कुतुबुद्दीन ऐबक, मुहम्मद गोरी का गुलाम था। इसी ने गुलाम वंश की स्थापना की।

307. किला मुबारक स्मारक कहाँ स्थित है?

(a) हरियाणा (b) राजस्थान
(c) उत्तर प्रदेश (d) पंजाब

RRB NTPC 08.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : किला मुबारक पंजाब के बठिंडा में बना है। इस किले का निर्माण लगभग 90 और 110 ई. में हुआ प्रतीत होता है। यह ईंट का सबसे पुराना और ऊँचा किला है। इस किले में पहली महिला शासिका रजिया सुल्तान को उसके ही गवर्नर अल्तुनिया ने कैद कर लिया था। इस किले की बनावट में कुषाण काल की सामग्री का उपयोग किया गया था।

308. इनमें से किसने अजमेर में 'अढ़ाई दिन का झोपड़ा' निर्मित कराया था?

(a) नूरजहाँ (b) कुतुबुद्दीन ऐबक
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) रजिया सुल्तान

RRB NTPC 01.02.2021 (Shift-II) Stage Ist
RRB NTPC 03.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : गुलाम वंश का संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक ने अजमेर में अढ़ाई दिन का झोपड़ा नामक एक मस्जिद का निर्माण करवाया, जो कि पहले प्रसिद्ध चौहान वंशीय शासक विग्रहराज चतुर्थ बीसलदेव द्वारा बनवाया गया एक संस्कृत मठ या सरस्वती मंदिर था। आज भी इस मस्जिद की दीवारों पर बीसलदेव रचित 'हरिकेलि नाटक' और उसके दरबारी कवि सोमदेव कृत 'ललित विग्रह राज' की कुछ पक्तियां देखी जा सकती हैं।

309. कुतुब मीनार जो दुनिया की सबसे ऊँची ईंटों की मीनार है। इसका निर्माण 1193 में दिल्ली सल्तनत के किस संस्थापक के आदेशों के तहत किया गया था?

(a) फिरोज शाह तुगलक
(b) कुतुब–उद्–दीन ऐबक
(c) इल्तुतमिश
(d) कुअली कुतुब शाह

RRB NTPC Stage Ist 29.04.2016 (Shift-II)

Ans : (b) कुतुब मीनार का निर्माण गुलाम वंश के शासक कुतुबु-उद-दीन ऐबक ने सन् 1193 में आरम्भ करवाया और अपने शासनकाल में एक ही मंजिल का निर्माण करवा पाया। उसकी मृत्यु के बाद उसके उत्तराधिकारी इल्तुतमिश ने इसमें तीन मंजिलों का निर्माण के साथ इसे पूर्ण किया। इसके उपरान्त तुगलक शासक फिरोज शाह तुगलक के शासनकाल में प्राकृतिक दुर्घटना में चौथी मंजिल ढह जाने पर उसने पुनः चौथी और पाँचवी (अतिरिक्त मंजिल) का निर्माण 1368 ई. में करवाया। यह मीनार लाल बलुआ पत्थर से बनायी गयी है। दिल्ली स्थित यह मीनार ईंट से बनी विश्व की सबसे ऊँची मीनार है। इसकी ऊँचाई 72.5 मीटर है। कुतुबमीनार को 1993 में यूनेस्कों की विश्व धरोहर स्थल में शामिल किया गया।

310. कुतुब मीनार का निर्माण किसने पूरा करवाया था?

(a) नासीरुद्दीन मुहम्मद
(b) फिरोज शाह तुगलक
(c) कुतुबुद्दीन ऐबक
(d) मुहीउद्दीन मुहम्मद

RRB NTPC 30.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

311. भारतीय–इस्लामी शिल्पकला जो कुतुब मीनार एवं अलाई दरवाजा जैसे स्मारकों में दृष्टिगोचर है, भारत के किस युग से संबंधित है?

(a) वैदिक युग
(b) दिल्ली सल्तनत
(c) मुगल युग
(d) आधुनिक भारतीय युग

RRB NTPC Stage Ist 22.04.2016 (Shift-III)

Ans : (b) दिल्ली सल्तनत (1206–1526 ई.) के प्रमुख भारतीय इस्लामी स्थापत्य कला–

इमारत	शासक	स्थान
अढ़ाई दिन का झोपड़ा	कुतुबुद्दीन ऐबक	अजमेर
कुतुब मीनार	कुतुबुद्दीन ऐबक व इल्तुतमिश	दिल्ली
अलाई दरवाजा	अलाउद्दीन खिलजी	दिल्ली
सीरी का किला, हजार स्तम्भों वाला महल	अलाउद्दीन खिलजी	दिल्ली
शेख निजामुद्दीन औलिया का दरगाह	मुहम्मद तुगलक	दिल्ली
सिकंदर लोदी का मकबरा	इब्राहिम लोदी	दिल्ली

4. विजयनगर/बहमनी साम्राज्य (Vijaynagar/Bahmani Empire)

312. कृष्णदेव राय _____ वंश से संबंधित थे।

(a) तुलुव (b) सालुव
(c) गजपति (d) संगमा

RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : विजयनगर साम्राज्य के प्रसिद्ध शासक कृष्णदेव राय तुलुव वंश (1505-1570 ई.) से संबंधित है। तुलुव वंश की स्थापना वीर नरसिंह ने की थी। इन्होने सालुव वंश के नरेश इम्माडि नरसिंह की हत्या करके स्वयं विजयनगर साम्राज्य पर अधिकार कर लिया और तुलुव वंश की स्थापना की। कृष्णदेव राय अगस्त 1509 ई. को शासक बना तथा सालुव तिम्मा, कृष्णदेव राय का योग्य मंत्री एवं सेनापति था। बाबर ने अपनी आत्मकथा में कृष्णदेव राय को भारत का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक बताया। कृष्णादेव राय के दरबार में तेलुगू साहित्य के 8 विद्धान रहते थे, जिन्हे अष्टदिग्गज कहा जाता था। इनके शासनकाल को तेलुगू साहित्य का क्लासिकल युग कहा जाता है।

313. निम्नलिखित में से किस धरोहर स्थल में वास्तुकला की द्रविड़ स्थापत्य शैली है?

(a) एलोरा (b) हम्पी
(c) कोणार्क (d) खजुराहो

RRB NTPC 08.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : चौदहवीं शताब्दी के दौरान मध्यकालीन भारत के विजयनगर साम्राज्य की राजधानी हम्पी कर्नाटक राज्य में स्थित है। हम्पी को वर्ष 1986 में यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल का दर्जा प्रदान किया गया था। वास्तुकला की द्रविड़ स्थापत्य शैली में निर्मित हम्पी के मंदिरों को उनकी बड़े आयामों, पुष्प अलंकरण, स्पष्ट नक्काशी, भव्य मंडपों तथा मूर्तिकला एवं पारंपरिक चित्र निरूपण के लिए जाना जाता है। हम्पी भारत का सबसे बड़ा ओपेन एयर संग्रहालय भी है। विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई. में हरिहर एवं बुक्का नामक दो भाइयों ने की थी।

314. विट्ठल मंदिर, स्मारकों के इनमें से किस समूह में शामिल है?

(a) हम्पी में स्थित स्मारकों के समूह
(b) महाबलीपुरम में स्थित स्मारकों के समूह
(c) पट्टदकल में स्थित स्मारकों के समूह
(d) खजुराहो में स्थित स्मारकों के समूह

RRB NTPC 11.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : हम्पी में स्थित स्मारकों के समूह मे विट्ठल मन्दिर शामिल है। विट्ठल मन्दिर का निर्माण 15वीं शताब्दी में विजयनगर साम्राज्य के शासकों में से एक कृष्णदेव राय के शासन काल में हुआ था। यह मंदिर भगवान विट्ठल (विष्णु भगवान) को समर्पित है, जो भारतीय मंदिर वास्तुकला की द्रविड़ शैली में निर्मित है।

315. हम्पी का विरूपाक्ष मंदिर किसे समर्पित है?

(a) भगवान शिव (b) भगवान गणेश
(c) भगवान विष्णु (d) भगवान ब्रह्मा

RRB NTPC 08.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : विरूपाक्ष मन्दिर कर्नाटक के बेल्लारी जिले में तुंगभद्रा नदी के किनारे पर हम्पी में स्थित है, जिसे पंपापथी नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। इस मन्दिर का निर्माण चालुक्य शासक विक्रमादित्य द्वितीय की पत्नी लोकमहा देवी ने विक्रमादित्य की कांचीपुरम के पल्लव राजा पर विजय प्राप्त करने के उपलक्ष्य में कराया था। यह द्रविड़ शैली को दर्शाता है। यह मन्दिर यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर में शामिल किया गया है।

316. बुक्का प्रथम (Bukka-I) प्राचीन भारत के इनमें से किस राजवंश का संस्थापक था?

(a) सालुव (b) संगम
(c) तुलुव (d) अराविडू

RRB NTPC 09.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : हरिहर एवं बुक्का द्वारा 1336 में स्थापित विजयनगर साम्राज्य पर कुल 4 वंशों संगम वंश, सालुव वंश, तुलुव वंश व अरावीडु वंश ने शासन किया। बुक्का प्रथम (1356–1377 ई.) को संगम राजवंश के वास्तविक संस्थापक के रूप में जाना जाता हैं। यह हरिहर प्रथम (1336–1356 ई.) के बाद सिंहासन पर बैठा था। इसने 'वेदमार्ग प्रतिष्ठापक' की उपाधि धारण की। सालुव वंश का संस्थापक सालुव नरसिंह (1485-1490 ई.), तुलुव वंश का संस्थापक वीर नरसिंह तथा अरावीडु वंश का संस्थापक तिरूमल थे। बुक्का प्रथम के शासनकाल में विजयनगर, उत्तर में तुंगभद्रा घाटी से दक्षिण में तमिल तथा चेर राज्य (वर्तमान केरल) को मिलाते हुए रामेश्वरम तक विस्तृत था। ज्ञात हो कि शासक कृष्ण देव राय तुलुव वंश से संबंधित थे।

317. बहमनी साम्राज्य की स्थापना किसने की थी?

(a) अलाउद्दीन बहमन शाह (उर्फ़ हसन गंगू)
(b) मीर जाफर
(c) मोहम्मद बिन तुगलक़
(d) फ़िरोज़शाह बहमनी

RRB NTPC 29.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : मुहम्मद बिन तुगलक की सेना का एक सूबेदार, हसनगंगू ने अलाउद्दीन हसन बहमनशाह के नाम से 1347 ई. में बहमनी राज्य की स्थापना की। इसका असली नाम जफर खाँ था। बहमनशाह पहला मुस्लिम शासक था, जिसने हिन्दुओं से जजिया कर न लेने का निर्णय किया। इसने गुलबर्गा को अपनी राजधानी बनाया तथा उसका नाम अहसानाबाद रखा।

318. प्राचीन भारत में वीर नरसिंह इनमें से किस राजवंश के शासक थे?

(a) तुलुव (b) सालुव
(c) संगम (d) अराविडु

RRB NTPC 02.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : विजयनगर साम्राज्य के अंतर्गत तुलुव वंश का प्रथम शासक वीर नरसिंह हुआ जिसने 1505 ई. से 1509 ई. तक शासन किया। आंतरिक अशांति और सामंतवादी सरदारों के विरोध के कारण उसका शासन काल युद्धों में ही व्यतीत रहा। 1509 ई. में उसकी मृत्यु के बाद उसका सौतेला भाई कृष्णदेव राय (1509-29) शासक बना।

319. हम्पी, ...साम्राज्य की राजधानी थी।

(a) विजयनगर (b) परमार
(c) राष्ट्रकूट (d) चोल

RRB NTPC 31.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : हम्पी, विजयनगर साम्राज्य की राजधानी थी। विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई. में हरिहर एवं बुक्का नामक दो भाईयों ने की थी। यहाँ पर चार वंश के शासकों (संगम, सालुव, तुलुव एवं अरावीडु वंश) ने शासन किया। कृष्णदेव राय विजयनगर के सबसे प्रतापी शासक थे, जो तुलुव वंश के थे।

320. वर्तमान समय का ..... विजयनगर साम्राज्य की राजधानी हुआ करती थी।

(a) हम्पी (b) मैसुरू
(c) बेलूर (d) श्रीरंगपट्टणम

RRB NTPC 19.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

321. विजयनगर राजवंश के उस शासक का नाम बताइए, जिसने 16वी शताब्दी में शासन किया।

(a) पुलकेशिन द्वितीय
(b) राजा राज चोल
(c) आदि शंकर
(d) कृष्णदेव राय

RRB NTPC 04.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : विजयनगर साम्राज्य के सबसे प्रतापी शासक कृष्ण देव राय थे, जिन्होंने 16वीं (1509-1529) शताब्दी में शासन किया। कृष्णदेव राय तुलुव राजवंश का प्रतापी राजा था। इसके शासन काल में पुर्तगाली यात्री डोमिंगो पायस विजयनगर आया था। कृष्णदेव राय ने तेलुगू में 'अमुक्तमाल्यद' एवं संस्कृत में 'जाम्बवती कल्याणम' की रचना की तथा नागलापुर नामक नये नगर की स्थापना की। कृष्णदेव राय के शासन काल को तेलुगू साहित्य का क्लासिक युग कहा गया है।

322. गोलकोंडा किला ..... के दौरान बनाया गया था–

(a) विजयनगर साम्राज्य
(b) कुतुब शाही राजवंश
(c) सातवाहन राजवंश
(d) होयसल राजवंश

RRB NTPC 19.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (*) गोलकोंडा किले का निर्माण वारंगल के राजा ने कच्चे किले के रूप में कराया था। बाद में यह बहमनी राजाओं के हाथ में चला गया। 1512 ई. में यह कुतुबशाही राजाओं के अधिकार में आ गया परन्तु कुछ विद्वानों ने इसका निर्माणकर्ता कुतुबशाही राजवंश को भी मानते हैं।

323. प्रसिद्ध गोलकुंडा किला किस राज्य में स्थित है?

(a) मध्य प्रदेश (b) तेलंगाना
(c) कर्नाटक (d) बिहार

RRB NTPC 11.04.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (b) गोलकुण्डा किला तेलंगाना राज्य में अवस्थित है।

324. विजयनगर साम्राज्य के पहले राजा कौन थे?

(a) बुक्काराय (b) कृष्णदेवराय
(c) हरिहर I (d) रामदेवराय

RRB NTPC 16.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (c) विजयनगर साम्राज्य दक्षिण भारत का एक मध्यकालीन साम्राज्य था जिसकी स्थापना हरिहर-I तथा बुक्काराय-प्रथम ने की थी। हरिहर-I इस साम्राज्य का प्रथम राजा (1336-1356 ई.) बना। यह साम्राज्य दक्षिण भारत में लगभग 310 वर्षों तक रहा। विजय नगर की राजधानी हम्पी के अवशेष आज भी कर्नाटक में स्थित है जो यूनेस्को द्वारा घोषित एक विश्व विरासत स्थल है।

325. उस इंजीनियर का नाम बताइए, जो हम्पी के खंडहरों को दुनिया के समक्ष लाया था?

(a) कर्नल कॉलिन मैकेंजी
(b) जेम्स एटकिंसन
(c) मैथ्यू बोल्टन
(d) एडवर्ड बार्लो

RRB NTPC 15.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : हम्पी मध्यकालीन हिन्दू राज्य विजयनगर साम्राज्य की राजधानी था। तुंगभद्रा नदी के तट पर स्थित यह नगर अब मात्र खंडहरों के ही अवशेष के रूप में उपस्थित हैं। इन खंडहरों को कर्नल कॉलिन मैकेंजी द्वारा 1800 ई. में प्रकाश में लाया गया था, मैकेंजी ब्रिटिश इतिहासकार, सर्वेक्षण, मानचित्रकार के रूप में अत्यधिक प्रसिद्ध थे। 1986 में इस प्राचीन शहर को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया।

5. भक्ति एवं सूफी आंदोलन (Bhakti and Sufi Movement)

326. विख्यात महिला-कवयित्री और भगवान कृष्ण की भक्त मीराबाई, वर्तमान.....की एक राजपूत राजकुमारी थीं।

(a) आंध्र प्रदेश (b) राजस्थान
(c) उड़ीसा (d) गुजरात

RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-II)

Ans. (b) : विख्यात महिला कवयित्री और भगवान कृष्ण की भक्त मीराबाई का जन्म मेड़ता (राजस्थान) के चौकारी (कुड़की) गाँव में 1498 में हुआ था। 13 वर्ष की उम्र में मेवाड़ के महाराणा सांगा के पुत्र और युवराज भोजराज से उनका विवाह हुआ। विवाह के कुछ ही साल बाद इनके पति का निधन हो गया। पारिवारिक संतापों से मुक्ति पाने के लिए मीरा घर-द्वार छोड़कर वृंदावन में जा बसी और कृष्णमय हो गई। यह संत रैदास की शिष्या थी। इनकी प्रसिद्ध रचनाएँ है- नरसी जी का मायरा, राग गोविन्द, मीरा का मल्हार, फुटकर पद इत्यादि।

327. 'दासबोध' मुख्य रूप से —— की रचनाओं और उपदेशों का संकलन है।

(a) रामानुज (b) चैतन्य
(c) समर्थ रामदास (d) कबीर

RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-III)

Ans. (c) : दासबोध मराठी संत साहित्य का एक प्रमुख ग्रन्थ है जो 17वीं शताब्दी में महाराष्ट्र के तेजस्वी संत श्री समर्थ रामदास की रचनाओं और उपदेशों का संकलन है। जिसे उन्होने अपने शिष्य कल्याण स्वामी को मौखिक रूप से सुनाया था।

328. माधवाचार्य (12वीं शताब्दी) ने माधव निदान की रचना की, जिसमें _____अध्याय विशिष्ट रूप से रोगों को ज्ञात करने (निदान) पर आधारित हैं।

(a) 90 (b) 69 (c) 96 (d) 60

RRB NTPC (Stage-2) 12/06/2022 (Shift-II)

Ans. (b) : माधवाचार्य (12वीं शताब्दी) ने माधव निदान की रचना की, जिसमें 69 अध्याय विशिष्ट रूप से रोगों को ज्ञात करने (निदान) पर आधारित हैं। माधवनिदान आयुर्वेद का प्रसिद्ध प्राचीन ग्रन्थ है। इसका मूल नाम 'रोगविनिश्चय' है।

329. मीराबाई कहां की राजपूत राजकुमारी थी?

(a) मेवाड़ (b) मेड़ता
(c) सतारा (d) बीजापुर

RRB NTPC 06.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : मीराबाई मेड़ता के महाराजा के छोटे भाई रतन सिंह की एकमात्र संतान थीं। मीरा का विवाह मेवाड़ के सिसोदिया राज परिवार में हुआ था। इनके पति उदयपुर के महाराजा **भोजराज** थे। मीराबाई का जन्म 1498 ई. में पाली के कुड़की गांव में हुआ था। इनकी मृत्यु 1546 ई. में हुई। यह सोलहवी शताब्दी की एक कृष्ण भक्ति कवयित्री थीं। इनके गुरु रैदास थे।

330. विशिष्टाद्वैत दर्शन के संस्थापक कौन थे ?

(a) विष्णु स्वामी (b) माधवाचार्य
(c) निम्बार्क (d) रामानुजाचार्य

RRB NTPC 30.12.2020 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : विशिष्टाद्वैत दर्शन के प्रतिपादक रामानुजाचार्य थे। इस विचारधारा के अनुसार ब्रह्म समस्त सद्गुणों का साकार रूप है। यह निर्गुण सच्चिदानंद नहीं है, वरन् यह सत्यम्, ज्ञानम् और आनन्दम् का साकार रूप है। रामानुज ने सूत्रों पर भाष्य लिखा जिसे श्री भाष्य कहते हैं।

331. 1600 से 1700 की अवधि के धार्मिक शिक्षक मियां मीर किस राज्य से संबंधित थे?

(a) हरियाणा (b) उत्तर प्रदेश
(c) पंजाब (d) कर्नाटक

RRB NTPC 03.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : 16वीं से 17वीं शताब्दी के मध्य धार्मिक शिक्षक मियां मीर पंजाब, लाहौर (आधुनिक पाकिस्तान) से संबंधित थे। वह मुगल सम्राट शाहजहां के सबसे बड़े पुत्र दारा शिकोह के आध्यात्मिक प्रशिक्षक होने के कारण प्रसिद्ध है। मियां मीर ने गुरू अर्जुन देव के अनुरोध पर सिख तीर्थ हरमिंदर साहिब (स्वर्ण मंदिर) की नींव रखी।

332. अजमेर इनमें से किस सूफी संत से संबंधित है ?

(a) ख्वाजा निजामुद्दीन औलिया
(b) ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती
(c) बाबा फरीद
(d) बंदानवाज गिसुदराज

RRB NTPC 03.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : 13 वी सदी के सूफी संत और दार्शनिक ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह 'अजमेर' में है। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती सन् 1192 में मोहम्मद गोरी के साथ भारत आए और इन्होंने ही चिश्तिया परम्परा की नींव डाली। इन्होने हिन्दू रीति रिवाजों को भी अपनाया। जिसमें ईश्वर प्रेम और मानव सेवा उनके प्रमुख सिद्धान्त थे।

333. संत कबीर का जन्म कहां हुआ था?

(a) इलाहाबाद (b) कुशीनगर
(c) वाराणसी (d) मगहर

RRB NTPC 11.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : संत कबीर का जन्म 1440 ई. में (विवादास्पद) उत्तर प्रदेश के वाराणसी के पास लहरतारा में एक विधवा ब्राह्मणी के गर्भ से (लोक श्रुतियों के अनुसार) हुआ था। कबीर की वाणी का संकलन 'बीजक' में हुआ है, जिसमें साखी, सबद एवं रमैनी संकलित है। कबीर दास की मृत्यु 1518 ई. में मगहर (संत कबीर नगर) में हुई।

6. मुगल काल (Mughal Period)

(i) बाबर (Babur)

334. प्रथम मुगल सम्राट बाबर (1526-1530) केवल ..... की आयु में 1494 में फरगाना की गद्दी पर बैठा।

(a) 9 वर्ष (b) 11 वर्ष
(c) 12 वर्ष (d) 7 वर्ष

RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : बाबर का जन्म 14 फरवरी, 1483 को ट्रांस ऑक्सियाना की एक छोटी सी रियासत फरगना में हुआ था। बाबर के पिता उमरशेख मिर्जा फरगना की जागीर का शासक था। पितृ पक्ष की ओर से बाबर तैमूर का पाँचवां वंशज तथा मातृ पक्ष की ओर से चंगेज खान का चौदहवाँ वंशज था। बाबर अपने पिता की मृत्यु के बाद 11 वर्ष की अल्पायु में 1494 ई. में फरगना की गद्दी पर बैठा था।

335. मुगल साम्राज्य के शासन काल के दौरान गैर-मुस्लिम व्यक्तियों पर लगाए गए व्यक्ति कर (poll tax) को निर्दिष्ट करने के लिए किस शब्द का इस्तेमाल किया जाता था?

(a) शरीया (b) शाफिई
(c) जाहिलिया (d) जजिया

RRB NTPC 22.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : जजिया कर गैर-मुस्लिमों से लिया जाने वाला कर था। फिरोजशाह तुगलक ने ब्राह्मणों पर भी जजिया कर लगाया। दिल्ली सल्तनत के शासकों में सर्वप्रथम फिरोजशाह तुगलक ने ही जजिया कर लगाया। इसको समाप्त करने वाला प्रथम मुगल शासक अकबर (1564) था। औरंगजेब ने जजिया कर को पुनः प्रारम्भ कर दिया।

336. बाबर का वास्तविक नाम क्या है?

(a) सलीम (b) खुर्रम
(c) नसरुद्दीन (d) जहीर-उद्-दीन

RRB NTPC 21.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : बाबर का पूरा नाम जहीरुद्दीन मुहम्मद बाबर था। बाबर मुगल साम्राज्य का संस्थापक था। बाबर ने 1526 ई. में मुगल साम्राज्य की स्थापना की। बाबर ने भारत पर पाँच बार आक्रमण किया। 26 दिसम्बर, 1530 ई. को बाबर की आगरा में मृत्यु हो गई। बाबर को आगरा के आरामबाग में दफनाया गया बाद में काबुल में उसके द्वारा चुने गये स्थान पर दफनाया गया। हुमायूँ का पूरा नाम नासिरुद्दीन मुहम्मद हुमायूँ तथा जहाँगीर का नाम नूरुद्दीन मुहम्मद सलीम जहाँगीर था।

337. बाबर ने इब्राहिम लोदी को कब हराया था?

(a) 1761 (b) 1739
(c) 1628 (d) 1526

RRB NTPC 17.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : पानीपत का प्रथम युद्ध 21 अप्रैल, 1526 ई. को जहीरउद्दीन मुहम्मद बाबर और दिल्ली के लोदी वंश के सुल्तान इब्राहिम लोदी के बीच लड़ा गया था। इस युद्ध में बाबर ने इब्राहिम लोदी को परास्त किया था। बाबर ने पानीपत के प्रथम युद्ध से लोदी वंश को समाप्त कर मुगल साम्राज्य की नींव डाली। पानीपत के प्रथम युद्ध में पहली बार 'तुलुगमा युद्ध नीति' एवं तोपखाने का प्रयोग किया था।

338. निम्नलिखित विकल्पों में से उस विकल्प का चयन करें, जो मुगल सम्राटों के कालक्रम को सही क्रम में दर्शाता है।

(a) जहाँगीर - शाहजहाँ - अकबर - औरंगज़ेब
(b) अकबर - औरंगज़ेब - शाहजहाँ - जहाँगीर
(c) अकबर - शाहजहाँ - जहाँगीर - औरंगज़ेब
(d) अकबर - जहाँगीर - शाहजहाँ - औरंगज़ेब

RRB NTPC 23.07.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : भारत में मुगल साम्राज्य के प्रमुख सम्राटों का कालक्रम निम्नवत् है-
हुमायूँ – (1530 ई. – 1540 – पुनः 1555-1556 ई.) तक
अकबर – (1556 ई. - 1605 ई.) तक
जहाँगीर – (1605 ई. - 1627 ई.) तक
शाहजहाँ – (1627 ई. - 1658 ई.) तक
औरंगजेब – (1658 ई. – 1707 ई.) तक
इस प्रकार से मुगल सम्राटों के कालक्रमों का सही क्रम (अकबर-जहाँगीर-शाहजहाँ-औरंगजेब) होगा। मुगल वंश की स्थापना बाबर ने (1526-1530) की थी।

339. मुगल साम्राज्य की स्थापना किसके द्वारा की गई थी?

(a) बाबर (b) हुमायूँ
(c) अकबर (d) शाहजहाँ

RRB NTPC 02.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

340. तुलुघमा (Tulughama) क्या है ?

(a) जहांगीर द्वारा अपराधियों को दी जाने वाली सजा
(b) अकबर द्वारा प्रयुक्त जल संरक्षण विधि
(c) बाबर द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सैन्य रणनीति
(d) जहाँगीर द्वारा लगाया गया कर/लगान

RRB NTPC 15.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : बाबर ने पानीपत के प्रथम युद्ध में 'तुलुघमा युद्ध नीति' का इस्तेमाल किया। जिसमें पूरी सेना को विभिन्न इकाईयों-बाएँ, दाये और मध्य में विभाजित किया जाता है।

341. निम्न में से किस वंश के शासकों को 'सुल्तान' नहीं कहा जाता था?

(a) लोदी (b) खिलजी
(c) मुगल (d) तुगलक

RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-I) Stage IInd

Ans : (c) मुगल वंश के शासकों को 'सुल्तान' नहीं कहा जाता था। भारत के इतिहास में 'सुल्तान की उपाधि' तुर्की शासकों द्वारा प्रारम्भ की गयी थी। सुल्तान की उपाधि धारण करने वाला प्रथम शासक महमूद गजनवी था।

342. निम्नलिखित में से, मुगल सम्राटों, जिन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप पर शासन किया था, का उल्टा सही अनुक्रम (अंतिम से पहले) कौन सा है?

(a) अकबर, शाहजहाँ, औरंगजेब, बहादुर शाह द्वितीय
(b) औरंगजेब, बहादुर शाह द्वितीय, शाहजहाँ, अकबर
(c) बहादुरशाह द्वितीय, औरंगजेब, शाहजहाँ, अकबर
(d) अकबर, औरंगजेब, शाहजहाँ, बहादुर शाह द्वितीय

RRB NTPC Stage Ist 26.04.2016 (Shift-II)

Ans :(c) मुगल सम्राट जिन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप पर शासन किया था, का उल्टा क्रम इस प्रकार होगा बहादुरशाह II (जफर) (1837–1857 ई.), औरंगजेब (1658–1707 ई.), शाहजहाँ (1627–1658 ई.) अकबर (1556–1605 ई.) है।

6(ii) शेरशाह सूरी (Shershah Suri)

343. इनमें से किसने अपने साम्राज्य को संगठित एवं मजबूत बनाने के लिए सिंधु घाटी से लेकर बंगाल में स्थित सोनार घाटी तक शाही (रॉयल) सड़क का निर्माण कराया था, जिसका नाम ब्रिटिश काल के दौरान बदलकर जी.टी. रोड कर दिया गया था ?

(a) औरंगजेब (b) शेर शाह सूरी
(c) बहादुर शाह जफर (d) आलम शाह

RRB NTPC 13.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : शेरशाह सूरी ने 1542 ई. में बंगाल के सोनारगाँव से सिंध प्रांत तक सड़क मार्ग (पक्की) का निर्माण करवाया। इसे सड़क-ए-आजम या शेरशाह सूरी मार्ग के नाम से जाना जाता है। इसकी कुल लम्बाई लगभग 2500 किमी. है। ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड ऑकलैण्ड ने 19वीं शताब्दी में इसका नाम बदलकर जी. टी. रोड (ग्रैंड ट्रंक रोड) कर दिया।

344. सिंधु घाटी को सोनार घाटी से जोड़ने वाली 'शाही' सड़क का निर्माण किसने कराया था?

(a) अकबर (b) हुमायूँ
(c) शाहजहाँ (d) शेरशाह सूरी

RRB NTPC 14.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

345. शेर शाह सूरी का मकबरा ..... में स्थित है।

(a) फतेहपुर सीकरी (b) दिल्ली
(c) सासाराम (d) आगरा

RRB NTPC 11.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : शेरशाह सूरी का मकबरा बिहार के सासाराम में स्थित है। शेरशाह ने अपने जीवन काल में अपने मकबरे का निर्माण सोन नदी के तट पर करवाया। यह मकबरा अष्टकोणीय है तथा एक झील के बीच में निर्मित है। इसके शासनकाल में भूमि मापने के लिए गज-ए-सिंकदरी पद्धति का प्रयोग किया जाता था। गज-ए-सिकन्दरी की शुरुआत सिकन्दर लोदी ने की थी।

शासक		मकबरा का स्थान
बाबर	–	काबुल
हुमायूँ	–	दिल्ली
अकबर	–	सिकन्दरा (आगरा)
जहाँगीर	–	शाहदरा (लाहौर)
शाहजहाँ	–	आगरा
औरंगजेब	–	औरंगाबाद
सलीम चिश्ती	–	फतेहपुर सीकरी

6 (iii) अकबर (Akbar)

346. पानीपत की दूसरी लड़ाई में बैरम खान ने _____ को हराया था।

(a) महाराणा प्रातप (b) खान ज़मान
(c) राणा प्रताप (d) हेमू

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : पानीपत का दूसरी लड़ाई 5 नवंबर, 1556 को उत्तर भारत के हिन्दू सेनापति हेमचन्द्र विक्रमादित्य (लोकप्रिय नाम-हेमू) और अकबर की सेना के बीच पानीपत के मैदान में लड़ा गया था। अकबर के सेनापति बैरम खान के लिए यह एक निर्णायक जीत थी। ध्यातव्य है कि पानीपत में सन् 1526, 1556 और 1761 में तीन महत्वपूर्ण युद्ध लड़े गए थे।

347. समन्वयी धर्म दीन-ए-इलाही (शाब्दिक अर्थ- 'ईश्वर का धर्म') की स्थापना किसके द्वारा की गई थी ?

(a) अकबर (b) औरंगजेब
(c) जहांगीर (d) बाबर

RRB NTPC 29.03.2016 (Shift-I) Stage Ist
RRB NTPC 09.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : 1582 ई. में अकबर ने दीन–ए–इलाही की शुरूआत की थी। इसे तौहीद–ए–इलाही के नाम से भी जाना जाता था। दीन-ए-इलाही का प्रधान पुरोहित अबुल फजल था। हिन्दू राजाओं में इसे बीरबल ने स्वीकार किया। यह शांति और सहिष्णुता की नीति का समर्थन करता था।

348. अहमदनगर की किस रानी ने बादशाह अकबर का विरोध किया था?

(a) रानी दुर्गावती (b) जीनत महल
(c) चाँद बीबी (d) रजिया सुल्तान

RRB NTPC 23.01.2021 (Shift-I) Stage Ist
RRB NTPC 12.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (c) 'चाँद बीबी' जिन्हें 'चाँद खातून' या 'चांद सुल्ताना' के नाम से भी जाना जाता है, एक भारतीय मुस्लिम महिला योद्धा थी। वे बीजापुर और अहमदनगर की संरक्षिका थी। चाँद बीबी को सबसे ज्यादा सम्राट अकबर की मुगल सेना से अहमदनगर की रक्षा के लिए जाना जाता है।

349. महत्वपूर्ण विदेशी यात्रियों और उस शासक या राजवंश, जिसके शासनकाल के दौरान वे भारत आए थे, का निम्न में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

(a) राल्फ फिच - अकबर
(b) अब्दुर्रज्जाक - देव राय द्वितीय
(c) जॉन जुर्डन - शाहजहाँ
(d) मार्को पोलो - पांड्य साम्राज्य

RRB NTPC 05.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : राल्फ फिच इंग्लैण्ड का व्यापारी था जो मुगल बादशाह अकबर के शासन काल में (1583 से 1591) में भारत आया था। 1443 ई. में फारसी यात्री अब्दुर्रज्जाक संगम वंश के शासक देवराय द्वितीय के शासनकाल में भारत आया।
मार्को पोलो इटली का यात्री था जो 1292 ई. में कोरोमंडल तट पर आया उस समय वहाँ पांड्य वंश का शासन था।

350. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प (मुगल शासक उसके शासनकाल के दौरान भारत आने वाला विदेशी यात्री के आधार पर) सही तौर पर सुमेलित है?

(a) शाहजहां - विलियम हॉकिन्स
(b) जहांगीर - मनुची
(c) औरंगजेब - मनुची
(d) अकबर - सर थॉमस रो

RRB NTPC 05.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : विदेशी यात्री		**शासक**
सर थॉमस रो व कैप्टन हॉकिंस (ब्रिटिश)	-	जहाँगीर
सर टॉमस स्टेफेंस	-	अकबर
निकोलो मनुची (इटली)	-	शाहजहाँ और औरंगजेब
पीटर मुंडी (ब्रिटिश)	-	शाहजहाँ

351. तख्त-ए-अकबरी नामक मंच, जहाँ पर अकबर का सम्राट के रूप में राज्याभिषेक किया गया था, किस राज्य में स्थित है?

(a) राजस्थान (b) उत्तर प्रदेश
(c) हरियाणा (d) पंजाब

RRB NTPC 12.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : तख्त-ए-अकबरी नामक मंच पर 14 फरवरी, 1556 को पंजाब के कालानौर नामक स्थान पर अकबर का राज्याभिषेक हुआ था। अकबर का बचपन का नाम जलाल था। वह जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर की उपाधि से राजसिंहासन पर बैठा था।

352. ____बैरम खान का बेटा था, जिसने अकबर के दरबार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

(a) अब्दुल रहीम खान-ए-खाना (b) अमीर खुसरो
(c) अबुल फजल (d) बीरबल

RRB NTPC 08.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : बैरम खान का पुत्र अब्दुल रहीम खान-ए-खाना था, जो अकबर के दरबार में नवरत्नों में से एक था। गुजरात के युद्ध में शौर्य प्रदर्शन के कारण अकबर ने इन्हे **'खानखाना'** की उपाधि दी थी।
रहीम अरबी, तुर्की, फारसी, संस्कृत और हिन्दी के ज्ञाता थे। इन्हे ज्योतिष का भी ज्ञान था। रहीम का जन्म् सन् 1556 ई. में लाहौर में हुआ था। रहीम की प्रमुख रचनाएँ–रहीम सतसई, श्रृंगार सतसई रहीम रत्नावली आदि है। इन्होंने खड़ी बोली के साथ-साथ फारसी में भी रचनाएँ की। रहीम की रचनाओं का संग्रह ''रहीम-रत्नावली'' के नाम से प्रकाशित हुआ है।

353. इनमें से किसे 'खान-ए-खाना' (Khan-i-khanan)' की उपाधि से सम्मानित किया गया था?

(a) अकबर (b) शेरशाह सूरी
(c) बैरम खां (d) हुमायूं

RRB NTPC 02.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : बैरम खां को 'खान-ए-खाना' की उपाधि से सम्मानित किया गया था। ये बाल्यावस्था में अकबर के संरक्षक थे। 1561 ई. में इन्हे हटा कर हज के लिए भेज दिया गया, जहां रास्ते में पाटन नामक स्थान पर मुबारक खाँ ने इनकी हत्या कर दी। रहीम इनके पुत्र थे। जिन्हें अकबर ने खान-ए-खाना की उपाधि से विभूषित किया था।

354. अकबर कब सम्राट बना था?

(a) 1552 ई. (b) 1560 ई.
(c) 1556 ई. (d) 1550 ई.

RRB NTPC 04.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : अकबर का राज्याभिषेक 14 फरवरी, 1556 ई. को हुआ, वह 1556-1605 ई. तक मुगल सम्राट रहा। वह 13 वर्ष की अल्पायु में सम्राट बना। इसका प्रधानमंत्री बैरम खां था जो इसका संरक्षक भी था। अकबर के बारे में जानने का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत अकबरनामा है जिसके रचनाकार अबुल फजल हैं।

355. हल्दीघाटी का युद्ध कब लड़ा गया था?

(a) 1568 (b) 1552
(c) 1576 (d) 1584

RRB NTPC 15.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : हल्दीघाटी का युद्ध 18 जून 1576 को मेवाड़ के राजपूत शासक महाराणा प्रताप और मुगल बादशाह अकबर के बीच लड़ा गया था। इस युद्ध में महाराणा प्रताप पराजित हुए थे।

356. इनमें से कौन सम्राट अकबर के शासन में राजस्व मंत्री थे?

(a) वज़ीर खान (b) नूर जहां
(c) टोडर मल (d) अबुल फज़ल

RRB NTPC 04.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : अकबर के राजस्व मंत्री टोडरमल ने दस साल (1570-1580) की अवधि के लिए कृषि की पैदावार, कीमतों और कृषि भूमि का सावधानी पूर्वक सर्वेक्षण किया। इन आंकड़ों के आधार पर प्रत्येक फसल पर नकद के रूप में कर (राजस्व) निश्चित कर दिया गया। प्रत्येक सूबे (प्रांत) को राजस्व मंडलों में बांटा गया और प्रत्येक की हर फसल के लिए राजस्व दर की अलग सूची बनायी गई। राजस्व प्राप्त करने की इस व्यवस्था को 'जब्त' कहा जाता था। अकबर ने 1580 में 'आइन-ए-दहसाला' (टोडरमल बंदोबस्त) नामक एक नई कर प्रणाली को शुरू किया।

357. अकबर के विचार सुलह-ए-कुल का आशय क्या था?

(a) आक्रमणकारियों के प्रति असहिष्णुता
(b) सार्वभौमिक शांति
(c) लैंगिक न्याय
(d) धार्मिक समानता

RRB NTPC 26.07.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : अकबर के विचार सुलह-ए-कुल का आशय 'सार्वभौमिक शांति' था। सूफी संत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती ने सुलह-ए-कुल का सिद्धांत दिया, जिसे अकबर ने प्रतिपादित किया इसमें यूँ तो सभी धर्मों और मतों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता थी किन्तु उसकी एक शर्त थी कि वे राज्य-सत्ता को क्षति नहीं पहुँचाएंगे अथवा आपस में नहीं लड़ेंगे। फतेहपुर सीकरी के स्थापत्य में अकबर के 'सुलह-ए-कुल' की नीति का बिंब हिंदू-मुस्लिम स्थापत्य के सामंजस्य के रूप में देखा जा सकता है।

358. अकबर द्वारा किस वर्ष 'इबादत-खाना (पूजा घर)' का निर्माण कराया गया था?

(a) 1575 (b) 1679
(c) 1675 (d) 1579

RRB NTPC 08.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : अकबर ने दार्शनिक एवं धर्मशास्त्रीय प्रश्नों पर वाद-विवाद हेतु फतेहपुर सीकरी में 1575 में इबादत-खाना का निर्माण कराया। इसमें बादशाह की अध्यक्षता में सैयद, शेख व उलेमा धार्मिक विषयों पर चर्चा किया करते थे। 1578 ई. में अकबर ने सभी धर्मों के लिए इबादत-खाना का द्वार खोल दिया।

359. पानीपत का दूसरा युद्ध अकबर और हेमू के बीच किस वर्ष में हुआ था?

(a) 1526 (b) 1536
(c) 1576 (d) 1556

RRB NTPC 28.12.2020 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : पानीपत का द्वितीय युद्ध 5 नवंबर, 1556 ई. को हिन्दू सम्राट हेमचन्द विक्रमादित्य (हेमू) और मुगल बादशाह अकबर के मध्य पानीपत के मैदान में लड़ा गया था। इस युद्ध में अकबर विजयी हुआ।

360. ..... भारत के तीसरे मुगल सम्राट थे–

(a) हुमायूँ (b) अकबर
(c) औरंगजेब (d) जहाँगीर

RRB NTPC 19.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (b) मुगल वंश की नींव बाबर ने रखी थी। मुगलों की राजकीय भाषा फारसी थी। जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर मुगल वंश का तीसरा शासक था।

361. अकबर की प्रशासनिक सीट थी?

(a) इलाहाबाद (b) लखनऊ
(c) दिल्ली (d) आगरा

RRB NTPC 17.01.2017 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (c) अकबर की प्रशासनिक व्यवस्था का संचालन दिल्ली से होता था। सन् 1560 में अकबर ने स्वयं सत्ता सम्भाली और अपने शासनकाल में ताँबे, चाँदी और सोने की मुद्राएँ प्रचलित की। अकबर की प्रशासनिक व्यवस्था को 'मुगल प्रशासनिक व्यवस्था' के नाम से भी जाना जाता है।

6(iv) जहाँगीर (Jahangir)

362. भारत के इनमें से किस मुगल शासक ने अंग्रेजों को सूरत में अपना पहला कारखाना स्थापित करने की अनुमति दी थी?

(a) शाहजहाँ (b) बहादुर शाह जफर
(c) औरंगजेब (d) जहांगीर

RRB NTPC 02.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : 1608 ई. में इंग्लैंड के राजा जेम्स प्रथम के दूत के रूप में कैप्टन हॉकिन्स सूरत पहुँचा, जहाँ से वह मुगल सम्राट जहांगीर से मिलने आगरा गया। 6 फरवरी 1613 को जारी शाही फरमान (जहांगीर की ओर से) द्वारा अंग्रेजों को सूरत में व्यापारिक कोठी स्थापित करने की अनुमति प्राप्त हो गई। जिसके फलस्वरूप 1613 में अंग्रेजों ने सूरत में अपना पहला कारखाना स्थापित किया।

363. जहांगीर भारत का ..... मुगल बादशाह था–

(a) 3rd (b) 4th
(c) 5th (d) 6th

RRB NTPC 19.04.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (b) जहाँगीर भारत का चौथा मुगल बादशाह था। इसके बचपन का नाम सलीम था। अकबर का उत्तराधिकारी सलीम हुआ, जो 1605 ई. को नूरूद्दीन मुहम्मद जहाँगीर बादशाह गाजी की उपाधि धारण कर गद्दी पर बैठा था।

6(v) शाहजहाँ (Shah Jahan)

364. शाहजहाँ की बेटी, जहाँआरा ने शाहजहाँनाबाद (दिल्ली) में स्थापित नई राजधानी की कई वास्तुशिल्प परियोजनाओं में भाग लिया था।

(a) बेगम इशरत (b) गुलबदन बेगम
(c) रोशनआरा (d) जहाँआरा

RRB NTPC 11.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : जहाँआरा (शाहजहाँ की बेटी) ने शाहजहाँनाबाद (दिल्ली) में स्थापित नई राजधानी की कई वास्तुशिल्प परियोजना में भाग लिया था। इनमें से आँगन व बाग के साथ एक दो मंजिली सराय थी। शाहजहाँनाबाद के हृदय स्थल चाँदनी चौक की रूपरेखा जहाँआरा द्वारा बनाई गई थी। जहाँआरा,रोशन आरा, बहने थीं। रोशनआरा ने उत्तराधिकार युद्ध में औरंगजेब का साथ दिया था। गुलबदन बेगम बाबर की पुत्री थी जिसनें 'हुमायूँनामा' की रचना की।

365. किस मुगल शासक ने ताजमहल बनवाया है?

(a) शाहजहाँ (b) हुमायूँ
(c) जहाँगीर (d) अकबर

RRB NTPC 04.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (a) ताजमहल भारत के आगरा शहर में स्थित एक विश्व प्रसिद्ध मकबरा है। इसका निर्माण मुगल सम्राट शाहजहाँ (1627–1658 ई.) ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में करवाया था। ताजमहल का निर्माण करने वाला स्थापत्य कलाकार उस्ताद अहमद लाहौरी था। शाहजहाँ के शासनकाल में मस्जिद निर्माण कला अपने शिखर पर थी।

6(vi) औरंगजेब (Aurangzeb)

366. औरंगज़ेब के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

(a) उसे आलमगीर के नाम से भी जाना जाता था।
(b) सत्ता के लिए अपने संघर्ष में, औरंगजेब ने अपने भाई दारा को लड़ाई में निर्णायक रूप से हराया और अपने पिता को आगरा में अपने ही महल में नजरबंद कर दिया।
(c) वह शाहजहाँ और मुमताज़ महल का दूसरा पुत्र था।
(d) 18वीं शताब्दी के मध्य में औरंगज़ेब की मृत्यु के बाद मुग़ल साम्राज्य का पतन होता चला गया।

RRB NTPC 24.07.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : शाहजहाँ के चार पुत्र और तीन पुत्रियाँ थी। इसमें पहला दाराशिकोह, दूसरा शाहशुजा, तीसरा औरंगजेब तथा चौथा मुरादबख्श था। उत्तराधिकार के संघर्ष में औरंगजेब विजयी हुआ। औरंगजेब मुगल वंश का छठा शासक तथा अकबर के बाद सर्वाधिक समय तक शासन करने वाला मुगल शासक था। उसने 1658-1707 ई. तक शासन किया। उसने बादशाही मस्जिद (लाहौर), बीबी का मकबरा (औरंगाबाद) तथा लाल किले में मोती मस्जिद का निर्माण करवाया था।

367. निम्नलिखित में से किस राजा को औरंगजेब ने छत्रपति शिवाजी महाराज के विरुद्ध युद्ध के लिए भेजा था ?

(a) बहादुर शाह ज़फर (b) आदिल शाह
(c) मान सिंह (d) जय सिंह

RRB NTPC 25.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : औरंगजेब ने 1665 ई. में आमेर के राजा जय सिंह को शिवाजी के विरुद्ध युद्ध के लिए भेजा था। राजा जय सिंह ने मराठा राजा छत्रपति शिवाजी को पराजित कर जून, 1665 ई. को 'पुरन्दर की संधि' करने के लिए विवश कर दिया। पुरन्दर की संधि राजा जय सिंह की व्यक्तिगत विजय थी। इस संधि के अनुसार, मराठों को कई किले मुगलों को देने पड़े।

368. किसे राबिया-उद-दुर्रानी के नाम से भी जाना जाता था?

(a) नूरजहाँ (b) दिलरास बानू बेगम
(c) जगत गोसाईं (d) अस्मत बेगम

RRB NTPC 29.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : राबिया दुर्रानी (राबिया-उद्-दौरानी) का मूल नाम दिलरास बानू बेगम था। यह औरंगजेब की पत्नी थी। औरंगजेब ने औरंगाबाद में राबिया-उद्-दौरानी का मकबरा बनवाया, जिसे द्वितीय ताजमहल कहा जाता है। इसे बीबी का मकबरा भी कहा जाता है।

6(vii) उत्तरवर्ती मुगल शासक (Rulers of Later Mughal Period)

369. भारत का अंतिम मुगल शासक कौन था?

(a) आलमगीर द्वितीय (b) औरंगजेब
(c) अहमद शाह बहादुर (d) बहादुर शाह द्वितीय

RRB NTPC 29.03.2016 (Shift-I) Stage Ist
RRB NTPC 11.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : बहादुर शाह द्वितीय (जन्म 24 अक्टूबर, 1775 ई. मृत्यु 7 नवम्बर, 1862 ई.) मुगल साम्राज्य का अंतिम शासक था। इनका शासन काल 1837-57 तक था। बहादुर शाह द्वितीय एक कवि, संगीतकार व शायर था और राजनीतिक नेता के बजाय सौन्दर्यनुरागी व्यक्ति अधिक था। उन्होंने 1857 के प्रथम भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में भारतीय सिपाहियों का नेतृत्व किया। युद्ध में हार के बाद अंग्रेजों ने उन्हें बर्मा (अब म्यांमार) निर्वासित कर दिया जहाँ 1862 में उनकी मृत्यु हो गई।

370. भारत से मयूर सिंहासन (Peacock Throne) कौन लेकर गया था ?

(a) नादिर शाह (b) अहमद शाह
(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) चंगेज खाँ

RRB NTPC 12.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : नादिरशाह (ईरान का नेपोलियन) फारस का शासक था। इसने मुगल शासक मुहम्मद शाह के शासनकाल में 1739 ई. में आक्रमण किया तथा दोनों की सेनाओं में करनाल का भीषण युद्ध हुआ जिसमें मुहम्मद शाह को बंदी बना लिया गया। नादिरशाह दिल्ली में 50 दिन से अधिक रहा और लगातार लूटपाट करता रहा। वह प्रसिद्ध मुगल राजसिंहासन 'तख्त-ए-ताउस' तथा मुगल ताज में लगे विश्व के सर्वाधिक कीमती हीरे 'कोहिनूर' को भी वापसी के समय ले गया।

371. नादिर शाह ने _____ में भारत पर हमला किया था और दिल्ली में लूट-पाट की थी।

(a) 1739 (b) 1761
(c) 1754 (d) 1765

RRB NTPC 12.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

372. निम्नलिखित ऐतिहासिक घटनाओं को उनके कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें।

A. नादिरशाह ने भारत में घुसपैठ करके दिल्ली पर हमला किया।

B. बंगाल की दीवानी, ईस्ट इंडिया कंपनी को हस्तांतरित कर दी गई।

C. हुमायूँ ने अपने हारे हुए क्षेत्रों को फिर से जीत लिया।

D. अहमद शाह अब्दाली ने पानीपत की तीसरी लड़ाई में मराठों को हराया।

(a) C, A, B, D (b) A, D, B, C
(c) C, A, D, B (d) C, D, A, B

RRB NTPC 15.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) :

कालक्रम	ऐतिहासिक घटना
• 22 जून, 1555	हुमायूँ ने पंजाब के सूरी शासक सिकंदर शाह सूरी को सरहिन्द के युद्ध (22 जून 1555) में पराजित कर पुनः दिल्ली के तख्त पर बैठा।
• 1739 ई.	ईरान (फारस) के सम्राट नादिरशाह ने दिल्ली पर आक्रमण किया। उस समय दिल्ली का शासक मुहम्मदशाह था।
• 14 जनवरी, 1761 ई.	बालाजी बाजीराव के समय पानीपत का तृतीय युद्ध हुआ, जिसमें अहमदशाह अब्दाली के हाथों मराठों की हार हुई।
• 12 अगस्त, 1765 ई. इलाहाबाद की प्रथम संधि	ईस्ट इंडिया कंपनी ने मुगल बादशाह शाह आलम द्वितीय को मीर कासिम और शुजाउद्दौला की संयुक्त सेना को बक्सर के युद्ध में हराया। लॉर्ड क्लाइव ने पूर्वी प्रांतों बंगाल, बिहार और उड़ीसा की दीवानी हासिल की।

373. अहमद शाह अब्दाली भारत में किस एशियाई देश से आया था?

(a) फारस (b) तुर्की
(c) अफ़गानिस्तान (d) मंगोलिया

RRB NTPC 03.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : अहमद शाह अब्दाली भारत में एशियाई देश अफगानिस्तान से आया था। अहमद शाह ने भारत पर प्रथम आक्रमण 1748 में पंजाब पर किया जो असफल रहा। उसने 1757 में दिल्ली पर विजय प्राप्त की। अहमदशाह अब्दाली एवं मराठों के मध्य प्रसिद्ध पानीपत का तीसरा युद्ध 14 जनवरी, 1761 में हुआ जिसमें मराठे पराजित हुए।

7. मुगल कालीन साहित्य (Literature during Mughal Period)

374. निम्न में से कौन सी कृति मुगल भारत के इतिहास के संबंध में विचारण/संदर्भ योग्य नहीं है?

(a) आलमगीरनामा (b) शाहनामा
(c) शाहजहाँनामा (d) अकबरनामा

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-II)

Ans. (b) : फिरदौसी द्वारा रचित 'शाहनामा' मुगल भारत के इतिहास के सम्बन्ध में विचारणीय नहीं है, यह महमूद गजनवी के दरबार में निवास करता था।

- आलमगीरनामा मिर्जा मुहम्मद काजिम ने लिखी। इसमें औरंगजेब के शुरुआती 10 वर्ष के शासनकाल का वर्णन है।
- शाहजहाँनामा के लेखक इनायत खाँ है।
- अकबरनामा के लेखक अबुल फजल।

उपर्युक्त तीनो कृतियाँ मुगल भारत के इतिहास के बारे में बताती है।

375. अकरबरनामा, कितनी पुस्तकों में विभाजित है ?

(a) 5 पुस्तकें (b) 4 पुस्तकें
(c) 2 पुस्तकें (d) 3 पुस्तकें

RRB NTPC (Stage-2) 12/06/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : अकबरनामा को तीन किताबों में विभाजित किया गया है। पहला पुस्तक में अकबर के पूर्वजों के बारे में है, दूसरी पुस्तक में अकबर के शासनकाल के बारे में है और तीसरा पुस्तक आइन (जिल्द) ए-अकबरी है। इसके रचनाकार 'अबुल फजल' थे जो कि अकबर के नवरत्नों में से एक थे। वर्तमान में, अकबरनामा लंदन के एक संग्रहालय में संरक्षित है।

376. 14वीं शताब्दी में फारसी साहित्य का निम्नलिखित में से कौन सा प्रसिद्ध साहित्यकार, गज़लों से संबंधित था जिसे उसके संपूर्ण व्यक्तित्व और काव्य कला के लिए सराहा गया?

(a) मुहम्मद इकबाल (b) मिर्जा गालिब
(c) रूमी (d) हाफ़िज

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-III)

Ans. (d) : 14वीं शताब्दी के फारसी साहित्यकार हाफिज को उनकी गज़लों के लिए जाना जाता था। उनकी कविताओं के संग्रह को 'दीवान' या 'दीवान-ए-हाफिज' के रूप में जाना जाता है। मिर्जा गालिब 19वीं शताब्दी के प्रसिद्ध उर्दू एवं फारसी के प्रसिद्ध शायर थे। जिन्हें उर्दू भाषा का सर्वकालिक महान शायर माना जाता है।

377. मध्यकाल में लिखे गए महाकाव्य ''पद्मावत'' के लेखक कौन हैं ?

(a) मुल्ला दाउद
(b) अबुल-फजल इब्न मुबारक़
(c) मलिक मुहम्मद ''जायसी''
(d) अमीर खुसरो

RRB NTPC 23.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : महाकाव्य 'पद्मावत' के लेखक मलिक मोहम्मद जायसी हैं। यह कथा काल्पनिक न होकर चित्तौड़ के राजा रतन सिंह और पद्मावती की कथा है। पद्मावत मसनवी शैली में रचित एक प्रबन्ध काव्य है, जिसमें चित्तौड़ पर अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण तथा पद्मिनी (पद्मावत) के जौहर का वर्णन है।
अखरावट, आखिरी कलाम, चित्ररेखा, कहरनामा, मसलानामा आदि जायसी की रचनाएँ है।

378. 'आइन-ए-अकबरी' किसने लिखी थी? यह 16वीं शताब्दी का विस्तृत दस्तावेज है, जिसमें सम्राट अकबर के अधीन मुगल साम्राज्य की प्रशासन व्यवस्था का विस्तृत वर्णन किया गया है।

(a) मुल्ला शाह (b) अब्दुर रहीम
(c) अबुल फज़ल (d) हाजी इब्राहिम

RRB NTPC 22.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : 'आइन-ए-अकबरी' अकबर के दरबारी इतिहासकार 'अबुल फज़ल' द्वारा फारसी भाषा में लिखी गई थी। यह 16वीं शताब्दी का विस्तृत दस्तावेज है, जिसमें सम्राट अकबर के अधीन मुगल साम्राज्य की प्रशासन व्यवस्था का विस्तृत वर्णन किया गया है। 'आइन-ए-अकबरी' अबुल फज़ल द्वारा रचित 'अकबरनामा' का ही एक भाग है। अकबरनामा के तीन भाग है, जिसमें से तीसरे भाग को 'आइन-ए-अकबरी' कहते हैं।

379. हुमायूँ-नामा _____ द्वारा लिखी गयी थी।

(a) गुलबदन बेगम (b) बाबर
(c) अकबर (d) नूरजहाँ

RRB NTPC 29.12.2020 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : हुमायूँनामा की रचना गुलबदन बेगम ने की थी जो हुमायूँ की बहन थी। इसने अकबर के आग्रह पर यह पुस्तक लिखी। इस पुस्तक में बाबर और हुमायूँ के शासनकाल का विवरण और तत्कालीन समाज का उल्लेख किया गया है।

8. मुगल कालीन स्थापत्य एवं चित्रकला (Art & Architecture in Mughal Period)

380. गोल गुम्बज, राजा मोहम्मद आदिलशाह का मकबरा है। यह _____ का हिस्सा हैं।

(a) बुंदेलखंड (b) भरतपुर
(c) पानीपत (d) बीजापुर

RRB NTPC (Stage-2) 14/06/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : गोल गुम्बज बीजापुर के सुल्तान मोहम्मद आदिलशाह का मकबरा है, स्वयं शासक द्वारा निर्मित यह अधूरा होने के बावजूद एक शानदार इमारत है। यह गहरे भूरे रंग के बेसाल्ट चट्टान से निर्मित है। इस मकबरे में फारसी, हिंदू और पठान वास्तुकला का प्रभाव दिखाई पड़ता है।

381. जल की मांग पूरी करने के लिए निर्मित पचास बावड़ियों में से सबसे बड़ी रानीजी की बावड़ी या 'क्वींस स्टेपवेल', इनमें से कहां स्थित है?

(a) राजस्थान में बांसवाड़ा (b) राजस्थान में बूंदी
(c) राजस्थान में जयपुर (d) राजस्थान में जैसलमेर

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-III)

Ans. (b) : जल की माँग पूरी करने के लिए बनवाई गई 50 बावड़ियों में सबसे बड़ी रानी जी की बावड़ी या क्वींस स्टेपवेल राजस्थान के बूँदी में स्थित है। इसका निर्माण 1699 में बूँदी के शासक महाराज राजा अनिरुद्ध सिंह की छोटी रानी, रानी उदयमती जी ने करवाया था। यह बावड़ी 46 मीटर गहरी एक सीढ़ीदार कुआँ है।

382. अहिल्या किले को 18वीं शताब्दी में ..... नदी के तट पर निर्मित किया गया था।

(a) कोसी (b) गंगा (c) तापी (d) नर्मदा

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-III)

Ans. (d) : मध्यप्रदेश के महेश्वर नगर में 18वीं शताब्दी में निर्मित देवी अहिल्याबाई का किला नर्मदा नदी के तट पर स्थित है। यह 1765 से 1796 तक देवी अहिल्या बाई होल्कर का निवास स्थान था। वर्ष 2000 में, इनके वंशज प्रिंस रिचर्ड होल्कर ने इसे एक अतिथि निवास में बदल दिया, जो आज अहिल्या फोर्ट होटल के रूप में जाना जाता है।

383. सम्राट अकबर का मकबरा किस शहर में स्थित है?

(a) वाराणसी (b) चेन्नई
(c) चंडीगढ़ (d) आगरा

RRB NTPC 07.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : अकबर का मकबरा सिकंदरा, आगरा में स्थित है। इस मकबरे के निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली मुख्य निर्माण सामग्री संगमरमर के साथ मिश्रित लाल बलुआ पत्थर है। मकबरे का निर्माण हिन्दू, इस्लामिक, बौद्ध और जैन वास्तुकला पर आधारित है। बगीचे के मध्य बना यह मकबरा 5 तल ऊँचा है जिसका प्रत्येक तल छोटा होकर इसे पिरामिडनुमा बनाता है। इसका निर्माण अकबर ने प्रारम्भ करवाया था, परन्तु इसे पूर्ण जहाँगीर ने किया। इस पर बौद्ध प्रभाव झलकता है।

384. हैदराबाद के चारमीनार के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

(a) यह शहर में प्लेग के अंत को चिह्नित करता है।
(b) इसे 1591 में मोहम्मद क़ुली क़ुतुब शाह ने बनवाया था।
(c) मेहराब कमरों की चार मंजिलों और मेहराबों की दीर्घा को सहारा देते हैं।
(d) यह उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम की ओर उन्मुख चार भव्य मेहराबों पर बनाया गया है।

RRB NTPC 24.07.2021 (Shift-I) Stage Ist
RRB NTPC 02.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : चारमीनार का निर्माण कुली कुतुबशाह ने 1591 ई. में करवाया था। यह हैदराबाद (तेलंगाना) में स्थित एक स्मारक एवं मस्जिद है। यह मूसी नदी के पूर्वी तट पर अवस्थित ऐतिहासिक एवं धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण इमारत है। यह शहर में प्लेग के अन्त को चिह्नित करता है। यह चार मीनारों (उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम) वाली चौकोर संरचना है। मेहराब कमरों की चार मंजिलों और मेहराबों की दिर्घा को सहारा देते है, यह कथन गलत है।

385. चारमीनार का निर्माण निम्न में से किस व्यापक रूप से फैली बीमारी के उन्मूलन के लिए किया गया था?

(a) पीत ज्वर (b) प्लेग
(c) कुष्ठ रोग (d) कैंसर

RRB NTPC Stage Ist 28.04.2016 (Shift-III)

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

386. हैदराबाद के चारमीनार का निर्माण किसके द्वारा कराया गया था ?

(a) आसफ जाह (b) मुहम्मद कुली कुतुब शाह
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) मुहम्मद बिन तुगलक

RRB NTPC 23.01.2021 (Shift-II) Stage Ist
RRB NTPC 01.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : चारमीनार का निर्माण कुली कुतुबशाह ने 1591 ई. में करवाया था।

387. महाराजा जय सिंह द्वितीय ने इनमें से किस शहर में जंतर-मंतर का निर्माण नहीं करवाया था?

(a) जयपुर (b) दिल्ली
(c) इलाहाबाद (d) वाराणसी

RRB NTPC 06.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : महाराजा जयसिंह द्वितीय ने पाँच शहरों में जंतर-मंतर (वेध शालाओं) का निर्माण कराया जो निम्न है- दिल्ली, जयपुर, उज्जैन, बनारस और मथुरा। इनमें से जयपुर का जन्तर - मन्तर (वेधशाला) सबसे बड़ी है। जयपुर के जन्तर-मन्तर को साल 2010 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल किया गया।

388. दिल्ली में जंतर-मंतर का ऐतिहासिक दृष्टि से क्या महत्व है?

(a) जनसभा (b) भूख हड़ताल
(c) प्राचीन मूर्तियाँ (d) खगोलीय वेधशाला

Ans : (d) दिल्ली का जंतर-मंतर एक खगोलीय वेधशाला है जिसका निर्माण महाराज सवाई जयसिंह II ने 1724 ई. में करवाया था। यह इमारत प्राचीन भारत की वैज्ञानिक उन्नति की मिसाल है। इन्होंने दिल्ली के अलावा जयपुर, उज्जैन, मथुरा और वाराणसी में भी इसका निर्माण करवाया था।

389. निम्नलिखित में से कौन सा स्मारक तमिलनाडु में स्थित नहीं है?

(a) बेकल किला (b) वल्लुवर कोट्टम
(c) पद्मनाभपुरम पैलेस (d) मीनाक्षी अम्मन मंदिर

RRB NTPC 09.01.2021 (Shift-II) Stage Ist